रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रविवार 31 मार्च 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 06 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 341

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	38.5	23.2
जमशेदपुर	39.6	23.8
डालटनगंज	39.6	22.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

चुनावी समर

सत्ता में आयी तो रोजगार क्रांति लायेगी कांग्रेस पार्टी : खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस रोजगार के अवसर बढ़ाने, उद्यमशीलता को सक्षम बनाने और युवाओं की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए ठोस कदम उठाकर रोजगार क्रांति की शुरुआत करेगी. खरगे ने कहा कि कांग्रेस गारंटी देती है कि युवाओं का भविष्य अंधकारमय से उज्ज्वल हो जायेगा. उन्होंने युवा न्याय की गारंटी दोहरायी, जिसे पार्टी ने सत्ता में आने पर लागू करने का वादा किया है. खरगे ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, कांग्रेस पार्टी युवा न्याय गारंटी के माध्यम से रोजगार क्रांति लायेगी.

हम रोजगार के अवसर बढ़ाने, उद्यमशीलता को सक्षम करने और हमारे युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं को साकार करने के लिए ठोस कदम उठायेंगे. मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी पार्टी द्वारा युवा न्याय' के तहत दी गयी गारंटी को सूचीबद्ध किया.

न्यायपालिका पर दबाव बना रही मोदी सरकार : प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने केंद्र पर उच्चतम न्यायालय द्वारा चुनावी बांड योजना को रद्द किये जाने के बाद न्यायपालिका पर दबाव डालने का आरोप लगाया. सवाल किया कि क्या नरेंद्र मोदी सरकार को स्वतंत्र और मजबूत न्यायपालिका मंजूर नहीं है. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की यह टिप्पणी ऐसे समय आयी है, जब वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे समेत कुछ अन्य वकीलों की ओर से प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने के प्रयास के आरोप लगाये जाने

के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा था. प्रियंका गांधी ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, चुनावी बांड पर उच्चतम न्यायालय के एक निर्णय से घोटालों की परतें खुलती देख जिस ढंग से पत्र लिखवाकर न्यायिक ढांचे को दबाव में लाने की कोशिश की जा रही है.

रालोजपा, एनडीए का अभिन्न अंग, मोदी हमारे नेता : पारस

नयी दिल्ली। आरएलजेपी प्रमुख पशुपति पारस ने लंबी नाराजगी के बाद आखिर चुप्पी तोड़ी है. उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी रालोजपा, एनडीए का अभिन्न अंग है. पीएम मोदी हमारे नेता है. उनके नेतृत्व में एनडीए पूरे देश में 400 प्लस सीट जीतेगा और तीसरी बार रिकॉर्ड तोड़ बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी. एनडीए में एक भी सीट न मिलने के बाद पशुपति पारस ने केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था. उन्होंने कहा, मेरे और मेरी पार्टी के साथ नाइंसाफी हुई. हमें एक भी सीट नहीं दी गई. इस्तीफा देने के पहले तक पशुपति पारस मोदी सरकार में खाद्य और

प्रसंस्करण मंत्री थे. कहा जा रहा था कि पशुपति पारस अब बागी तेवर दिखा सकते हैं और वह इंडिया ब्लॉक में जा सकते हैं, लेकिन अब पशुपति पारस ने साफ कह दिया है कि वह एनडीए के साथ ही रहेंगे. उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि हमारी पार्टी एनडीए का अभिन्न अंग है.

भाजपा की मैनिफेस्टो कमेटी में झारखंड से हैं अर्जुन मुंडा

रांची। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए इलेक्शन मैनिफेस्टो कमेटी का गठन कर लिया है. कमेटी में अध्यक्ष, संयोजक सहित 27 सदस्य हैं. झारखंड से केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को भी कमेटी में शामिल किया गया है. राजनाथ सिंह को कमेटी का अध्यक्ष, निर्मला सीतारमण को संयोजक और पीयूष गोयल को सह-संयोजक बनाया गया है. समिति में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, धर्मेंद्र प्रधान, स्मृति ईरानी और राजीव चंद्रशेखर के अलावा पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कुछ पूर्व उपमुख्यमंत्री भी शामिल हैं. मुख्यमंत्रियों में गुजरात के भूपेंद्र पटेल,

मध्य प्रदेश के मोहन यादव, असम के हिमंत विश्व शर्मा और छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय के नाम हैं, जबकि पूर्व मुख्यमंत्रियों में शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे सिंधिया के नाम हैं. इसमें बिहार से पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद, सुशील कुमार मोदी हैं. - शेष पेज 7 पर

वित्तीय वर्ष 2023-24 मार्च के अंत में दे धना-धन

एक लाख करोड़ खर्च

▪ गृह, ऊर्जा, माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षा व पेयजल विभाग खर्च करने में आगे

रवि भारती। रांची

झारखंड सरकार के विभाग खर्च को लेकर मार्च के अंत में ज्यादा सक्रिय हो गये हैं. जानकारी के अनुसार इस वित्तीय वर्ष 2023-24 की समाप्ति से एक दिन पहले यानि 30 मार्च तक बजटीय प्रावधान की राशि में से लगभग एक लाख करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं. 2023-24 के लिए 1,16,418.00 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान है. इनमें 70,900 करोड़ का योजना बजट शामिल था. राज्य सरकार ने अंतिम तिमाही में 4,100 करोड़ रुपये बढ़ोतरी कर योजना बजट का आकार 75 हजार करोड़ रुपये कर दिया. इस बार भी लगभग 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि सरेंडर होने की संभावना जतायी जा रही है. वहीं सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान विकास योजनाओं के लिए बजट में निर्धारित राशि अनुपूरक के माध्यम से बढ़ायी.

कोषागार से राशि निकासी के लिए 15 % की सीमा है तय : चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्य सरकार ने मार्च में कोषागार से राशि निकासी के लिए 15 % की सीमा तय कर दी है. इसमें यह शर्त है कि यह राशि कार्य के विरुद्ध हो. इसके अलावा अन्य योजना मद से वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त कुल आवंटन की 15 % की सीमा तक ही राशि की निकासी की जा सकेगी. पीएल खाते से भी 15 % तक ही राशि की निकासी की जा सकेगी. स्थापना मद अंतर्गत राशि की निकासी होगी. वित्त विभाग ने इस संबंध में सभी विभागों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश दिया है और संबंधित निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी एवं कोषागार पदाधिकारी द्वारा विपत्र तैयार करने और पारित करने की कार्रवाई इसी दिशा-निर्देश के अनुसार करने को कहा है.

15 हजार करोड़ तक की राशि हो सकती है सरेंडर

चालू वित्तीय वर्ष में 1,16,418.00 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान

30 मार्च को 1052 करोड़ की स्वीकृति

शनिवार यानि 30 मार्च को 554 एलॉटमेंट के जरिये 1,052 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गयी. चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 83,181 एलॉटमेंट किये गये हैं. वर्तमान में गृह और ऊर्जा विभाग खर्च करने में आगे है. गृह विभाग के लिए 7553.86 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान था, जिसमें से 6183.51 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है. वहीं ऊर्जा विभाग ने 15,635 करोड़ रुपये में से 14,344.38 करोड़ रुपए खर्च किये हैं. प्राथमिक शिक्षा में 7244.5 करोड़ में से 5600 करोड़ और माध्यमिक शिक्षा के 3672.71 करोड़ में से 2723.78 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं. महिला एवं बाल विकास विभाग ने 5896.47 करोड़ में से 4905.98 करोड़ रुपये खर्च किए हैं.

प्रमुख विभाग और खर्च

विभाग	खर्च (करोड़ में)
जल संसाधन	1268.64
लघु सिंचाई	236.16
ग्रामीण कार्य	2377.59
पंचायती राज	355.11
माध्यमिक शिक्षा	2723.78
प्राथमिक शिक्षा	5600.00
महिला बाल विकास	4905.98
कृषि	963.19
भवन निर्माण	437.09
मंत्रिमंडल निर्वाचन	207.50
सहकारिता	532.71
ऊर्जा	14344.38
खाद्य आपूर्ति	1067.89
वन पर्यावरण	698.01
स्वास्थ्य	3408.81
उच्च शिक्षा	1378.12
गृह	6183.51
उद्योग	217.51
सूचना जनसंपर्क	263.24
श्रम	706.48
पेयजल	3438.39
पथ	3807.68
ग्रामीण विकास	2919.74

बरियातू की 8.5 एकड़ जमीन ईडी ने अटैच की

▪ ईडी ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ 5,500 पन्नों की प्रॉसिक्यूशन कंप्लेन जमा की, कोर्ट ले सकता है संज्ञान

रांची (सौरभ / विनीत)। जमीन घोटाला मामले की जांच कर रही ईडी की टीम ने बरियातू के बड़गाईं अंचलकी 8.5 एकड़ जमीन को अटैच कर लिया है. मामले में जल्द ईडी आधिकारिक रूप से मीडिया को जानकारी देगी. दूसरी तरफ ईडी ने शनिवार को जमीन घोटाले मामले में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन, उनके मित्र विनोद सिंह, राजस्व अधिकारी भानु प्रताप प्रसाद के अलावा हिलेरियस कच्छप और राजकुमार पाहन के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की है. ईडी ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ दर्ज लैंड स्कैम के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग के केस में ईडी ने 5,500 पन्नों की प्रॉसिक्यूशन कंप्लेन (पीसी) भी दाखिल कर दी है. - शेष पेज 7 पर

चार विभूतियों को 'भारत रत्न'

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को दो पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया. राष्ट्रपति भवन के दरबार हाल में आयोजित अलंकरण समारोह में पूर्व पीएम पीवी. नरसिम्हा राव (मरणोपरांत) की ओर से उनके पुत्र पीवी. प्रभाकर राव ने भारत रत्न प्राप्त किया. पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह (मरणोपरांत) की ओर से उनके पौत्र जयंत चौधरी ने भारत रत्न ग्रहण किया. कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस. स्वामीनाथन (मरणोपरांत) की ओर से उनकी पुत्री डॉ. नित्या राव ने भारत रत्न प्राप्त किया.

कर्पूरी ठाकुर (मरणोपरांत) की ओर से उनके पुत्र रामनाथ ठाकुर ने भारत रत्न प्राप्त किया. इस मौके पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित थे. खबर है कि लालकृष्ण आडवाणी को राष्ट्रपति उनके आवास जाकर भारत रत्न से सम्मानित करेंगी.

सब शानदार, फिर नौकरी, रोटी और मकान का यह हाल क्यों !

सुरजीत सिंह

लोकसभा चुनाव सामने है. एक तरफ विकसित भारत का नारा है तो दूसरी तरफ गारंटी. इस बीच पब्लिक कहां है? रोजगार यानि जॉब के हालत खराब क्यों हैं ? रोटी यानि भोजन की क्या स्थिति है? मकान खरीदना या किराये पर रहना क्यों महंगा हो गया ? राजनीतिक दल इन मुद्दों पर बात क्यों नहीं कर रहे हैं. क्योंकि हम इन मुद्दों पर सोचते ही कब है. जानते ही कितना है. इसलिए पहले नौकरी, रोटी व मकान का हाल जान लें.

नौकरी

- देश में जो बेरोजगारों है, उनमें 83 प्रतिशत युवा हैं.
- 77.2 प्रतिशत पुरुष व 32.80 प्रतिशत महिला हैं.
- बोर्ड या उससे ऊपर के पढ़े-लिखे 65.7 प्रतिशत हैं.
- 75 प्रतिशत युवा ई-मेल नहीं भेजना नहीं जानते.
- 60 प्रतिशत युवा कंप्यूटर पर कॉपी-पेस्ट नहीं कर पाते.
- शहर में बेरोजगारी का प्रतिशत 49.6 है व गांवों में 57.40.

तो यह हाल है देश के युवाओं का. अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और मानव विकास संस्थान (आईएचडी) द्वारा पिछले हफ्ते जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा सामने आया है. मुख्य आर्थिक सलाहकार ने रिपोर्ट जारी करते वक्त कहा कि पढ़े-लिखे (शिक्षित) युवाओं में बेरोजगारी का स्तर ऊंचा है. दुर्भाग्य है कि देश के पढ़े-लिखे युवाओं की इस दुर्दशा की चर्चा इस चुनावी मौसम में कहीं नहीं हो रही. मीडिया से भी खबरें गायब ही हैं.

रोटी

- गेहूं का स्टॉक 16 साल के निचले स्तर पर चला गया है.
- एफसीआई में गेहूं का स्टॉक 77.3 लाख टन बचा है.
- 74.6 लाख टन गेहूं का बफर स्टॉक होना चाहिए.
- निजी कंपनियों को गेहूं नहीं खरीदने के लिए कहा गया है.

यह रिपोर्ट 27 मार्च को आयी है, जिसमें हमारे लिवाले के इंतजाम का हाल साफ दिख रहा है. एफसीआई के पास जो स्टॉक बचा है, वह बफर नियम की जो सीमा तय है, उससे थोड़ा ही अधिक है. बफर स्टॉक का मतलब यह होता है कि एक अप्रैल को एक निश्चित मात्रा में सरकार के पास गेहूं का स्टॉक होना चाहिए, ताकि किसी प्राकृतिक आपदा के वक्त काम आ सके. सरकार को 80 करोड़ परिवार को पांच किलो अनाज भी देना है. कुल मिलाकर स्थिति यह है कि सरकार के गोदामों में गेहूं का भंडार कम है. ऐसी स्थिति में सरकार गेहूं की महंगाई पर रोक लगाने में सक्षम नहीं होगी. तो आपकी थाली की रोटी की कीमत बढ़नी तय है. बेरोजगारी की तरह ही शायद ही यह जानकारी मीडिया ने आप तक पहुंचायी हो. चुनाव में यह भी कोई मुद्दा नहीं है.

मकान

- 1.50 करोड़ रुपये के बिन बिके मकान बन कर खड़े हैं.
- करीब 4.80 लाख मकान बिन बिके हैं.
- 4.80 लाख मकान पिछले 33 महीने में बिके थे.
- मकानों के किराये में 20-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.
- रिहायशी मकानों की कीमत में 30% की बढ़ोतरी हुई है.

आंकड़े उलझन भरे हैं. शुरू के तीन तथ्य चार माह पहले की रिपोर्ट के हैं, जिसके मुताबिक 50 लाख रुपये से कम के आवास कम बिक रहे हैं. क्योंकि मिडिल क्लास सिकुड़ता जा रहा है. घर खरीदना अब उसकी औकात से बाहर की बात है. देश में पहले से 4.80 लाख अनबिके मकान पड़े हैं. जो अनबिके मकान हैं, उसमें बैंक व आम लोगों का पैसा लगा है. जब तक मकान बिकते नहीं, तब तक पैसा वसूली संभव नहीं. मकान बिक नहीं रहे, क्योंकि खरीदने वाले नहीं हैं, इस कारण मकानों के किराये में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. 20-25 प्रतिशत की. रहने वाले ज्यादा हैं, और मकान कम. चौथा तथ्य पिछले हफ्ते आयी मैजिक ब्रिक्स की रिपोर्ट का है. यह रिपोर्ट बताती है कि रिहायशी यानि महंगे, 50 लाख से ऊपर के मकान खूब बन रहे हैं, खूब बिक भी रहे हैं और उसकी कीमत में 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है. मतलब जिनके पास पैसे हैं, उन्हें कोई दिक्कत नहीं. अमीरी-गरीबी की खाई बढ़ती जा रही है. लेकिन इस खबर की भी कहीं कोई चर्चा नहीं है.

सवाल यह उठता है कि जब देश में सब कुछ ठीक ही चल रहा है, तो यह स्थिति क्यों है. क्यों आम लोगों के सामने जिंदगी जीने की दिक्कतें हैं. कौन है जिम्मेदार ? क्यों हमने जिन्हें देश चलाने के लिए चुना, वह हमारे प्रति जिम्मेदार नहीं हैं. क्यों सत्ता में आते हैं आपके वोट से और काम करते हैं कॉर्पोरेट के लिए. अवैध तरीकों से कॉर्पोरेट से चंदा लेते हैं और खुद की मौज की व्यवस्था करते हैं. वोट डालने से पहले इस पर एक बार सोचना होगा.

आईपीएल-17

आज के मैच

गुजरात टाइगर्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद,
समय : दिन के 3 :30 बजे से

दिल्ली कैपिटल बनाम चेन्नई सुपरकिंग्स,
समय : शाम 7 :30 बजे से

ब्रीफ खबरें

कोडरमा से इंडिया के प्रत्याशी होंगे विनोद सिंह

रांची। कोडरमा लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के नाम पर मुहर लग गयी है. भाकपा माले के हिस्से में आयी इस सीट से उनकी पार्टी ने विनोद सिंह को उम्मीदवार बनाया है. भाकपा माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया है कि विनोद सिंह के नाम पर इंडिया अलायंस ने मुहर लगा दी है. - पेज 7 भी देखें

मुख्तार कालीबाग में हुए सुपुर्द-ए-खाक

गाजीपुर/लखनऊ। माफिया से नेता बने पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी का शव कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को गाजीपुर जिले में उनके पैतृक निवास युसूफपुर मोहम्मदाबाद के निकट कालीबाग स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया. इससे पहले मुख्तार के पैतृक आवास से सुबह के समय जनाजा निकाला गया, जिसमें उनके सांसद भाई अफजाल अंसारी, पुत्र उमर अंसारी, भतीजे विधायक सुहेब अंसारी समेत परिवार के सदस्य व समर्थक शामिल रहे,

teri
EIACP PC RP on Renewable Energy and Climate Change
सत्यमेव जयते
Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of India
LiFE Lifestyle for Environment
EIACP

नि :शुल्क आवासीय प्रशिक्षण हेतु सूचना

हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत

"सौर उद्यम सहायक प्रबंधक" में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के पर्यावरण सूचना प्रणाली के अन्तर्गत ईआईएसीपी पीसी (EIACP) संसाधन, सौर ऊर्जा प्रणालियों के तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान को प्रोत्साहित करने और मजबूत करने के लिए, द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट, (TERI) जो झारखंड में ग्रामीण और बेरोजगार अनुसूचित जनजाति के युवाओं के लिए "सोलर एंटरप्राइजेज असिस्टेंट मैनेजर" में एक सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित कर रही है। छह सप्ताह का यह कार्यक्रम संबंधित विषय विशेषज्ञों द्वारा सीधे बातचीत और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से उनके तकनीकी कौशल को बढ़ाएगा। आईटीआई/12वीं/10वीं पास या ड्रॉप-आउट वाले सभी स्थानीय युवाओं (पुरुष/महिला) को अंतिम योग्यता प्रमाण पत्र और आधार कार्ड की एक प्रति के साथ साक्षात्कार के लिए उपस्थित होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

साक्षात्कार की तिथि	:	10 अप्रैल 2024
साक्षात्कार स्थान	:	बलियापुर आईटीआई नॉर्थ कैंपस ग्लोबल हॉस्पिटल के पास, समलापुर, पो-सिंदरी, धनबाद, झारखंड, पिन 828122

संपर्क विवरण
सुश्री मिताली बेहरा
मो. 7894412582/7894412580

innodust
A Step Towards Innovation

नोट : यह पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवारों के लिए सख्ती से छह सप्ताह का आवासीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम होगा। स्थानीय महिला उम्मीदवारों के लिए इस शर्त से छूट दी गई है।

आज दिल्ली के रामलीला मैदान में होनेवाली महारैली में होंगी शामिल

कल्पना और सुनीता की मुलाकात के हैं कई मायने

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की है. दरअसल 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली विपक्ष की महारैली में कल्पना सोरेन शामिल होंगी. इस महारैली में सीएम चंपाई सोरेन भी शामिल होंगे. विपक्षी इंडिया गठबंधन ने नई दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली का आयोजन किया है. महारैली रविवार को आयोजित की गई है, जिसमें विपक्षी दलों के तमाम नेता शामिल होंगे. इस महारैली में सबकी नजरें कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल पर होंगी. दोनों मंच से जनता को क्या संदेश देंगी, यह देखने वाली बात होगी.इसकी वजह यह है कि दोनों के पति ईडी की कार्रवाई की वजह से जेल में हैं और इन दो महिलाओं पर अपने परिवार के साथ-साथ पार्टी की एकता और मजबूती बनाये रखने की जिम्मेवारी आ गई है.

कई मायनों में अहम है यह मुलाकात

इस मुलाकात को कई मायनों में अहम माना जा रहा है. हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री रहते कल्पना सोरेन राज्य की राजनीति से अलग ही रहतीं थीं, उसी तरह जब तक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ईडी ने नहीं की थी, तब तक सुनीता केजरीवाल अपने घर को संभालने में लगी थी, लेकिन दोनों की गिरफ्तारी के बाद कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल ने राजनीतिक जिम्मेवारी संभालने में देर नहीं की. एक तरफ ये दोनों महिलाएं अपने पति का हौसला बढ़ाते दिखीं तो दूसरी ओर पार्टी को भी एक जुट बनाए रखने को लेकर तत्पर दिखीं. इससे पहले कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में कल्पना सोरेन शामिल हुई थीं. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के साथ उस कार्यक्रम में भाग लेने मुंबई गयी कल्पना सोरेन ने तब अपने संबोधन में भाजपा, प्रधानमंत्री और ईडी पर कटाक्ष किया था. साथ ही साथ उन्होंने कहा था कि झारखंड झुकेगा नहीं.

सोनिया गांधी से भी मिलीं कल्पना सोरेन

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन ने शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की. मुलाकात के दौरान सोनिया और कल्पना के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई. वहीं सोनिया गांधी से मिलने से पहले कल्पना मुर्मू सोरेन ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की. बताते चलें कि रविवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की महारैली का आयोजन किया गया है. इसमें गठबंधन के घटक दलों के तमाम बड़े नेता नजर आयेंगे. इसी रैली में हिस्सा लेने के लिए कल्पना मुर्मू सोरेन दिल्ली गई हैं.

वित्तीय वर्ष 2023-24 : गढ़वा, गिरिडीह और देवघर में सबसे अधिक हुआ भुगतान

43.30 लाख मनरेगा मजदूरों के बीच 3,004 करोड़ की मजदूरी का भुगतान

रवि भारती। रांची

वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य के 43,30,222 मजदूरों के बीच 3,004 करोड़ रुपये की मजदूरी भुगतान हुआ है. गढ़वा, गिरिडीह और देवघर में सबसे अधिक मजदूरी का भुगतान हुआ. गढ़वा में 269 करोड़, गिरिडीह में 259 और देवघर में 196 करोड़ से अधिक का मजदूरी भुगतान हुआ है. राजधानी रांची में 121 करोड़ और बोकारो में 110 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ.

गांवों की आधारभूत संरचना के निर्माण में 171 करोड़ रुपये खर्च

मनरेगा के तहत गांवों में आधारभूत संरचना के निर्माण में 171 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये गये हैं. वहीं पारंपरिक वाटर बॉडी के जीर्णोद्धार में 265 करोड़ रुपये खर्च किये गये. ग्रामीण कनेक्टिविटी में 1247 करोड़ रुपये खर्च किये गये. ग्रामीण शौचालय के निर्माण में 1607 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये गये. भूमि विकास में 1046 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये गये.

किस योजना में कितनी राशि खर्च की गयी

योजना का नाम	राशि (लाख में)
ग्रामीण संरचना निर्माण	17162
भारत निर्माण सेवा केंद्र	1584
तटीय इलाकों का विकास	134
सूखा प्रभावित क्षेत्र का विकास	14591
मत्स्य क्षेत्र में	14
बाढ़ नियंत्रण	4874
भूमि विकास	104614
सूक्षम सिंचाई कार्य	3534
अन्य कार्य	24528
प्लेग्राउंड	102
पारंपरिक जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार	26510
रूरल कनेक्टिविटी	124751
रूरल ड्रिंकिंग वाटर	384
रूरल सेनिटेशन	160768
जल संरक्षण	426158
इंडिविजुअल लैंड	3826728

किस जिले में कितनी मजदूरी का भुगतान

जिला	मजदूरी का भुगतान (लाख में)
गढ़वा	26972.78
गिरिडीह	25833.66
देवघर	19626.97
पलामू	17228.91
जामताड़ा	17153.92
दुमका	16347.36
चतरा	15477.41
हजारीबाग	15106.12
लातेहार	14455.7
गोड्डा	13620.71
रांची	12104.02
बोकारो	11038.81
गुमला	10791.9
पश्चिमी सिंहभूम	10761.96
साहेबगंज	9866.5
सिमडेगा	9288.35
पाकुड़	8786.66
सरायकेला-खरसांवा	8421.15
पूर्वी सिंहभूम	8176.23
धनबाद	7833.2
रामगढ़	7663.45
कोडरमा	5267.77
खूंटी	4616.44
लोहरदगा	3909.4

चौकीदार-दफादार के वेतन व वर्दी भत्ता के लिए 14.30 करोड़ आवंटित

रांची। चौकीदार- दफादार के वेतन और वर्दी भत्ता के लिए गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 14.30 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं. यह राशि वित्तीय वर्ष 2023- 24 के लिए आवंटित की गयी है. संबंधित जिलों के जिला कोषागार से राशि की निकासी की जायेगी. गृह विभाग ने जिलों के डीसी को आदेश दिया है कि वह सुनिश्चित करें कि हर हाल में चौकीदार-दफादार का वेतन भुगतान तय समय पर हो.

चौकीदार-दफादार के वेतन मद 14.06 करोड़ आवंटित

खूंटी	37.11 लाख
रांची	2.91 करोड़
सिमडेगा	20.13 करोड़
देवघर	1.57 करोड़
रामगढ़	1.36 करोड़
कोडरमा	57.50 लाख
गढ़वा	1.02 करोड़
लातेहार	25 लाख
चाईबासा	2.51 करोड़
गुमला	1.36 करोड़
हजारीबाग	66.61 लाख
चतरा	51.34 लाख
सरायकेला	72.58 लाख
कुल	14.06 करोड़.

चौकीदार-दफादार के वर्दी भत्ता मद में 24.52 लाख आवंटित

रांची	8.17 लाख
सिमडेगा	3.07 लाख
कोडरमा	4.37 लाख
गढ़वा	3.92 लाख
चाईबासा	45 हजार
सराइकेला	4.52 लाख
कुल	24.52 लाख

64 सीआई को प्रोन्नत कर बनाया गया सीओ जारी हुई अधिसूचना

रांची। राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने 64 सर्किल इंस्पेक्टर (सीआई) को सर्किल अफसर (सीओ) के पद पर पदोन्नति दी है. इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है. अधिसूचना के मुताबिक, सीआई के पद पर कार्यरत इन अफसरों को 35,400 रुपये मासिक पे मेट्रिक्स लेवल छह से 53,100 रुपये के मासिक पे मेट्रिक्स लेवल नौ में प्रमोट किया गया है. विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि प्रमोट हुए अधिकारियों को नव पदस्थापन के बाद पदभार लेने की तिथि से बढ़ी हुई वित्तीय लाभ एवं अन्य सुविधाएं मिलेंगी.

- 64 सीआई को प्रोन्नत कर बनाया गया सीओ, अधिसूचना जारी

कांग्रेस के हाथों को मजबूत करेंगे: रामटहल

रांची। कांग्रेस में शामिल होने के बाद रामटहल चौधरी शनिवार को रांची पहुंचे. एयरपोर्ट पहुंचने के बाद कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की समेत अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया. रामटहल चौधरी ने कहा कि पार्टी में उन्हें पूरा सम्मान मिला है. पहले भी पार्टी ने उन्हें हजारीबाग से उम्मीदवारी का ऑफर दिया था. लेकिन समय कम होने की वजह से नहीं जा पाया था. इस बार कांग्रेस के हाथों को मजबूत करने का काम करेंगे. लोस चुनाव में दावेदारी पर उन्होंने कहा कि पार्टी का फैसला जो होगा वह मानेंगे.

इस साल रिटायर हो जायेंगे चीफ सेक्रेट्री रैंक के आठ अफसर

रवि भारती। रांची

झारखंड कैडर के चीफ सेक्रेट्री रैंक के आठ अफसर इस साल रिटायर हो जाएंगे. वहीं 31 मार्च को पूर्व मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, अपर मुख्य सचिव रैंक के अफसर राजीव अरुण एक्का और स्पेशल सेक्रेट्री रैंक की अफसर गायत्री कुमारी रिटायर हो जायेंगे. सचिव रैंक के एक अफसर, स्पेशल सेक्रेट्री रैंक के छह और एडिशनल सेक्रेट्री रैंक के एक अफसर भी इसी साल रिटायर होंगे.

खास बातें

- आज रिटायर होंगे सुखदेव सिंह व राजीव अरुण एक्का
- इस साल कुल 15 आईएएस अफसर रिटायर होंगे

इस साल चीफ सेक्रेट्री रैंक के ये अफसर होंगे रिटायर

नाम	टायरमेंट की तिथि
राजीव गौबा	: 30.08.2024
एनएन सिन्हा	: 31.07.2024
सुखदेव सिंह	: 31.03.2024
एल खियांगयते	: 31.10.2024
एमएस भाटिया	: 30.09.2024
एसकेजी रहाटे	: 30.04.2024
सुरेंद्र सिंह	: 30.06.2024
राजीव अरुण एक्का	: 31.03.2024
सचिव रैंक के ये अफसर होंगे रिटायर	
नाम	रिटायरमेंट की तिथि
चंद्रकिशोर उरांव :	31.05.2024
स्पेशल सेक्रेट्री रैंक के ये अफसर होंगे रिटायर	
नाम	रिटायरमेंट की तिथि
आलोक त्रिवेदी	: 31.08.2024
संजय सिन्हा	: 31.05.2024
गायत्री कुमारी	: 31.03.2024
अंजनी दुबे	: 30.04.2024
अमित प्रकाश	: 31.12.2024
राजू रंजन राय	: 31.12.2024
एडिशनल सेक्रेट्री रैंक के अफसर भी होंगे रिटायर	
नाम	रिटायरमेंट की तिथि
अनिल कुमार	: 30.06.2024

कर आतंकवाद के खिलाफ कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन कल

प्रमुख संवाददाता। रांची

कर आतंकवाद के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सभी जिला अध्यक्षों को जिला मुख्यालय में एक अप्रैल को विरोध प्रदर्शन, मशाल जुलूस, धरना प्रदर्शन आदि आयोजित करने का निर्देश दिया है. इसकी जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि विरोध प्रदर्शन में अनिवार्य रूप से प्रखंड अध्यक्षों, पदाधिकारी, प्रदेश नेताओं, वरीय नेताओं, प्रदेश पदाधिकारी को शामिल होने का निर्देश दिया गया है. इसके अलावा लोकसभा के लिए घोषित उम्मीदवारों को भी अपने निर्वाचन क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन करने का निर्देश दिया गया है.

कांग्रेस को निशाना बना रही है भाजपा

भाजपा कर आतंकवाद के अपने एजेंट के तहत विपक्षी दलों पर आर्थिक प्रहार करने की कोशिश कर रही है और कांग्रेस को मुख्य रूप से निशाना बना रही है. दिनों दिन इंडिया के घटक दलों के बीच बढ़ते आपसी समन्वय और जनता के बीच इंडिया गठबंधन के प्रति बढ़ते विश्वास से भाजपा नेता सशंकित हैं और यही वजह है कि आयकर विभाग को हथियार बनाकर कांग्रेस को नोटिस भेजने और कांग्रेस का खाता फ्रीज करने की कार्रवाई की गई है लेकिन चुनाव में देश की जनता सारी सच्चाइयों को अपने मतदान से परख देगी. भाजपा द्वारा भारतीय लोकतंत्र को खत्म करने की व्यवस्थित प्रक्रिया खतरनाक गति से आगे बढ़ाई जा रही है और इसी कड़ी में कांग्रेस के खिलाफ अवैध और लोकतांत्रिक कार्रवाई करते हुए आयकर विभाग द्वारा पिछले 8 सालों का आयकर रिटर्न खोल दिया गया है. कांग्रेस इसके विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन कर रही है और इसका जोरदार विरोध प्रदर्शन झारखंड में भी किया जाएगा.

प्रशासन से बैठक कराने की उठी मांग

रांची। केंद्रीय सरना समिति के बैनर तले आरआईटी बिल्डिंग कचहरी परिसर रांची में सरहुल महोत्सव को लेकर बैठक हुई. अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि सरहुल शोभा यात्रा व ईद उल फितर एक ही दिन पड़ रहा है. दोनों समुदाय का महत्वपूर्ण पर्व है. दोनों पर्व शांतिपूर्वक मनाया जाए. प्रशासन से शांति समिति की बैठक कराने की प्रशासन से मांग की गयी, ताकि दोनों पर्व को शांतिपूर्वक मनाया जा सके.

बम निरोधक दस्ता के जवानों की बीमा के लिए नहीं मिल रहीं कंपनियां

फिर से निकाला विज्ञापन, 58 पदाधिकारियों और जवानों के लिए 60 लाख का बीमा तय हुआ

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में बम निरोधक दस्ता के 58 पदाधिकारियों और जवानों के लिए 60 लाख रुपये का बीमा तय हुआ है. लेकिन इसके लिए बीमा कंपनी नहीं मिल रही है. ऐसे में झारखंड पुलिस मुख्यालय ने मार्च माह में दूसरी बार विज्ञापन जारी किया है. इससे पहले झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सात मार्च को बीमा को लेकर विज्ञापन जारी किया था. लेकिन बीमा कंपनी नहीं मिलने के कारण पुलिस मुख्यालय ने एक बार फिर 27 मार्च को विज्ञापन जारी किया है. वर्तमान में द न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ झारखंड पुलिस का एक साल के लिए करार है, जिसकी अवधि 31 मार्च को समाप्त हो रही है.

नक्सल विरोधी अभियान से अलग है ये बीमा

बम निरोधक दस्ता के 58 सदस्यों को इसका लाभ मिलेगा. इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने प्रति सदस्य 2950 रुपये वार्षिक प्रीमियम का भुगतान किया है. यह बीमा नक्सल विरोधी अभियान से अलग है. नक्सल विरोधी अभियान के लिए बीमा पहले से लागू है. पुलिस मुख्यालय ने बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) के लिए योजना बनायी थी. मुख्यालय का तर्क है कि बम निरोधक दस्ते को नक्सल अभियान के अलावा भी आकस्मिक बम जांच, आईईडी जांच, औचक निरीक्षण या प्रशिक्षण के क्रम में कोई नुकसान पहुंचेगा, तो इस बीमा का उसको लाभ मिलेगा. एकरारनामे के अनुसार, बम निष्क्रिय ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों-पदाधिकारियों के घायल होने, नि:शक्त या बलिदान होने की स्थिति में संबंधित जिला के पुलिस अधीक्षक द्वारा चिकित्सा, निशक्तता या मृत्यु बीमा के लिए दावा एकरारनामे में बताये गये निर्देशों के तहत होगा.

जानें किस परिस्थिति में कितना मिलेगा लाभ

मृत्यु की स्थिति में 100 प्रतिशत, स्थाई रूप से नि:शक्तता की स्थिति में 100 प्रतिशत और दो अंगों की क्षति होने पर (जैसे दोनों आंखें या फिर एक आंख व एक अन्य अंग नष्ट होने पर) भी 100 प्रतिशत बीमा राशि मिलेगी. एक अंग या एक आंख नष्ट होने पर 50 प्रतिशत राशि मिलेगी. स्थायी रूप से हल्का नि:शक्त होने पर आईआरडीए के नार्म्स के अनुसार राशि मिलेगी. जख्मी होने पर निजी या सरकारी अस्पताल में इलाजरत रहने पर अधिकतम 20 लाख रुपये, पुलिसकर्मी की मृत्यु की स्थिति में दो बच्चों की शिक्षा के लिए प्रति बच्चा दो लाख और बम निष्क्रिय करने के दौरान मृत्यु होने पर शव ले जाने के लिए 50 हजार रु दिया जायेगा. वहीं बम निष्क्रिय करने के लिए जाते वक्त सड़क हादसा होने पर मृत्यु की स्थिति में 20 लाख रुपये व जख्मी स्थिति में इलाज के लिए 7.50 लाख मिलेंगे.

पंजाब के एंबेसडर बनकर आये थे, जा रहे झारखंड के एंबेसडर बनकर

पंजाब केंद्रीय विवि के छात्र पहुंचे राजभवन

प्रमुख संवाददाता। रांची

युवा संगम कार्यक्रम के तहत पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने शनिवार को राजभवन का परिभ्रमण किया. पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य ने कहा गया कि हमारे विद्यार्थी यहां की संस्कृति से काफी प्रभावित हुए हैं. ये यहां पंजाब के एंबेसडर बनकर आये थे और अब ये झारखंड के एंबेसडर बनकर जा रहे हैं. राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ नितिन मदन कुलकर्णी ने प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि युवा संगम के तहत राज भवन, रांची आने वाले यह तीसरा दल है.

सबसे पहले जम्मू-कश्मीर, उसके बाद हरियाणा से विद्यार्थी आए थे और आज आप लोग आए हैं.

झारखंड में लगभग 27% आबादी जनजातियों की : डॉ कुलकर्णी ने विद्यार्थियों को बताया कि झारखंड में लगभग 27% आबादी जनजातियों की है. राज्य के भौगोलिक क्षेत्र का 33 प्रतिशत से अधिक हिस्सा वन व वृक्षों से आच्छादित है. यह राज्य खनिज संपदा से परिपूर्ण है, देश की लगभग 40% खनिज संपदा यहां मौजूद है. यहां कोयला का अपार भंडार है. उन्होंने कहा कि यहां भगवान बिरसा मुंडा समेत कई महान स्वतंत्रता सेनानी हुए. विद्यार्थियों ने संवाद के क्रम में कहा कि सोशल मीडिया पर यहां के संदर्भ में बहुत कुछ देखा था, लेकिन यहां आकर बहुत कुछ प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिला. झारखंड को वे लोग सिर्फ टाटा, महेंद्र सिंह धौनी के लिए प्रसिद्ध मानते थे, पर यहां विभिन्न सामाजिक संस्थान हैं. यह राज्य प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है. यहां के पर्यटन स्थल लोगों को आकर्षित करते हैं, जो रोजगार का भी सृजन कर सकता है. यहां के जनजातीय समुदाय के लोग शिक्षित हैं और विभिन्न उच्च पदों पर आसीन हैं, यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई.

CLASSIFIED

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रविवार 31 मार्च 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 06 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 341

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

लोयोला मैदान में कैंडल जलाकर किया प्रभु यीशु को नमन

चालीसा काल के पवित्र सप्ताह में कैथोलिक विश्वासियों ने लोयोला मैदान में पास्का जागरण की धर्मविधि और पवित्र मिस्सा के साथ ईस्टर मनाया. धर्मविधि की शुरुआत नई आग की आशीष से हुई. इससे पूर्व लोयोला मैदान में सुसज्जित मंच समेत पूरे मैदान की बत्तियां बुझा कर अंधेरा कर दिया गया. पास्का कैंडल के प्रज्ज्वलित होने के साथ ही अंधकार से प्रभावित लोयोला मैदान में ज्योति प्रकट हुई. लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी. **फोटो : रमीज**

ब्रीफ खबरें

नए प्रेमी संग मिलकर प्रेमी की कर दी हत्या

हजारीबाग। पेलावल थाना पुलिस ने शनिवार सुबह छड़वा डैम के पास से एक दिव्यांग युवक का शव बरामद किया. शव काफी सड़ा-गला और प्लास्टिक के थैले में बंद था. मृतक की पहचान जमशेदपुर जिले के बिरसानगर निवासी शैलेंद्र कुमार के पुत्र प्रशांत कुमार सिन्हा (38) के रूप में की गई है. लोहसिंहना थाना क्षेत्र की रहनेवाली युवती के साथ पांच वर्षों से युवक का प्रेम-प्रसंग चल रहा था. युवक बैडमिंटन खिलाड़ी था और प्रेम जाल में फांस कर युवती उससे पैसे ऐंठती थी. करीब 10 दिन पूर्व देवघर जाने के नाम पर युवती ने उसे हजारीबाग बुलाया. अपने नये प्रेमी के साथ मिल दिव्यांग युवक की गला दबा कर हत्या कर दी. इसके बाद प्लास्टिक के थैले में शव को डाल कर कल्लु चौक स्थित गोशाला के बाद छुपा दिया. जब शव से काफी दुर्गंध आने लगा, तो नये प्रेमी की मदद से शव को छड़वा डैम के पास फेंक दिया.

रांची डीसी के नाम से बना फेक एकाउंट, मांग रहे पैसे

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा के नाम से व्हाट्सअप पर फर्जी अकाउंट बनाया गया है. जिला प्रशासन ने जानकारी साझा करते हुए कहा की साइबर अपराधी मोबाइल नंबर 7874086569 से व्हाट्सअप पर फेक एकाउंट बनाकर लोगों को मैसेज कर अलग-अलग परिस्थिति का हवाला देकर पैसों की मांग की जा रही है. जिला प्रशासन ने आमजनों से अनुरोध कि है की सोशल मीडिया के माध्यम से रांची डीसी के नाम पर किसी तरह का मैसेज आने और पैसों की मांग करने पर ट्रांजैक्शन ना करें और तुरंत रिपोर्ट करें. फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों से धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है.

नायक गैंग का सरगना पुलिस की गिरफ्त में

रांची। ई-रिक्शा चालक की बांध कर पिटाई करनेवाले नायक गैंग के सरगना को पुलिस ने गिरफ्तार कर सड़क पर घुमाया. बता दें चार दिन पहले ई-रिक्शा चालक को बंधक बना कर बेरहमी से पिटाई की गई थी और उसका वीडियो बनाकर वायरल किया गया था. हिंदपीढ़ी के रहने वाले पीड़ित युवक जाहिद की शिकायत पर समीर उर्फ नायक, उसके गैंग के अन्य सात से आठ अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था. आरोपी समीर फरार था. एसएसपी को सूचना मिली कि समीर राज्य से बाहर भागने की फिराक में है. एसएसपी के निर्देश पर समीर की घेराबंदी कर धर दबोचा गया.

चिंतन : ढुल्लू, तीन विधायक व चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्य भाजपा कार्यालय में जुटे

ढुल्लू के विरोध पर भाजपा में भूचाल, मान-मनौव्वल शुरू

संवाददाता। धनबाद

भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के खिलाफ विरोध के उठते स्वर को देखते हुए पार्टी के दिग्गजों का शनिवार को धनबाद भाजपा कार्यालय में जुटान हुआ. प्रदेश संठगन मंत्री करमवीर सिंह के साथ बैठक में प्रत्याशी ढुल्लू महतो, निरसा विधायक अर्पणा सेन, चंदनकियारी विधायक अमर बाउरी व धनबाद विधायक राज सिन्हा और पूर्व सांसद पीएन सिंह भी शामिल थे. हालांकि इस बैठक को चुनाव प्रबंधन समिति की आम बैठक बताया जा रहा है, लेकिन असल में विरोध के उठते स्वर को मतदान से पहले ही खत्म करने का इरादा है. हालांकि बैठक के बाद पीएन सिंह बिना मीडिया से बात किये ही निकल गए,

डैमेज कंट्रोल में जुटा नेतृत्व : बताते चलें कि बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो को धनबाद लोकसभा का प्रत्याशी बनाये जाने के बाद भाजपा की राजनीति में अचानक भूचाल सा आ गया. विरोध के कई स्वर उठे. खुद पीएन सिंह के समर्थकों ने खुलकर विरोध जता दिया.

मीडिया से बिना मिले ही चले गये पीएन सिंह

बैठक में अमर बाउरी, पीएन सिंह, ढुल्लू महतो, राज सिन्हा, अपर्णा सेन व अन्य.

सरयू के प्रति ढुल्लू के तेवर नरम, कहा- वे अभिभावक हैं

ढुल्लू महतो ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि धनबाद के सभी भाजपा कार्यकर्ता एकजुट हैं. कहीं कोई विरोध नहीं है. सिर्फ विपक्ष के लोग अफवाहों का बाजार गर्म कर रहे हैं. सरयू राय के धनबाद से चुनाव लड़ने को लेकर जब उनसे सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि सरयू राय उनके अभिभावक हैं और वे चाहें तो चुनाव लड़ सकते हैं.

सरयू- ढुल्लू प्रकरण में अब प्रिंस खान की इंट्री

सरयू राय-कृष्णा अग्रवाल को चेताया- राजनीति से हमको मत जोड़ो

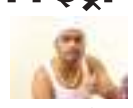

धनबाद। भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो और सरयू राय प्रकरण में अब गैंगस्टर प्रिंस खान की भी इंट्री हो गई है. एक ऑडियो तेजी से वायरल हो रहा है. बताया जा रहा है कि ऑडियो में गैंगस्टर प्रिंस खान की आवाज है. इस ऑडियो में प्रिंस खान कह रहा है कि मैंने देखा, सोशल मीडिया के माध्यम से देखा कि सरयू राय और कृष्णा अग्रवाल राजनीति कर रहे हैं, मेरा नाम लेकर ,लेकिन मेरे चूल्हे में सिर्फ रक्तनीति की रोटी सेंकी जाती है, राजनीति की नहीं. अगर राजनीति करना है, तो अपना पार्टी का मुद्दा उठा कर करो, मुझे बीच में मत लाओ, नहीं तो सर पर जो बाल बचा है, वो भी उखाड़ देंगे. गैंगस्टर ने ऑडियो में कहा कि ढुल्लू को टिकट मिलने का तकलीफ है, क्योंकि वो महतो है. अपराधी सिर्फ ढुल्लू महतो है क्या, चार का नरसंहार कर जो विधायक जेल में है, वो पूजा कर जेल गया है क्या, मेरे प्रति राजनीति मत करना, तुम लोगों की औकात नही कि प्रिंस खान को रोक दो. प्रिंस खान खुद ही रुक सकता है, दोबारा सुने तो फिर अंजाम बुरा होगा.

गोशाला न्यास समिति के अजब-गजब कारनामे

ट्रस्टी चेयरमैन बोले

चलेगी मेरी मर्जी

राजन बॉबी। रांची

गोशाला न्यास समिति के अजब-गजब कारनामे हैं. समिति के नए फरमान से 110 वैसे सदस्य आहत हैं, जिनकी सदस्यता को मान्यता नहीं दी गयी है. ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान ने वैसे सदस्यों को स्पष्ट कर दिया कि अब चलेगी उनकी मर्जी. दो टूक कह दिया है कि अब नए सदस्य नहीं बनाये जाएंगे. सदस्यों को पत्र के साथ 11 सौ रुपये का चेक भेज कर कहा है कि चूंकि नए सदस्य नहीं बनाये जायेंगे, इसलिए आपका सदस्यता शुल्क लौटाया जा रहा है. कहा- डोनेशन का पैसा गो सेवा में खर्च हो गया है. फिर भी वापस चाहते है, तो प्रूफ दें, वह भी लौटा देंगे. सदस्यता की मान्यता की लड़ाई लड़ रहे लोग ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान के तुगलकी फरमान पर सवाल खड़े कर रहे हैं. पीड़ित सदस्यों का कहना है कि नये सदस्य बनाने की बात तो है ही नहीं. मामला तो सदस्य बना कर भी मान्यता नहीं देने का है.

पत्र-चेक भेजना मूर्खतापूर्ण हरकत : पीड़ित सदस्यों का कहना है कि हमें तो वर्ष 2019 में ही पूर्व ट्रस्टी चेयरमैन स्वः ज्ञानप्रकाश बुधिया के हस्ताक्षर से जारी सदस्यता प्रमाण पत्र दे दिया गया था, फिर नया सदस्य बनाने की बात तो सारासर बेमानी है. पत्र और चेक भेजना एकदम मूर्खतापूर्ण हरकत है. अब तो प्रूफ भी देने की जरूरत नहीं है. गोशाला के लेटर पैड पर चेयरमैन के हस्ताक्षर से जारी पत्र से यह साफ हो गया है कि 135 लोगों ने गोशाला का आजीवन सदस्य बनने के लिए सारी प्रक्रिया पूरी की थी. इससे पहले विरोध शुरू हुआ तो गुपचुप ढंग से 135 में से 25 को छांट कर सदस्य बना लिया. पीक एंड चूज की नीति पर 25 लोगों की सदस्यता को मान्यता दे दी और 110 को बहलाते-टहलाते रहे.

सदस्यता शुल्क, डोनेशन के लाखों रुपये चार साल तक दबाये क्यों रखा गया : ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान की मनमानी से पीड़ित सदस्यों का कहना है कि मान्या पैलेस, मोरहाबादी में 28 फरवरी को हुई आम सभा में भी एक माह का समय मांग कर सब का समय खराब कर दिया. अब मार्च 2024 में यह कह कर चेक लौटा रहे हैं कि नया सदस्य नहीं बनाना है. इतने वर्षों तक यूं ही सदस्यता की मान्यता के मामले को क्यों लटकाये रखा गया. तत्काल जवाब दे देना चाहिए था. उसी वक्त चेक लौटा देते, सदस्यता शुल्क और डोनेशन के लाखों रुपये चार साल तक दबाये क्यों रखा गया. कोर्ट का नोटिस मिला, तो कुंभकर्णी निंद्रा से जागे हैं. ट्रस्टी चेयरमैन डाक से पत्र और चेक भेज कर पता नहीं क्या जताना या दिखाना चाह रहे हैं.

नहीं बनाएंगे सदस्य, सदस्यता शुल्क लौटाया

क्या-क्या कहा रतन ने

- डोनेशन का पैसा गो-सेवा में खर्च हो गया है
- फिर भी पैसा वापस चाहिए तो प्रूफ दें, लौटा देंगे

दो पर लगे हैं दाग, पर दाग अच्छे हैं और तीसरा है चापलूस

पीड़ित सदस्य बताते हैं कि वर्ष 2019 में सदस्यों को आजीवन सदस्य बनाने को लेकर ट्रस्टियों की बैठक हुई थी, जिसमें चार लोगों ने विपक्ष में मतदिया था. उनमें से एक का स्वर्गवास हो गया है. तीन लोगों में एक तो वर्तमान चेयरमैन रतन जालान हैं, दूसरे शत्रुघ्न लाल गुप्ता और तीसरे ओम प्रकाश छापड़िया हैं. सदस्यों ने तीनो पर आरोप लगाते हुए कहा कि इनकी कारगुजारियां जगजाहिर हैं. शत्रुघ्न ने तो लगभग सात एकड़ गोशाला की जमीन कम किराये पर डीएवी स्कूल को सौ साल की लीज पर दिलवा दी और रतन जालान तो इनसे भी कई कदम आगे हैं. इन्होंने 15.95 एकड़ जमीन मात्र सात हजार रुपये डिसमिल के भाव से राजकुमार केडिया को बेच दी. इतना ही नहीं राजकुमार को उपकृत करने के लिए उन्हें ट्रस्टी भी बना लिया. पर्दे के पीछे का खेल सब को पता है. तीसरे ट्रस्टी ओम प्रकाश छापड़िया पता नहीं किस लोभ-लालच में चेयरमैन की हां में हां मिलाते हैं. चापलूसी करते हैं. उन्हें तो उम्र के अंतिम पड़ाव में सच्चाई से मुंह नहीं फेरना चाहिए. आहत सदस्यों का कहना है कि रतन जालान किसी भी कीमत पर नहीं चाहते कि उनकी बादशाहत पर कोई खतरा आये. इसी कारण वे अपने पक्षधर के अलावा किसी को भी सदस्य नहीं बनने देना चाहते. कोर्ट का नोटिस मिलने के बाद से ही रतन जालान हताशा में ऊल-जलूल हरकत कर रहे हैं.

मैं और हम की भावना से ग्रस्त हैं गोशाला न्यास समिति के ट्रस्टी: अनिल अग्रवाल

अनिल अग्रवाल बताते हैं कि उन्हें भी चेक और पत्र भेजा गया है, लेकिन वे इसको लेकर गंभीर नहीं हैं. दरअसल मैं और हम की भावना से ग्रस्त हो ऐसा किया जा रहा है. कलयुगी प्रभाव के कारण गो सेवा के स्थान पर वर्चस्व बनाये रखने का कुचक्र रचा गया है और रचा जा रहा है. गोशाला में कोई भी सेवा भावना से ही जुड़ता है, ऐसे में सदस्यों की संख्या न बढ़ा कर कुछ लोग बादशाहत कायम रखने का असफल प्रयास कर रहे हैं. वह दिन दूर नहीं जब इसके खिलाफ जल्द ही सदस्य एकजुट होकर आंदोलन करेंगे. अनिल बताते हैं कि वे मारवाड़ी सम्मेलन, अग्रसेन भवन और मारवाड़ी भवन सहित कई सामाजिक संगठनों से जुड़े हैं. सभी जगह नए सदस्यों के लिए हमेशा द्वार खुला रहता है, जिससे संगठनों के मान-सम्मान में चार-चांद लग जाता है.

मामला उतना बड़ा नहीं, ईगो के कारण गलत कर रहे हैं : पवन

पवन पोद्दार बताते हैं कि मामला उतना बड़ा नहीं है, जितना ये लोग बना रहे हैं. ईगो के कारण सब कुछ जानते और समझते हुए भी गलत कर रहे हैं. हमे भी चेक भेजा गया था, लेकिन हमने लिया नहीं. डाक के माध्यम से चेक आया था, पर किस बाबत भेजा गया है, यह उल्लेख नहीं होने के कारण चेक लौटा दिया. उन्होंने बताया कि कई और सदस्यों ने भी चेक लौटा दिया है. ट्रस्टी चेयरमैन चेक और पत्र भेज कर गलत कर रहे हैं. ये सब ठीक बात नहीं है. समस्या बढ़ाने, उलझाने के बजाए इसे मिल बैठ कर सुलझाना चाहिए था.

गंदगी से पटी शरद बाबू लेन, लोग परेशान

होली गुजरी, रमजान चल रहा, पर सफाई पर निगम का ध्यान नहीं

रेहान अहमद। रांची

ओल्ड लोअर बाजार थाना स्थित शरद बाबू लेन की सड़क की पिछले एक माह से सफाई नहीं हुई है. पूरे सड़क में कचरे का अंबार लगा हुआ है. नालियों की सफाई भी नहीं होती है. पर्व त्योहार होने के बाद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं देता है. रमजान का महीना चल रहा है. लेकिन उसके बाद भी नगर निगम का इस ओर कोई ध्यान नहीं है. इस क्षेत्र में करीब पांच हजार की आबादी रहती है, जो फैली गंदगी की वजह से काफी परेशान है.

निगम का ध्यान नहीं : इसरार

क्षेत्र के इरार अहमद ने कहा कि यहां गंदगी के चलते काफी परेशानी है. इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

रमजान का महीना चल रहा है, लेकिन उसके बाद भी नगर निगम का सफाई के प्रति कोई ध्यान नहीं है. क्षेत्र के लोगों का जीना मुहाल है.

गंदगी से पटती जा रही सड़क : वाजिद : मो वाजिद ने कहा कि नगर निगम कर्मी आते भी हैं, तो आधी अधूरी सफाई कर चले जाते हैं. इसी वजह से तो कचरे के अंबार से सड़क पटती जा रही है. ऐसे इधर एक माह से सफाई भी नदारत है.

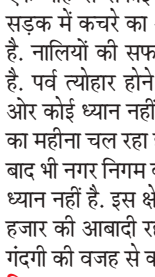

निगम को ध्यान देने की जरूरत : अशरफ

जासिल अशरफ ने कहा कि कचरे का अंबार व नाली की सफाई नहीं होने की वजह से पानी निकासी की भी बड़ी परेशानी है. नाली का गंदा पानी सड़क पर फैलने लगता है. जिससे नापाकी का खतरा काफी रहता है, इसलिए नगर निगम को इस ओर ध्यान देते हुए अच्छी सफाई करने की जरूरत है.

निगम की लापरवाही से फैली है गंदगी : मोनू

मो मोनू ने कहा कि यहां गंदगी की सच में काफी परेशानी है. नगर निगम को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है. रमजान का महीना चल रहा है. ऐसे समय में नहीं करेंगे तो फिर आखिर सफाई कब करेंगे. फैली गंदगी की वजह से लोगों का आना जाना मुहाल है. इस ओर जल्द ध्यान देने की जरूरत है.

आफताब के हाथ में रिकॉर्ड कैसे आये, होगी जांच

शुभम संदेश इंपैक्ट

डीसी ने लिया एक्शन, डीसीएलआर को जांच का आदेश

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

लगातार.इन की खबर का एक बार फिर असर हुआ है. रांची के शहर अंचल में आफ़ताब नाम के शख्स द्वारा अंचल कार्यालय में रखे ज़मीन के सरकारी रिकॉर्ड की आलमारी खोलने और सरकारी दस्तावेजों को बे-रोक-टोक छूने की खबर पर रांची के डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने संज्ञान लिया है. रांची डीसी ने इस पूरे मामले की जांच का आदेश देते हुए रांची के उप समाहर्ता भूमि सुधार (डीसीएलआर) से रिपोर्ट मांगी है. जांच के बाद यह स्पष्ट हो सकता है कि शहर अंचल के लैंड रिकॉर्ड आफ़ताब के हाथों में कैसे आये और किसकी इजाजत से वह अंचल कार्यालय में कर्मचारियों के साथ कुर्सी जमाकर बैठता है.

बता दें कि लगातार.इन व शुभम संदेश में 'आफताब के हाथों में शहर अंचल की जमीन के सरकारी रिकॉर्ड, अंचल कर्मियों की भूमिका पर गंभीर सवाल' शीर्षक से खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी. अपनी खबर में हमने यह सवाल उठाया था कि अंचल कार्यालय में रखे ज़मीन के सरकारी दस्तावेज अगर किसी गैर सरकारी व्यक्ति के हाथ में आ जाए तो लैंड रिकॉर्ड कितने सुरक्षित हैं?

भाजपा में टिकट पाने की शर्त कंघीधारी या बाहरी

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड में लोकसभा की 14 सीटें हैं. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 13 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा किया है. एक सीट गिरिडीह सहयोगी दल आजसू को मिली है. भाजपा के बारे में कहा जाता है कि यह कार्यकर्ताओं की पार्टी है. यही एक ऐसा दल है, जिसमें पार्टी के वफादारों की वैल्यू है. इस बार टिकट बंटवारे के बाद भाजपा के भीतर ही इसे लेकर सवाल उठने लगे हैं. कहा जाने लगा है कि भाजपा में टिकट के लिए जरूरी है कि वह कंघीधारी हो या बाहरी. कंघीधारी मतलब झारखंड विकास मोर्चा (जेवीएम) में रहा हो, बाहरी मतलब दूसरे दलों से आया हो.

- **कभी जेवीएम में रहे :** ढुल्लू महतो, कालीचरण सिंह, मनीष जायसवाल और संजय सेठ.
- **दूसरे दल में रहे :** अन्नपूर्णा देवी, अर्जुन मुंडा, ताला मरांडी, विद्युत वरण महतो, गीता कोड़ा व सीता सोरेन.
- **भाजपा के हैं :** निशिकांत दुबे और समीर उरांव. **अन्य :** वीडी राम

सभी 13 उम्मीदवारों पर नजर डालें, तो दो ही ऐसे उम्मीदवार दिख रहे हैं, जो खांटी भाजपाई हैं. एक गोड्डा से चुनाव लड़ रहे निशिकांत दुबे और दूसरे लोहरदगा से चुनाव मैदान में उतरे समीर उरांव. पलामू लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बीडी राम ब्यूरोक्रेट रहे हैं. राज्य के पूर्व डीजीपी रहे हैं. रिटायर होने के बाद वह भाजपा में शामिल हुए. लगातार दो बार चुनाव जीते और अब तीसरी बार मैदान में हैं.

बाकी बचे 10 उम्मीदवारों में हजारीबाग से मनीष जायसवाल, धनबाद से ढुल्लू महतो, चतरा से कालीचरण सिंह और रांची से संजय सेठ का नाम है. ये चारों नेता कभी न कभी जेवीएम के साथ रहे. जेवीएम के प्रमुख बाबूलाल मरांडी अभी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं.

शेष छह उम्मीदवारों की बात करें, तो खूंटी से अर्जुन मुंडा हैं. वर्ष 1999 में अर्जुन मुंडा झामुमो से भाजपा में आए थे. राज्य के मुख्यमंत्री भी रहे. कोडरमा से उम्मीदवार हैं अन्नपूर्णा देवी. अन्नपूर्णा देवी लंबे समय तक राजद में रहीं. वर्ष 2019 में वह भाजपा में शामिल हुईं और कोडरमा से सांसद बनीं.

जमशेदपुर से उम्मीदवार विद्युतवरण महतो पहले झामुमो में थे. इसी तरह दुमका से उम्मीदवार सीता सोरेन ने हाल ही में झामुमो छोड़ा है और सिंहभूम से भाजपा की उम्मीदवार गीता कोड़ा कांग्रेस से नाता तोड़ कर भाजपा में शामिल हुई हैं. राजमहल से उम्मीदवार बनाये गये ताला मरांडी भी पांच साल पहले भाजपा छोड़ गये थे. उन्होंने आजसू के टिकट पर चुनाव भी लड़ा था, पर हार गये थे.

एमटीआई सेल-आईआईएम के बीच एमओयू

संवाददाता। रांची

प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई) सेल व भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया. यह एमओयू अकादमिक गतिविधियों और एचआरडी हस्तक्षेपों पर सहयोग करने के लिए है. एमओयू पर आशीष चक्रवर्ती ईडी (एचआरडी), एमटीआई और प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव निदेशक आईआईएम रांची ने हस्ताक्षर किए. इस अवसर पर प्रोफेसर रोजर्स पुथुर जोसेफ अध्यक्ष-कार्यकारी शिक्षा समिति आईआईएम रांची, प्रोफेसर वरुण एलेम्बिलसेरी अध्यक्ष-कॉर्पोरेट रिलेशंस आईआईएम रांची, एस के वर्मा ईडी (सीईटी) सेल, वेद प्रकाश ईडी (एसडीटीडी) सेल उपस्थित थे.

एमओयू में सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं

1. आईआईएमआर द्वारा ओपन प्रोग्राम या आईआईएमआर के अनुकूलित कार्यक्रमों के माध्यम से एमटीआई-नामांकित प्रतिभागियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना.
2. सामान्य हित के क्षेत्रों, विशेष रूप से इस्पात और संबद्ध क्षेत्रों में किसी तीसरे पक्ष के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम.
3. आवश्यकतानुसार एमटीआई कार्यक्रमों के लिए आईआईएमआर से निरंतर आधार पर संकाय सहायता.
4. आईआईएमआर के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एमटीआई से संकाय समर्थन.
5. प्रकाशनों के लिए अग्रणी केस अध्ययनों का संयुक्त अनुसंधान और विकास.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन	डॉ. मनोज कुमार प्रसाद
सर्जरी	डॉ. पंकज बोदरा
ऑर्थोपेडिक	डॉ. जीके गुप्ता
न्यूरोसर्जरी	डॉ. आनंद प्रकाश
गायनी	डॉ. नीलम नलिनी
टीबी एवं चेस्ट	डॉ. ब्रजेश मिश्रा
रेडिएशन आंकोलॉजी	डॉ. रश्मि सिंह
सर्जिकल आंकोलॉजी	डॉ. रोहित कुमार झा
नेत्र	डॉ. सुनील कुमार
स्किन	डॉ. प्रभात कुमार
ईएनटी	डॉ. बिनोद कुमार सिन्हा
न्यूरोलॉजी	डॉ. रूपेश प्रसाद

सदर अस्पताल

- मेडिसिन : डॉ. अरुणोदय, डॉ. बीएन पोद्दार और डॉ. सत्येंद्र
- सर्जरी : डॉ. अजीत कुमार
- ऑब्स एंड गायनी : डॉ. मुस्सरत यामिनी और डॉ. श्रुति प्रभा
- पीडियाट्रिक (शिशु रोग) : डॉ. सूर्या
- हेमाटोलॉजी : डॉ. अभिषेक रंजन
- सर्जीकल आंकोलॉजी : डॉ. प्रकाश भगत
- नेफ्रोलॉजी: डॉ. नवीन कुमार

शहर में आज

1. पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम करमटोली चौक स्थित रांची प्रेस क्लब में दिन के 11 बजे से
2. आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन ऑड्रे हाउस में दिन के 11 बजे से.
3. विक्रम हाजरा की भजन संध्या गुरुनानक स्कूल पीपी कंपाउंड में शाम 7 बजे से.
4. सरना झंडागड़ी कार्यक्रम पहाड़ी मंदिर परिसर में सुबह 10 बजे से.
5. रांची महानगर रामनवमी पूजा समिति की बैठक मेन रोड में अपराह्न 3.30 बजे से.
6. रामायण रिसर्च काउंसिल की प्रेस वार्ता होटल रेंडयू में दोपहर एक बजे से.
7. होली मिलन समारोह सह भजन संकीर्तन कार्यक्रम श्रीकृष्ण प्रणामी ट्रस्ट के पुंदाग स्थित मंदिर परिसर में दिन के 11 बजे से.

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

जायसवाल समाज के पूर्व सचिव जगदीश का निधन

रांची। जायसवाल समाज के पूर्व सचिव जगदीश प्रसाद भगत का

शनिवार को निधन हो गया. वे 98 वर्ष के थे. स्व. भगत ने जायसवाल समाज के सचिव पद पर लंबे समय तक योगदान दिया. उन्होंने समाज की बेहतरी के लिए पूरा जीवन लगा दिया. उनके निधन पर जायसवाल समाज के सदस्यों ने शोक प्रकट किया है. वे अपने पीछे दो पुत्र और तीन पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं.

व्यापारियों पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा

रांची। फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन के अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला और लॉ एंड आर्डर सब-कमेटी के चेयरमैन सह महासचिव सत्येंद्र प्रसाद सिंह ने व्यापारियों पर लगातार हो रहे हमलों की निंदा की है. जमशेदपुर में रंगदारी नहीं देने पर व्यवसायी की पत्नी को गोली मारने और खूंटी के व्यापारियों के साथ घटी घटना पर चिंता व्यक्त की. कमेटी द्वारा इस संबंध में पत्र लिख कर व्यापारियों को सुरक्षा प्रदान करने की भी मांग की गई है.

शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर डीडीसी ने नगर निगम व आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करने में निभाएं भागीदारी

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर शनिवार को रांची नगर निगम सभागार में डीडीसी दिनेश यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई. इस दौरान निगम के पदाधिकारी, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के प्रतिनिधि तथा सभी वार्ड सुपरवाइजर मौजूद थे.

बैठक में डीडीसी ने मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रयोग के जरिए लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की. उन्होंने आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों से कहा कि अपने निर्वाचक होने के प्रति जागरूक रहें. साथ ही मतदान दिवस के दिन घरों से बाहर निकलकर अपने संबंधित मतदान केंद्र पहुंच कर मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें. इस क्रम में बताया गया कि रांची शहरी क्षेत्र में एक हजार से ज्यादा पोलिंग बूथ हैं तथा प्रति बूथ एक बीएलओ की प्रतिनियुक्ति की गई है. डीडीसी ने निर्देश दिया कि मतदान प्रतिशत अधिक से अधिक सुनिश्चित करने को लेकर डोर टू डोर लोगों को जागरूक करें. इसके लिए निगम के वार्ड सुपरवाइजर तथा सफाई मित्रों को प्रत्येक बीएलओ के साथ जोड़ा जाए और बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप तैयार किया जाए, ताकि मतदान के प्रति आम नागरिकों का उत्साहवर्धन किया जा सके.

चुनावी तैयारी

- मतदान दिवस पर घरों से बाहर निकल करें मतदान
- डोर टू डोर लोगों को जागरूक करेंगे निगम कर्मी

बैठक में सहायक प्रशासक निकेश कुमार, सहायक प्रशासक निहारिका तिर्की, जिला स्वरप सेल के पदाधिकारी, नगर प्रबंधक, जोनल सुपरवाइजर, वार्ड सुपरवाइजर तथा निगम के कर्मी उपस्थित थे.

स्वीप संबंधित कार्यक्रम करवाने का दिया निर्देश

बैठक में सभी वार्ड सुपरवाइजर को अपने संबंधित वार्ड के विभिन्न अपार्टमेंट्स तथा विभिन्न मोहल्लों के समितियों के साथ समय समय पर बैठक करने तथा स्वीप संबंधित एक्टिविटीज भी करवाने को कहा गया. इस मौके पर चुनाव से संबंधित लीफलेट भी बांटे गए, जिसमें वोटर लिस्ट में पंजीकरण प्रक्रिया, पोलिंग प्रोसेस इत्यादि के विषय में जानकारी दी गई है. इसके अलावा वोटर हेल्पलाइन ऐप, सी-विजिल, केवाईसी, सक्षम इसीआई ऐप की भी विस्तृत जानकारी दी गई. डीडीसी ने निर्देश दिया कि मतदान केंद्रों पर निगम स्तर से जो भी न्यूनतम सुविधा उपलब्ध करानी है, उसे त्वारित सुनिश्चित किया जाए.

कूड़ा संग्रहण वाहनों में बजेंगे मतदाता जागरूकता जिंगल

नगर निगम के उप प्रशासक अनवर हुसैन ने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने परिवार, आसपास के लोगों, परिजनों आदि को मतदान के प्रति जागरूक करें. उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए रांची नगर निगम द्वारा प्रतिदिन विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है. वहीं सोशल मीडिया में माध्यम से लोगों को 25 मई को रांची में मतदान करने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है. उन्होंने सभी वार्ड सुपरवाइजर को अपने संबंधित वार्ड में मतदान जागरूकता हेतु विभिन्न अपार्टमेंट्स में स्वीप से संबंधित पोस्टर्स लगाने तथा सभी कूड़ा संग्रहण वाहनों में भी संबंधित जिंगल बजाने को कहा.

बीएलओ के साथ नगर निगम के सफाई कर्मचारी और सुपरवाइजर भी होंगे टैग

मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर जोर

समीक्षा बैठक

- वोटर टर्न आउट बढ़ाने को लेकर उपायुक्त ने की बैठक
- छूटे लोगों का मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का निर्देश

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव 2024 में रांची जिला में मतदान से पहले योग्य नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लेकर लगातार जिला प्रशासन प्रयासरत है. इसी कड़ी में अब शहरी क्षेत्र में बीएलओ के साथ नगर निगम के सफाई कर्मचारी और सुपरवाइजर भी टैग किए जाएंगे. शनिवार को बैठक कर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

मतदान केंद्रों में एस्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी की वर्तमान स्थिति और लो वोटर टर्नआउट को लेकर समाहरणालय में आयोजित बैठक में जिला अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ, एईआरओ एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे. इस दौरान डीसी ने मतदान केंद्रों में न्यूनतम सुविधाओं को सुनिश्चित करने और कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

बूथों में न्यूनतम सुविधा बहाल कराने का निर्देश

उपायुक्त ने जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी बूथों में एस्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की. उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र में पानी, बिजली, शौचालय, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, पार्किंग आदि सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. कहा कि एईआरओ हर बूथ पर निजी तौर पर ध्यान दें. वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित बीडीओ एवं सीओ हर बूथ को देख कर रखने को कहा गया. साथ ही सभी बूथों पर न्यूनतम जरूरी सुविधाएं हर हाल में तय समय के अंदर बहाल करने का निर्देश दिया. इसके अलावा शहरी क्षेत्र के मतदान केंद्रों में भी पोलिंग पार्टियों के ठहराव की व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा.

मतदाता जागरूकता गतिविधियों में लाएं तेजी

उपायुक्त ने सभी इआरओ/एईआरओ को बीएलओ, सुपरवाइजर एवं सफाई कर्मचारियों के साथ अपने-अपने स्तर पर निर्देशों के अनुपालन को लेकर बैठक करने को कहा. साथ ही अपने-अपने क्षेत्र में घूम-घूम कर हर बूथ में व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. उन्होंने स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता हेतु निर्वाचन गतिविधियों को तेज करने का निर्देश दिया. उन्होंने वोटर अवेयरनेस फोरम, वोटर अवेयरनेस ग्रुप, कैंपस एंबेसडर, ईएलसी, स्कूल, कॉलेज, रेसीडेंट अवेयरनेस एसोसिएशन में समय से गतिविधि का संपादन करने को कहा. साथ ही घर-घर जाकर लोगों को मताधिकार के प्रति जागरुक करने के निर्देश दिए.

उन्होंने शहरी क्षेत्र में छूटे योग्य नागरिकों का मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया.

उन्होंने कहा कि हर बूथ पर बीएलओ के साथ-साथ नगर निगम के सफाई कर्मचारी और सुपरवाइजर को टैग करें, ताकि सभी का कंबाइंड मूवमेंट अपने-अपने क्षेत्र के बूथों में हों और जिनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं जुड़ पाया है, उनको फॉर्म-6 देकर नाम जोड़ने का कार्य किया जा सके.

समय से निर्वाचन से जुड़े कार्यों को पूरा करने का दिया निर्देश

रांची। लोकसभा चुनाव के सफल संचालन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने में शनिवार को जिला स्तर पर गठित विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ समाहरणालय में समीक्षा बैठक की. इस दौरान डीसी ने विभिन्न कोषांगों द्वारा किए जा रहे कार्यों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए समय से निर्वाचन से जुड़े कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया.

उपायुक्त ने मतदाता सूची, रेंडमाइजेशन, पोस्टल बैलट, ईवीएम स्ट्रांग रूम में व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद की गई कार्रवाई, माइक्रो आब्जर्वर की प्रतिनियुक्ति एवं प्रशिक्षण, पोलिंग कर्मियों के प्रशिक्षण आदि को लेकर संबंधित पदाधिकारियों से जानकारी ली.

- लोस चुनाव को लेकर विभिन्न कोषागों के कार्यों की समीक्षा
- आवश्यकतानुसार वाहनों की उपलब्धता कराने के निर्देश

उन्होंने कहा कि सभी कोषांग भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देश के आलोक में समय से तैयारी सुनिश्चित करें. वहीं, वाहन कोषांग की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारी को एसएसटी, वीएसटी, एफएसटी के लिये वाहनों की उपलब्धता ससमय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए. उन्होंने निर्वाचन कार्य में आवश्यकतानुसार वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को भी कहा. अन्य कोषांगों के कार्यों की समीक्षा करते हुए भी संबंधित नोडल पदाधिकारी को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए.

मुख्य सचिव के कार्यालय से जारी पत्र से मच गया हड़कंप

संवाददाता। रांची

मुख्य सचिव के कार्यालय से जारी पत्र से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है. जारी पत्र में कहा गया है कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में दिसंबर 2023 से अब तक हुई विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठकों की कार्यप्रगति की रिपोर्ट दो अप्रैल तक हर हाल में भेजें. इसके साथ ही सारी प्रोसेडिंग भेजने को भी कहा गया है. यह पत्र सभी सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव व हेड ऑफ डिपार्टमेंट को लिखा गया है.

निर्णय और निर्देशों पर अब तक क्या हुआ अनुपालन : मुख्य सचिव के कार्यालय ने जानना चाहा है कि मुख्य सचिव के इन सभी बैठकों में लिए गए निर्णय और निर्देशों पर अब तक क्या अनुपालन किया गया है. इसकी पूरी जानकारी से मुख्य सचिव अवगत होना चाहते हैं. यह रिपोर्ट सरकार के समक्ष भी भेजी जाएगी. सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में कितना कार्य हुआ है, इस रिपोर्ट के जरिए इसकी भी विस्तृत जांच होनी है.

निर्देश जारी

- दो अप्रैल तक देनी होगी रिव्यू मीटिंग की कार्यप्रगति रिपोर्ट
- झारखंड सरकार के समक्ष भी भेजी जाएगी पूरी रिपोर्ट

आज मनाई जाएगी बिहार के पूर्व मंत्री एनई होरो की जयंती

संवाददाता। रांची

बिहार के पूर्व मंत्री स्व. एनई होरो की जयंती रांची में 31 मार्च को मनाई

जाएगी. इसके लिए मुंडा सभा ने तैयारी पूरी कर ली है. अध्यक्ष बिलकन डांग ने बताया कि स्व. निरल एनम होरो का जन्म 31 मार्च 1925 को खूंटी जिले के गोविंदपुर गांव में हुआ था. उन्होंने प्राथमिक शिक्षा गोविंदपुर स्कूल से प्राप्त की थी. जिला स्कूल रांची से इंटर और स्नातक की पढ़ाई संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग से की थी. उन्होंने 1950-53 तक कोऑपरेटिव सोसाइटी हजारीबाग एवं गिरिडीह में नौकरी की. 1953 से 1960 तक जीईएल चर्च, रांची के सचिव रहे. जीईएल चर्च के सेंट्रल ब्यूरो ऑफ सुप्रिंटेंडेंट के पद पर वे सात साल तक रहे. स्व. होरो राजनीतिक जीवन में पांच बार विधायक एवं बिहार सरकार में मंत्री तथा तीन बार सांसद रह चुके थे. वे जल जंगल और जमीन की रक्षा के लिए हमेशा आंदोलन करते रहे थे.

श्रीश्याम मित्र मंडल के भंडारे में परोसा गया स्वादिष्ट व्यंजन

संवाददाता । रांची

हरमू रोड स्थित श्रीश्याम मंदिर में शनिवार को 105वां भंडारा लोगों के लिए खास रहा. इसमें स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गये. शाम चार बजे से देर शाम तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और राहगीरों ने इडली, उपमा, नारियल चटनी और केसरिया जलेबी का जायका चखा. गुलाब शरबत से गला तर किया. आइसक्रीम का भी लुत्फ उठाया.

श्रीश्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपमंत्री अनिल नारनोली, राजेंद्र पंसारी, आनंद पंसारी, नितिन पंसारी ने मंदिर में विराजमान खाटू नरेश सहित अन्य देवी-देवताओं को भोग निवेदित किया. बाद में भोग को भंडारा के प्रसाद में मिला कर महाभोग बनाया गया. मंदिर के आचार्यों को प्रसाद ग्रहण कराने के बाद आम लोगों के बीच बांटा गया. अध्यक्ष सुरेश सरावगी, अंकित अग्रवाल, श्रवण ढानढनिया, अनिल नारनौली, पूर्व सांसद अजय मारू, राजीव मित्तल, वेद भूषण जैन पप्पू, अभिषेक सरावगी, कौशल चौधरी, रतन शर्मा, अनुज मोदी, स्नेहा पोद्दार, अमित सरावगी, कमलेश सावा, स्वाती सरावगी, सरिता अग्रवाल, कमल बिश्नोई, अंकित सिंह, मनोज खेतावत, उपेंद्र पांडे, मनीष वर्मा, स्नेहा पोद्दार, बालकिशन अग्रवाल, राहुल मारू, श्याम सुंदर जोशी आदि ने सफल आयोजन में योगदान दिया.

कैलाश यादव राजद के प्रदेश महासचिव और मीडिया प्रभारी मनोनीत

रांची। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष संजय प्रसाद सिंह यादव ने कैलाश यादव को पार्टी के प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी के पद पर मनोनीत किया है. उन्होंने कहा कि कैलाश यादव जनप्रिय नेता हैं. वे पूर्व में भी राजद में कई अहम पद पर कार्य कर चुके हैं. इन्होंने काफी मुखरता से जनहित और पार्टी हित में निरंतर कार्य किए हैं. उन्होंने उम्मीद जताई कि यादव अपने अनुभव का इस्तेमाल कर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे एवं विपक्ष के जनविरोधी व नकारात्मक कार्यशैली को बेनकाब करने का काम करेंगे. कैलाश यादव ने पार्टी द्वारा पद सम्मानित करने पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, प्रदेश अध्यक्ष संजय प्रसाद सिंह यादव, संसदीय बोर्ड अध्यक्ष सुरेश पासवान, वरिष्ठ नेता गौतम सागर राणा, पूर्व मंत्री राधाकृष्ण किशोर के प्रति आभार व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा दिए गए दायित्वों का पूरी निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का हरसंभव प्रयास करेंगे.

सीसीएल से सेवानिवृत्त पांच कर्मियों को दी गई विदाई

सभी के योगदान की हुई सराहना

संवाददाता। रांची

सीसीएल मुख्यालय, रांची के विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त हो रहे पांच कर्मियों को समारोह आयोजित कर शनिवार को विदाई गई. इन कर्मियों में मुख्य प्रबंधक (क्रय) चंदेश्वर सिंह, गांधीनगर अस्पताल की सीएमओ डॉ. सुनीता प्रसाद, मुख्य प्रबंधक, (सीपीआरएमएस एवं पेंशन) सुनील कुमार तिवारी, टीए विभाग के सब इंजीनियर (ई एंड एम) राम नरेश दास, गांधीनगर अस्पताल के वरीय ईसीजी तकनीशियन सुशांत कुमार भट्टाचार्य शामिल थे. सीसीएल की ओर से आयोजित सम्मान सह विदाई समारोह में मुख्य अतिथि सीसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) हरीश दुहान, विशिष्ट अतिथि निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) सतीश झा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवार के सदस्य एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे. बता दें की 31 मार्च को सीसीएल मुख्यालय सहित पूरे सीसीएल से 62 कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं.

विदाई समारोह

- आप सभी के अनुभव की कमी हमेशा महसूस होगी : हरीश
- सेवानिवृत्त कर्मियों के स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना

इस अवसर पर मुख्य अतिथि हरीश दुहान ने सेवानिवृत्त कर्मियों को सेवाकाल के सफल समापन पर बधाई देते हुए कहा कि आप सभी के योगदान के फलस्वरूप कंपनी सफलता के मार्ग पर अग्रसर है. निश्चित रूप से आपके अनुभव की कमी हमेशा महसूस होगी. आप सब की मेहनत और सार्थक प्रयास से कंपनी नई ऊंचाई छू रही है. उन्होंने सेवानिवृत कर्मियों को जीवन की दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यानुभवों पर एक शॉर्ट फिल्म (वीडियो क्लिप) प्रदर्शित की गई.

इसमें कर्मियों ने अपने संपूर्ण सेवाकाल के यादगार लम्हों को वीडियो के माध्यम से साझा किया. सभी पांच सेवानिवृत्त कर्मियों ने कंपनी के प्रति शुभेच्छा प्रकट करते हुए कहा कि कंपनी हमारे पूरे सेवा काल में जीवन का एक अभिन्न अंग रही है. सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कल्याण विभाग की विभागाध्यक्ष रेखा पांडे ने किया.

रांची लोस से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे सैयद आलम

रांची। रांची लोकसभा से इस बार होने वाले चुनाव में कई नये चेहरे भी अपनी किस्मत आजमाने चुनावी मैदान के दंगल में उतरने को तैयार हैं. पेशे से पत्रकार व शिक्षक सैयद आलम इस चुनाव मैदान में निर्दलीय लोहा लेने के लिए उतर रहे हैं. उन्होंने कहा कि बहुत अफसोस की बात है कि आज भी गांव में सड़क, नाली, बिजली, पानी की समस्या बनी हुई है, जिस पर आज तक कोई काम ही नहीं किया गया है. गांव के कितने ही ऐसे लोगों को यह भी नहीं पता है कि उनका लीडर कौन है? उन्होंने न कभी अपने क्षेत्र के सांसद को देखा है न ही उनका नाम जानते हैं. ऐसे में काम की बात तो बहुत दूर है. इसीलिए उन्होंने इस चुनावी मैदान में किस्मत आजमाने का फैसला लिया है, ताकि इस तरह के अधूरे कामों को पूरा किया जा सके. मालूम हो कि सैयद आलम रांची शहर के वरिष्ठ पत्रकार हैं.

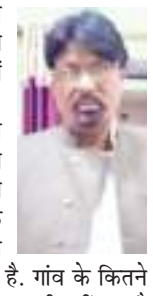

समारोह एमिटी यूनिवर्सिटी, झारखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह संपन्न, 321 छात्रों को मिली डिग्री

नौ गोल्ड मेडल मिले, 21 छात्र-छात्राओं को बलजीत शास्त्री पुरस्कार

संवाददाता। रांची

एमिटी यूनिवर्सिटी, झारखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह शनिवार को संपन्न हो गया. इस अवसर पर कुल 321 छात्र-छात्राओं ने अपनी डिग्री प्राप्त की. इनमें 21 को मानवीय और पारंपरिक मूल्यों के लिए प्रतिष्ठित श्री बलजीत शास्त्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इसके अलावा, मेधावी छात्रों को नौ स्वर्ण, 10 रजत और तीन कांस्य पदक प्रदान किए गए. समारोह में अतिरिक्त प्रशंसा और प्रमाण पत्र भी दिए गए.

इसमें एक सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड छात्र ट्रॉफी, तीन प्रशंसा प्रमाण पत्र और एक डॉ. अशोक के चौहान 100% छात्रवृत्ति शामिल थी. समारोह मे एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के चांसलर डॉ. अतुल के. चौहान ने सम्मानित संस्थापक को याद किया. एमिटी एजुकेशन ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष यू. रामचंद्रन ने संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक के. चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया. इस दौरान एमिटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स की चेयरपर्सन अमिता चौहान और एमिटी यूनिवर्सिटी, झारखंड के चांसलर डॉ. अतुल के. चौहान और सक्षम प्राधिकारियों को विरासत बनाने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया.

उत्कृष्टता के लिए प्रयास करें : डॉ अशोक : एमिटी यूनिवर्सिटी

झारखंड के कुलपति डॉ. अशोक के. श्रीवास्तव ने छात्रों को अपने संबोधन में उच्च लक्ष्य निर्धारित करने और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के महत्व पर जोर दिया. वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते समय उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है. उन्होंने माता-पिता, अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान को स्वीकार करते हुए छात्र-छात्राओं को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी. उन्होंने छात्रों को चुनौतियों और असफलताओं को स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सफलता अंतिम नहीं है और विफलता हमेशा के लिए नहीं है.

इस बीच वर्ष 2023 की कक्षा के स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया. इस समारोह में मंच पर गौरव गुप्ता, उपाध्यक्ष, राकेश जैन, उपाध्यक्ष, एमिटी एजुकेशन ग्रुप और मंच से बाहर डॉ. प्रीति साहनी, कंट्री हेड, एमिटी इंफॉर्मेशन सेंटर और एमिटी ग्लोबल बिजनेस स्कूल (मार्केटिंग और) संचालन) और पुरस्कार विजेताओं के अभिभावक मौजूद रहे. मानद डॉक्टरेट उपाधि प्राप्तकर्ता, वेदांता लिमिटेड के अध्यक्ष (रणनीति एवं नीति) सुनील दुग्गल ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सपने देखने और दृढ़ रहने का साहस करना महत्वपूर्ण है. क्योंकि अवसर आएंगे, एक नया जीवन शुरू करने और एक नई दिशा में आगे बढ़ने के लिए आकाश ही सीमा है.

अनुबंध के पिलर पर खड़े हैं झारखंड के विश्वविद्यालय

संवाददाता । रांची

झारखंड के विश्वविद्यालयों का कार्यभार अनुबंध के भरोसे है. विश्वविद्यालयों में शिक्षक से लेकर कर्मचारी तक अनुबंध पर काम कर रहे हैं. वहीं आधे से अधिक शिक्षक और कर्मचारियों का पद खाली है. रांची विवि द्वारा सेवानिवृत कर्मचारियों को फिर से काम पर रखा जा रहा है.

झारखंड में लगभग सभी विश्वविद्यालयों में कमोबेश यही स्थिति है. विश्वविद्यालयों में खाली पड़े पदों पर शिक्षकों की बहाली न तो जेपीएससी कर रही है और ना ही जेएसएससी. पिछले 16 सालों से शिक्षकों की बहाली नहीं हुई है. अब विश्वविद्यालयों में परीक्षा का काम भी ठेके पर चल रहा है. पहले परीक्षा का पूरा काम विश्वविद्यालय के कर्मचारी करते थे, मगर पिछले दो-तीन साल से परीक्षा लेने का काम एजेंसी द्वारा करवाया जा रहा है. ज्ञात हो कि झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों में अनुबंध पर शिक्षकों की बहाली के लिए आवेदन मांगा गया था. कई विश्वविद्यालय में तो बहाली की प्रक्रिया शुरु भी हो चुकी है.

लचर व्यवस्था

- शिक्षक से लेकर कर्मचारी तक अनुबंध पर कर रहे काम
- विश्वविद्यालयों में परीक्षा का काम भी ठेके पर चल रहा है

होली सैटरडे : कलीसिया विश्वासियों ने प्रभु यीशु के विशेष बलिदान को किया याद

मोमबत्ती की रोशनी से जगमगा उठा लोयला मैदान

जयंती कच्छप। रांची

ईसाई समुदाय की ओर से चार दिनों के पवित्र सप्ताह के अंतर्गत शनिवार को रांची के गिरजाघरों में तीसरे दिन होली सैटरडे (पुण्य शनिवार) मनाया गया. इस अवसर पर मसीही विश्वासियों ने प्रभु यीशु मसीह के विशेष बलिदान को याद किया. इस अवसर पर लोयला मैदान में कैथोलिक मिशन की ओर से होली पास्का जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में कलीसिया विश्वासियों ने भाग लिया. उन्होंने मोमबत्तियां जला कर प्रभु यीशु के बलिदान को याद किया. यह कार्यक्रम रातभर चलता रहा.

चौथे दिन 31 मार्च को ईस्टर संडे मनाया जायेगा. इस दिन सभी गिरजाघरों में विशेष प्रेयर मीट और प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान को याद किया जायेगा. चार दिनों के पवित्र सप्ताह से पहले 40 दिनों का लेंट पर्व मनाया जाता है. इस दौरान मसीही उपवास रखकर प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ाये जाने से पहले उनकी यातनाएं और पीड़ा को याद करते हैं.

फादर सुशील टोप्पो ने बताया कि शनिवार को मध्य रात्रि में होली सैटरडे की धर्मविधि संपन्न की गयी, रविवार को पास्का जागरण (ईस्टर) होगा. मान्यता है कि पास्का जागरण सभी जागरणों से पवित्र और महान होता है. इस जागरण में यीशु मसीह के पुनरुत्थान का महापर्व मनाते हैं. उनकी जीव उठन का उत्सव मानते हैं और इस महान घटना को याद करते हैं, जिसने हमें नयी जीवन की आशा दी. यह पास्का जागरण हमें यीशु मसीह के प्रेम और बलिदान की महत्ता को समझाता है.

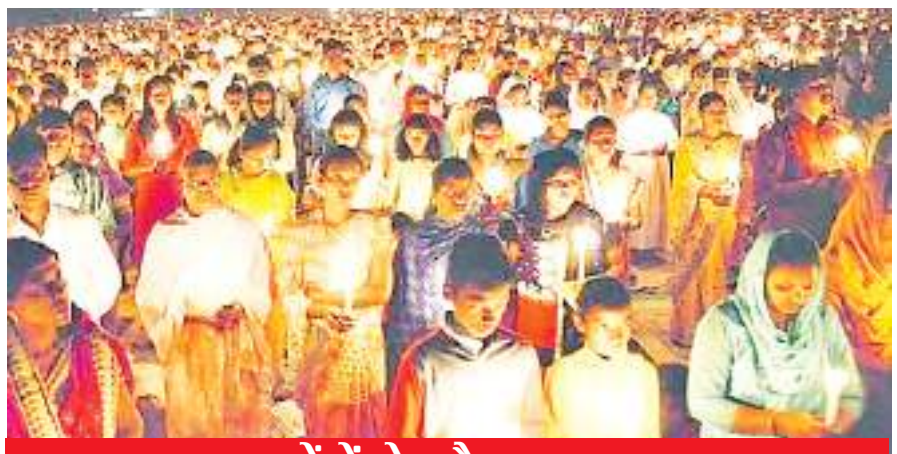

चार भागों में होता है पास्का जागरण

1. प्रकाश की धर्म-विधि

यह भाग आग या प्रकाश पर केंद्रित है. जो यीशु ख्रीस्त का प्रतीक है. पास्का के दिन, पौ फटते ही (सवेरे का उजाला दिखाई पड़ना) ही यीशु ने मृत्यु पर विजय प्राप्त की है. पास्का मोमबत्ती उनकी गौरवमयी एवं महिमावान पुनर्जीवित उपस्थिति का चिन्ह है. ज्योति का गुणगान बड़े भक्ति और उत्साह के साथ जलती हुई पास्का मोमबती के सामने किया जाता है. यह पास्का मोमबत्ती पुनर्जीवित प्रभु के प्रतीक है. यह गीत धार्मिक-विधियों में सबसे मूल्यवान मोती है.

2. पवित्र यूखारिस्त

अंत में पवित्र यूखारिस्त के साथ पास्का जागरण समाप्त होता है. पवित्र यूखारिस्त एक महत्वपूर्ण धर्म विधि है, जिसमें हम यीशु मसीह के प्रेम और बलिदान की याद करते हैं. वहां सभी उपस्थित मसीही विश्वासी कैथोलिक कलीसिया के शिक्षा के अनुसार पुनर्जीवित यीशु के शरीर और रक्त को रोटी और दाखरस के रूप में ग्रहण करते हैं. पास्का पर्व ख्रीस्तियों का सबसे बड़ा पर्व है, जिसमें प्रभु यीशु के पुनरुत्थान का उत्सव मनाया जाता है. यह महापर्व ख्रीस्त विश्वासियों के लिए एक नई उर्जा के साथ नई शुरुआत लेकर आता है.

3. ईश-वचन की उद्घोषणा

इस भाग में पवित्र बाइबिल के पुराने व्यवस्थान से ऐतिहासिक ईश्वरीय मुक्तियोजना से संबंधित पाठ सुना जाता है और मनन-चिंतन किया जाता है. इस दिन मसीही विश्वासी भजन भी गाते हैं. निर्गमन ग्रंथ से पाठ करना अनिवार्य होता है.

4. जल बपतिस्मा का आशीष

इस धर्मविधि में पास्का मोमबत्ती से जल का आशीष होता है और यदि कोई बच्चा है, तो बपतिस्मा दिया जाता है. वहां सभी उपस्थित मसीही विश्वासी अपने बपतिस्मा के दिन को याद करते हुए पास्का मोमबत्ती से अपनी-अपनी मोमबत्ती जलाते हैं .

कलीसिया के लिए एक महत्वपूर्ण दिन पास्का पर्व : फादर सुशील टोप्पो

पास्का पर्व जिसे पुनर्जीवित (पुनुरूत्थान) का पर्व भी कहा जाता है . मसीही विश्वासी कलीसिया के लिए एक महत्वपूर्ण दिन हैं. प्रभु यीशु जिसने मृत्यु पर विजय पायी. मसीही लोगों के लिए पुनर्जीवित प्रभु ख्रीस्त, जीवन की नई उम्मीद और प्रेम का प्रतीक है. यह महापर्व हमें याद दिलाता है कि हमेशा अंधेरे के बाद उजाला होता है और हमेशा दुःख के बाद खुशी आती है. यह हमें याद दिलाता है कि प्रेम हमेशा जीत जाता है. चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न हो. यह सच्चा प्रेम की एक विशेषता है, दूसरों को हमेशा माफ करना. जैसे प्रभु ने अपने मरण से पहले सभी मनुष्यों को माफ किया, हे पिता इन्हें क्षमा कर, कयोंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं. जहां क्षमा है वहीं सच्चा प्रेम है. उन्होंने कहा कि हम अपने दिलों में प्रेम और उम्मीद को जगाएं और दूसरों के प्रति करुणा और दया दिखाएं, जैसा प्रभु यीशु ने किया. हम अपने जीवन में नई शुरुआत करें, प्रेम और खुशी के साथ.

प्रभु यीशु ने पाप के बंधन से मनुष्य को छुड़ायाः बिशप सीमांत तिर्की

मृत्यु का दंड पाप है और पाप का फल मृत्यु हैं, जिससे प्रभु यीशु ने अपने ऊपर लेकर मनुष्य को पाप के बंधन से छुड़ा लिया. प्रभु यीशु ने मृत्यु को पूरी तरह पराजित कर दिया. प्रभु ने अपने जी उठने के विषय में तीन बार अपने चेलों को बताया था कि वह क्रूस पर मरकर तीसरे दिन जी उठेंगे. प्रभु के जी उठने के विषय में कहा था कि जैसा बाइबल की पुस्तक में लिखा गया है. यीशु उसे मृत्यु द्वारा पाताल में उतरे तथा शैतान की शक्ति को नाकाम कर तीसरे दिन कब्र से बाहर निकले. बाइबल के अनुसार "तू मेरे प्राण को अधोलोक में न छोड़ेगा और न अपने परिजनों को सड़ने ही देगा." प्रभु परमेश्वर यीशु के रूप में बड़े सामर्थ्य व तेज के साथ जी उठे. उस समय पहली बार एक मरिया मग्दलीनी ने देखा था, इसके बाद प्रभु यीशु के सभी चेलों से मुलाकात की. जिन्हें यह संदेह था कि वे यीशु नहीं है, उन्होंने उनको छू कर देखा और अपना हाथ यीशु के छेदे हुए हाथ पर डालकर देखा. यीशु के जी उठने के बाद पांच सौ से अधिक लोगों ने देखा उनका दर्शन किया. प्रभु ने पक्के प्रमाण के साथ चेलों सें मिले और उनके साथ भोजन किया. यीशु आत्मा में ही सिर्फ जीविन नहीं हैं, बल्कि शारीरिक रूप से जीवित हैं.

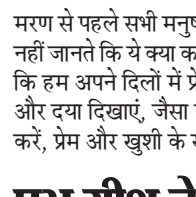

ईस्टर संडे पुनरुत्थान पर कब्र में हुई आराधना

रांची। ईस्टर संडे के भोर में रांची के जीइएल चर्च, एनडब्लू जीइएल चर्च एवं संत पॉल चर्च की ओर से कब्र में आराधना कार्यक्रम संपन्न हुआ. रांची के जीइएल चर्च के विश्वासी धार्मिक जुलूस के साथ यीशु की आराधना करते कब्रस्थान पहुचे. यह प्रार्थना भोर के चार बजे हुई. इस अवसर संचालन पर मुख्य उपदेशक मोडरेटर जोहन डांग थे. एनडब्लू जीइएल चर्च के अनुयायी रात ढाई बजे स्मारक पत्थर से प्रोसेशन (धार्मिक जुलूस) के साथ विश्वासी कलीसिया कब्र तक गये. इसका मुख्य संचालन रेव्ह यीशु नासरी मिंज एवं मुख्य उपदेश आर्च बिशप राजीव सतीश टोप्पो ने किया. वही संत पॉल चर्च में सुबह नौ बजे पुनरुत्थान आराधना होगी. बता दें कि पुनरुत्थान के पूर्व विश्वासी कलीसिया अपने मृतक परिजनों के कब्र को पेंट ओर मिट्टी से लिपाई करते हैं. साथ ही अपने पूर्वजों को याद करते हैं. उनके कब्र को फूलों से सजाते और मोमबत्तियां जलाकर उनका याद करते है. विश्वासी कलीसिया यह विश्वास है कि जिस प्रकार यीशु मसीह जी उठे. यीशु पर जो विश्वास करते हैं वे यीशु के आगमन पर जी उठेंगे.

न्यूज अपडेट

सीसीएल में कल से पुनः बायोमेट्रिक प्रणाली

रांची। सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) में 1 अप्रैल 2024 से बायोमेट्रिक प्रणाली को दोबारा लागू कर दिया गया है. सीसीएल में अत्याधुनिक बायोमेट्रिक मशीन की स्थापना की गयी है, जिससे कर्मियों को कोई भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा और सरल तरीके से यानि चेहरा पहचान या हथेली पहचान द्वारा तुरंत उपस्थिति बन जाएगी. बता दें कि सीएमडी डॉ. बी बीरा रेड्डी के मार्गदर्शन व निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र के कुशल नेतृत्व में विभागाध्यक्ष (कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध) नवनीत कुमार और विभागाध्यक्ष (एनईई) पीके सिन्हा की पहल पर श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों की सहमति के साथ बायोमेट्रिक प्रणाली लागू की जाएगी.

रांची में विक्रम हाजरा भजन संध्या आज

रांची। दि आर्ट ऑफ़ लिविंग झारखंड चैप्टर के द्वारा पीपी कंपाउंड स्थित गुरुनानक स्कूल ऑडिटोरियम में रविवार को आर्ट ऑफ लिविंग के प्रसिद्ध गायक विक्रम हाजरा का भजन संध्या का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. सांग फॉर द सोल के नाम से आयोजित कार्यक्रम शाम 6 बजे से किया जायेगा. आयोजन में आर्ट ऑफ़ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक प्रवीण, शर्मिष्ठा, प्रो. डेविड, प्रो. ज्योतिका, पीएन सिंह, संगीता, निखिल, सुमिता, ऋषि, आर्ट ऑफ़ लिविंग प्रदेश के अपैक्स मेंबर्स एवं स्टेट कौंसिल मेंबर्स रामचंद्र बरनवाल, सहेंद्र कुमार सिन्हा, रविंद्र गुप्ता, रोशनी खालको, निधि गर्ग, टुलु सरकार एवं राज्य शिक्षक समन्वयक राकेश भ्रमर अहम भूमिका रहेगी.

आजसू छात्र संघ के विस्तार पर की गयी चर्चा

रांची। आजसू छात्र संघ ने एसएस मेमोरियल कॉलेज में बैठक की. बैठक में संगठन मजबूती और विस्तारीकरण पर चर्चा की गयी. जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की सीबीआई जांच की मांग की. बैठक में झारखंड सरकार से बेरोजगारों को नौकरी और बेरोजगारी भत्ता देने की भी मांग की गयी. इसके साथ ही लोक सभा चुनाव में एनडीए की जीत के लिए भी रणनीति बनायी गयी. बैठक में हनी कुमारी, करन पाठक, प्रशांत पाठक और अन्य ने आजसू की सदस्यता ली. बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, दीपक दुबे ,अश्विन पंडित, हर्ष उरांव समेत अन्य शामिल रहे.

पश्चिमी क्षेत्र के अखाड़ाधारियों की बैठक छह को

रांची। विश्वनाथ शिव मंदिर, पिस्का मोड़ में छह अप्रैल को शाम चार बजे पश्चिमी क्षेत्र के अखाड़ाधारियों की बैठक होगी. इसमें श्रीरामनवमी महोत्सव को लेकर तैयारियों कि समीक्षा की जायेगी. साथ ही अखाड़ाधारियों की परेशानियों से आवगत हो उसके निदान के उपाय तलाशे जायेंगे. एक-जुट हो भव्य रूप में रामनवमी जुलूस निकालने को लेकर रणनीति बनायी जायेगी. शैलेश्वर दयाल सिंह ने बताया कि क्षेत्र में सात लाइसेंसधारी सहित 40 से ज्यादा अखाड़ा है. सबके साथ तालमेल कर महोत्सव मनाया जायेगा.

श्रीमहावीर मंडल कार्यालय का उद्घाटन कल

संवाददाता। रांची

श्रीमहावीर मंडल की शनिवार को हुई बैठक में इस बार भी धूमधाम से रामनवमी महोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया. साथ ही इसके सफल संचालन के लिए सोमवार को कार्यालय का शुभारंभ करने पर आम सहमति बनी. अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू ने बताया कि दुर्गा मंदिर ट्रस्ट भवन, महावीर चौक में दिन के 11 बजे अस्थायी कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया जायेगा. उन्होंने बताया कि रामनवमी महोत्सव के समस्त कार्यों का संचालन यहीं से किया जायेगा. रवि कुमार पिंकू ने मंडल के सभी पूर्व पदाधिकारियों को कार्यालय उद्घाटन में शामिल होने का आग्रह किया है. मंत्री दीपक ओझा ने सभी धार्मिक और सामाजिक संगठनों सहित श्रीमहावीर मंडल के सदस्यों से इसमें भाग लेने की अपील की है. उपाध्यक्ष राजा सेन गुप्ता ,सह मंत्री गोपाल सोनी, उदय रविदास, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा, अंकेक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता आदि बैठक में शामिल थे.

पिस्का मोड़ में इस साल भी रहेगी रामनवमी महोत्सव की धूम

रांची। पिस्का मोड़ में इस बार भी रामनवमी महोत्सव की धूम रहेगी. इसको लेकर रामनवमी पूजा समिति राजेंद्र चौक, पिस्का मोड़ की ओर से जोर-शोर से तैयारी की जा रही है. अध्यक्ष शैलेश्वर दयाल सिंह ने बताया कि महोत्सव के पूर्व इलाके में महावीर झंडे लगाए जाएंगे. स्थानीय विश्वनाथ शिव मंदिर की भी आकर्षक साज सज्जा की जाएगी. क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चला कर लोगों से घरो में महावीरी ध्वज लगाने की अपील की जायेगी. उन्होंने बताया कि दो अप्रैल को दूसरी मंगलवारी जुलूस गाजे-बजे और माहवारी झंडों के साथ निकली जाएगी. शाम 6:30 नेम-निष्ठा से झंडा पूजन किया जाएगा. इसके बाद हरवे-हथियार के साथ श्रद्धालु भक्ति धुन पर नाचते झूमते रातू रोड के रास्ते महावीर चौक पहुंचेंगे. यहां महावीर मंदिर में झंडा पूजन करने के बाद अस्त्र-शास्त्र का परिचालन किया जायेगा. देर रात महावीरी झंडा के साथ श्रीराम और हनुमान जी का जयकारा बुलंद करते सभी वापस लौटेंगे. उन्होंने बताया कि नौ और 16 अप्रैल को भी भव्य रूप में मंगलवारी जुलूस निकाला जाएगा. 17 अप्रैल को रामनवमी जुलूस निकाला जाएगा. अ

सरहुल शोभायात्रा में की जाएगी सरना कोड की मांग

संवाददाता। रांची

केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के तत्वावधान में उप कार्यालय पिस्का मोड़ रांची में प्राकृतिक महापर्व सरहुल पूजा की तैयारी को लेकर बैठक हुई. अध्यक्षता करते हुए शिवा कच्छप ने कहा कि सरहुल पारंपरिक एवं सांस्कृतिक रूप से मनाया जाएगा. 9 अप्रैल को उपवास, 10 अप्रैल को घर में पूजा पाठ, 11 अप्रैल को सरहुल शोभायात्रा निकाली जाएगी. जुलूस में सरना धर्म कोड लागू करने की मांग की जाएगी. इसके लिए सरना धर्मावंलम्बियों के हाथ में सरना कोड की तख्तियां रहेंगी. लोग नाचगान करते हुए सरना स्थल सिरोम टोली पहुंचेंगे.

कलाकारों ने किया शास्त्रीय नाट्य शैली का अद्भुत प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

युवा नाट्य संगीत अकादमी के तत्वावधान में आड्रे हाउस रांची में आयोजित छोटानागपुर राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव में शनिवार को दो नाटकों का मंचन किया गया. पहला नाटक रांची के बोधायन नाट्यालय का 'भगवदज्जुकम्' प्रस्तुत हुआ. इसके निर्देशक सुकंठ ठाकुर थे. वहीं दूसरा नाटक था 'तुमने क्यों कहा था कि मैं खुबसूरत हूं.' इस नाटक को आईना गिरिडीह की ओर से प्रस्तुत किया गया, जिसके लेखक अख्तर अली और निर्देशक महेश अमन थे. चार दिन से चल रहे नाट्य महोत्सव के अंतिम दिन की प्रस्तुति में रांची के कलाकारों ने नाटक 'भगवदज्जुकम्' में शास्त्रीय नाट्य शैली अद्भुत प्रदर्शन किया. इसमें गणिका के किरदार में आयुषी भद्रा, साधु की रोहित पांडे, यमदूत की शिवम मनोहरन, सखी की श्रुति राजलक्ष्मी, शिष्य की विकी माधवन ने भूमिका निभायी. इस नाटक में अनुष्का भद्रा, सूरज मिश्र, आशुतोष कुमार, तन्वी बरदियार, श्रेया सहाय, आरुषि कुमारी, मंत्रेश कुमार और डिंपी सरकार की भूमिका ने सराहनीय रही.

माह-ए-रमजान

शबे कद्र की एक रात की इबादत हजार माह से बेहतर

रांची। मौलाना अब्दुल माजिद ने कहा कि रमजानुल मुबारक का आखिरी अशरा बहुत ही कीमती है.

ऐसे तो हर अशरा ही कीमती है. पहला अशरा रहमत का, दूसरा अशरा बरकत का और तीसरा अशरा मगफिरत का है. इस आखिरी अशरे में एक दिन शबे कद्र की रात होती है. वह रात 21, 23, 25, 27 व 29 रमजान को पड़ती है. लेकिन इन पांच रातों में कौन सी रात शबे कद्र है. इसी की तलाश करनी है. इसलिए इस आखिर अशरे में मसजिद में एतेखाफ पर बैठा जाता है. यानी मस्जिद में ही दिन रात रहना है. हर वक्त दीन में लगे रहना है. नमाज पढ़ना, कुरआन पढ़ना, तस्बीह पढ़ना है. दुनिया की बातों से बचना है.

रात में ही 83 साल की इबादत का सवाब है शबे कद्र की रात. मौलाना अब्दुल माजिद ने कहा कि इस आखिर अशरे में मुहल्ले की मस्जिद में किसी एक शक्स को एतेकाफ पर बैठना जरूरी है. नहीं बैठने से पूरे मुहल्लों की अल्लाह के यहां पकड़ होगी. वहीं एतेकाफ पर बैठने से इसका अलग सवाब मिलेगा. जिसने शबे कद्र की इबादत पा ली उसने एक रात में ही 83 साल की मुकम्मल इबादत हासिल कर ली. इस एक रात की इबादत 1000 माह से अफजल (बेहतर) है.

नन्हे रोजेदार

आठ साल की नमरा भी रख रही रोजा

रांची। डॉ. फतेउल्लाह रोड निवासी अधिवक्ता नसर इमाम की बेटी नमरा

इमाम पिछले साल से रोजा रख रही है. बच्ची आठ साल की है, वह कांके स्थित अलोन्स ड्रीम कैचर स्कूल की कक्षा तीन की छात्रा है. पिता ने बताया कि जब हम लोग सेहरी करने उठते हैं, उसी समय खुद भी सेहरी के लिये उठ जाती है. छुट्टी में रोजा रखती है, नमाज भी पाबंदी से पढ़ती है. नमरा के इस जज्बे से घर परिवार के सारे सदस्यों में खुशी की लहर है. दूर दराज के रिशतेदार एवं आस पड़ोस के लोगों ने नमरा के रोजा रखने पर मुबारकबाद दिया है.

तीन दिवसीय मजलिस का समापन आज

रांची। अंसार नगर स्थित मस्जिद ए जफरिया में हजरत अली की शहादत दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय मजलिस का आयोजन किया गया. शनिवार दूसरे दिन मजलिस में मौलाना सैयद तहजिबुल हसन रिजवी ने हजरत अली के जीवन पर प्रकाश डाला. हजरत अली ने अपना पूरा जीवन मानवता के लिए दे दिया. रविवार 31 मार्च को अंतिम मजलिस के बाद ताबूत व अलम निकाला जायेगा. जिसमें हजरत अली की शहादत की याद में नोहाखानी व मातम होगी.

फिलिस्तीनी भाइयों के लिए करें दुआ

रांची। समाजसेवी मो मकसूद आलम ने कहा कि इस मुबारक महीने में पूरी दुनिया में अमन व सलामती के लिए दुआ करें. रमजान सिर्फ अपने लिए नहीं,

बल्कि दूसरों के लिए भी हमदर्दी का महीना है. मुसलमान अपने फिलिस्तीन भाइयो के लिए दुआ करें, अल्लाह पाक फिलिस्तीनी मुसलमानों की हिफाजत फरमाए. उन्होंने कहा कि रमजान का 19 दिन गुजर गया, रमजान के आखिरी 10 दिनों में इस्लाम के पैगम्बर मोहम्मद (स.) इबादत में खूब व्यस्त रहते थे. हदीस का अर्थ संक्षेप में, अल्लाह के रसूल रमजान के पूरे महीने का एहतमाम करते थे, और रमजान के आखिर अशरा में खूब इबादत करते और अल्लाह से दुआ करते, एतेकाफ करते, क्योंकि हदीस में वर्णित है कि आपको रमजान के आखिरी अशरा में शब कद्र की रात तलाश करनी चाहिए. जब हम एतेकाफ करते हैं, जब हम एतेकाफ में बैठते हैं, तो शब कद्र आसानी से मिल जाती है. इसलिए जितना हो सके अपना वक्त इबादत में गुजारे.

कचहरी नमाजगाह में दावत ए इफ्तार

रांची। कोर्ट कंपाउंड कचहरी के नमाज गाह में शनिवार को दावत इफ्तार का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य रूप से नमाजगाह के अध्यक्ष अजहर खान पप्पू, सचिव कय्यूम अहमद, शाह फैसल, आफताब आलम, शमीम अख्तर, शाहिद हुसैन, मो राजन, नदीम अहमद, रिंकू खान, अधिवक्ता मुमताज खान, अधिवक्ता हिमायु रशीदी, जया खान, वली साहब, परवेज अहमद, मो सोनू, मो सोहेल, रियाज अहमद आदि बड़ी संख्या में रोजेदार शामिल हुए. मगरिब की अजान एमएस वली ने दी, जिसे सुनकर रोजदारों ने इफ्तार किया. देश दुनिया और राज्य की खुशहाली, तरक्की और आपसी भाईचारगी, हिंदू मुस्लिम एकता की दुआ मांगी गई. आयोजनकर्ता में शाह फैसल परवेज आलम, मो शमीम, तौहीद आलम, अली हसन, असलम, सुलतान खान,अली रजा, सैयद शाहिद हुसैन, नदीमुद्दीन, सरफराज खान आदि अधिवक्ता शामिल थे.

डोरंडा उर्स मैदान में लगा ईद एक्सपो

रांची। ईद एक्सपो का आयोजन रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमेटी एवं पुलिस पब्लिक रिपोर्टर के तत्वावधान में रिसालदार बाबा उर्स मैदान में किया

गया है. यह आयोजन 28 मार्च से शुरू हुआ है और 7 अप्रैल तक इसी प्रकार जारी रहेगा. यहां बड़े, बच्चे, लेडीज जेंट्स सभी के कपड़े, कुर्ता पायजामा, नकाब-हिजाब, बनारसी साड़ी, लखनवी, कश्मीरी शूट, कुर्ती से लेकर हर तरह के कपड़े, क्रॉकरी आइटम, चूड़ी, कालीन, फूड स्टॉल, जूते, चप्पल, सैंडल, कॉस्मेटिक, चश्मा, बर्तन, खिलौना, टू व्हीलर, आर्ट एंड क्राफ्ट, ज्वेलरी, लेडीज कॉर्नर, नमकीन खाद्य सामग्री, ड्राई फ्रूट्स, सेवई, बेड शीट, दस्तरखान, आयुर्वेद, लोहे, स्टील, अलमुनियम के बर्तन समेत ईद की संबंधित सामग्री मिल रही है. खरीदारी के लिए लोगों की अच्छी भीड़ उमड़ रही है. ईद एक्सपो में झारखंड समेत महाराष्ट्र, बनारस, दिल्ली, कोलकाता, छत्तीसगढ़, बंगाल, मध्य प्रदेश आदि देश के अलग अलग राज्य से विभिन्न सामग्री का समूह जुटा कर सजाया गया है.

जागरूकता

साइबर पीस फाउंडेशन ने एआई पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया

एआई का काफी हद तक हो रहा मिसयूज : विनीत कुमार

संवाददाता। रांची

साइबर सिक्योरिटी और मीडिया लिटरेसी पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन साइबर पीस फाउंडेशन ने किया. सेमिनार में गूगल डॉट ओआरजी (Google.org) ने भी सहयोग किया. सेमिनार का विषय फाइटिंग मिसइनफॉरमेशन एंड डीप फेक्स था. साइबर पीस के साइबर एक्सपर्ट ने मीडिया प्रतिनिधियों को आर्टिफिशिअल इंटेलिजेंस (एआई), मिसइनफॉरमेशन और डीप फेक के बारे में बताया. इसके लिए उन्होंने कई उदाहरण भी दिए. उन्होंने बताया कि कैसे बैड एक्टर्स इसे अपने फायदे के लिए उपयोग करते हैं. मीडिया को इसे

पहचानने और उसके खिलाफ सावधान रहने के लिए टूल्स का उपयोग करने के तरीके बताए. साइबर पीस फाउंडेशन के अध्यक्ष विनीत कुमार ने अपनी एक्सपर्ट टीम के मार्फत मिसइनफॉरमेशन और डीपफेक को पहचानने में मददगार टूल्स के बारे में बताया.

सेमिनार में एआई विशेषज्ञ विनीत कुमार ने कहा कि आज के समय में एआई को बहुत बड़े इनेबलर के रूप में देखा जा रहा है. आज के समय में एआई का काफी हद तक मिसयूज हो रहा है, जिसमें सबसे बड़ा उदाहरण है डीपफेक. पिछले कुछ समय में हमने हर तबके के लोगों के ऊपर उनकी वीडियो को डीपफेक के द्वारा बदलकर उसका गलत इस्तेमाल करते हुए देखा है. इस मुहिम को शुरू करने के पीछे लोगों को ट्रेंड करके पहला जिम्मेदार बनाएं और लोगों को जाकर जागरूक कर उन्हें साइबर रेसिलियंट के बारे में बताए. उन्होंने कई सारे उदाहरण दिये और कहा कि कई बार आपसे कुछ तस्वीर मांगी जाती हैं. जिनको डीपफेक की मदद से गलत तरीके से छेड-छाड की जाती है और लोगों को ब्लैकमेल किया जाता है. हमने ऐसे कई सारे केसे हमारे हेल्पलाइन में देखे हैं. साथ ही ऐसी कई मुद्दों पर हमारी रिसर्च टीम रिसर्च करके पेपर्स भी रिलीज कर रही है। हम यह भी चाहते हैं कि जो अपने यहां आज सुना और सीखा उसे आप दूसरों तक पहुंचाएं.

खास बातें

- डीपफेक की मदद से छेड-छाड़ कर हो रही ब्लैकमेलिंग
- तस्वीरों और वीडियो का किया जा रहा मिसयूज

मारवाड़ी महिला युवा मंच का समागम शुरू

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की 22 वीं प्रांतीय सभा सह लघु अधिवेशन समागम , रांची समर्पण शाखा के आतिथ्य में शनिवार को अग्रसेन भवन में किया गया. दो दिवसीय अधिवेशन का उद्घाटन सांसद संजय सेठ एवं टीवी एक्ट्रेस आस्था अभय ने किया. उद्घाटन में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र भट्टर उपस्थित थे. मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिवेशनमें शनिवार को प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक हुई. राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रांतीय अध्यक्ष के साथ टॉक शो हुआ. शाम में रैली निकाली गयी. अधिवेशन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ. झारखंड से मारवाड़ी समाज

के युवा प्रतिभा को युवा रतन सम्मान दिया गया.

कार्यक्रम में सुरेंद्र भट्टर राष्ट्रीय अध्यक्ष (अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच), अरुण गुप्ता प्रांतीय अध्यक्ष (झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच), विनीता सिंघानिया प्रांतीय उपाध्यक्ष,विशाल पाडिया प्रांतीय उपाध्यक्ष, सार्थक अग्रवाल प्रांतीय महामंत्री, विकास अग्रवाल प्रांतीय संयोजक, पिंकेश खंडेलवाल प्रांतीय संयोजक, स्वेता जालान प्रांतीय सहायक मंत्री, समर्पण शाखा की अध्यक्ष श्वेता भाला, मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल मंच पर उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

पुलिस ने अवैध शराब भट्ठी को किया ध्वस्त

सोनाहातू। थाना क्षेत्र के कांची नदी किनारे संचालित अवैध महुआ शराब भट्ठी को सोनाहातू पुलिस नष्ट किया है. गुप्त सूचना के आधार पर थाना प्रभारी चंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने भट्ठी में जाकर नष्ट किया है. इस दौरान पुलिस ने शराब भट्ठी में 400 किलोग्राम जावा महुआ को पुलिस ने नष्ट किया. थाना प्रभारी चंदन कुमार ने कहा कि थाना क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है. आगे भी अवैध शराब के खिलाफ अभियान जारी रहेगा. लोगों को शराब के खिलाफ अभियान में सहयोग करने की अपील किया है.

श्रीराम बानर सेना की कार्यकारिणी गठित

रांची। संकट मोचन हनुमान मंदिर, मेन रोड में श्रीराम बानर सेना की हुई बैठक में पुरानी समिति भंग कर नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया. साथ ही श्रीरामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाने और झांकी प्रतियोगिता इस बार भी भव्य रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया गया. गठित कार्यकारिणी में संयोजक सूर्यनारायण दास त्यागी महाराज, संरक्षक राजीव रंजन मिश्रा, राजीव चटर्जी, हरिनारायण सिंह, ऋषिनाथ शाहदेव, संजय सहाय, अध्यक्ष लंकेश सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष मंटू लाला, उपाध्यक्ष विक्रम सिंह, सतीश पांडेय, अखिलेश राय, संजीव सिंह, महासचिव पवन कुमार झा, सचिव अविनाश सिंह, विनोद सिंह, सूरज पांडेय, मिंटू सिंह, शक्ति, रामायण सिंह, संगठन मंत्री सुदामा सिंह, शिव कुमार, चंदन, नीरज पांडेय, राजू सिंह, शंकर सिंह, विशाल वर्मा, कोषाध्यक्ष चुटुन पांडेय, सह कोषाध्यक्ष गौतम सिंह, प्रवक्ता सुनील सिंह को बनाया गया. मौके पर 21 सदसीय कार्यकारिणी समिति भी गठित की गयी. ओमकार दास त्यागी, वीरू दास, लाल दास आदि मौके पर मुख्य रूप से मौजूद थे.

तिलाई पिड़ी गांव में आज होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम

सोनाहातू। प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र पंडाडीह पंचायत के तिलाई पिड़ी गांव में 31मार्च को विराट झूमर पाता नाच,मुर्गा लड़ाई एवं रात्रि में छऊ नृत्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा.कार्यक्रम में झूमर शिल्पी जुनून रशिका ग्रुप के झूमर सम्राट रंजीत महतो, सुरेश कुमार और झूमर शिल्पी एजेलीपनी, सुनीता राना मनोहरपुर पश्चिम सिंहभूम के कलाकार अपने कला का प्रदर्शन करेंगे.

नरकोपी में 12 को निकलेगी विशाल सरहुल शोभायात्रा

बेड़ो। नरकोपी आदिवासी सरना विकास सभा के बैनर तले 12 अप्रैल को नरकोपी में भव्य सरहुल शोभा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया. सरहुल को लेकर आयोजित बैठक के दौरान सरहुल पूजा एवं सरहुल शोभायात्रा की रणनीति बनाई गई. बैठक के दौरान समाजसेवी बोदहा उरांव, महेश उरांव, नारायन उरांव, दिलीप उरांव, लालू उरांव, रविन्द्र साहू (सिंगलू), अजय उरांव,पंचम उरांव, गणेश उरांव, संदीप एक्का,बोलो उरांव,शंकर उरांव सरना होटल लोदो उरांव,बिहारी उरांव व सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे. बैठक का संचालन मंगरा उरांव द्वारा किया गया. बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि गुरुवार को समिति की फिर से होगी बैठक . बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे.

सरहुल पूजा और सरहुल मिलन समारोह आयोजन समिति का किया गया गठन

आदिवासी सरना आश्रम गढ़डीपा सरसा से निकलेगी शोभायात्रा

संवाददाता। लापुंग

लापुंग प्रखंड के आदिवासी सरना आश्रम गढ़डीपा सरसा में प्रकृति पर्व सरहुल के मौके पर पांच अप्रैल को भव्य सरहुल मिलन समारोह सह शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा. नावाटोली में ग्राम प्रधान सुनील होरो की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान सरहुल पूजा एवं सरहुल मिलन समारोह आयोजन समिति का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से पूर्व मुखिया सह विधायक प्रतिनिधि संतोष तिर्की को अध्यक्ष चुन लिया गया. वही सचिव के रुप में फगुआ भगत एवं कोषाध्यक्ष के रूप में मुनेन्द्र लोहरा का चयन किया गया. जबकि संरक्षक के रुप में पंचायत समिति सदस्य पूनम टोप्पो, मनोज उरांव, इन्द्रसागर भगत तथा नपिंद्र सिंह का चयन किया गया. निगरानी समिति में लतरातु के माघी उरांव एवं बैजनाथ लोहरा, दरन्दा के अर्पण उरांव एवं गंदुआ उरांव, देवगांव के गंदुर उरांव एवं कर्मा उरांव, पोला के संदीप मिंज एवं जितेंद्र उरांव, सरसा के कृष्णा भगत एवं जगदीश तिग्गा, शाहेदा के बुधु पाहन एवं राजेन्द्र सिंह, अंगनु उरांव एवं बंधना पाहन, नावाटोली के सुनील होरो एवं मनोज उरांव का चयन किया गया. इस मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष संतोष तिर्की ने कहा कि इस वर्ष सरहुल मिलन समारोह पूरे धुमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा. उन्होंने कहा कि सभी लोगों की सहमति एवं एकजुटता से ही कार्यक्रम सफल हो सकती है. उन्होंने लोगों से बगैर भेदभाव के सरहुल मिलन समारोह सह शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए लोगों का आह्वान किया. वहीं संरक्षक पूनम टोप्पो ने कहा कि सरहुल आदिवासियों का सबसे बड़ा पर्व है. हमें मिलजुलकर सरहुल शोभायात्रा और मिलन समारोह को सफल बनाना है. बैठक के दौरान मुख्य रूप से समाजसेवी दशरथ तिर्की, दशरथ उरांव, सत्येन्द्र भगत, शिव कुमार तिर्की, प्रीतम उरांव, एतवा उरांव, महतो मंचु प्रधान, तुलसी उरांव, मंगरा उरांव, चमरू उरांव, मोहन लोहरा, एकलव्य भगत, मंगरा लोहरा, विठन उरांव, जगदीश तिग्गा, रामनाथ भगत सहित दर्जनों लोग मौके पर मौजूद थे.

सरहुल पर्व

- सरहुल मिलन समारोह आयोजन समिति की बैठक संपन्न
- अध्यक्ष संतोष तिर्की व पूनम टोप्पो संरक्षक चुने गये

गैंगस्टर अमन साहू व नक्सली प्रभात फायरिंग मामले में बरी

धनसार इंजीनियरिंग के सीईओ पर फायरिंग मामले में मिली रिहाई

संवाददाता। धनबाद

जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू व नक्सली कमांडर बाबूलाल तूरी उर्फ प्रभात जी उर्फ शंकर को धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार सिंह की अदालत ने शनिवार को एक मामले में बरी करने का आदेश दिया है. दोनों के खिलाफ धनसार इंजीनियरिंग के सीईओ पर फायरिंग करने का आरोप था. लेकिन अभियोजन उनके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं दे पाया. खुद सीईओ ने भी दोनों आरोपियों की टीआईपी में पहचान नहीं की थी. अमन साहू फिलवक्त मेदनीपुर जेल में, जबकि प्रभात रांची के होटवार जेल में बंद है. दोनों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया था.अमन साहू के विरुद्ध झारखंड के विभिन्न जिलों में हत्या, रंगदारी, जानलेवा हमला, प्रतिबंधित हथियार रखने, नक्सली गतिविधियों मे शामिल रहने के कुल 99 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि प्रभात के खिलाफ फिलहाल चार मामले हैं. धनसार इंजीनियरिंग में फायरिंग मामले में सीईओ अमरेंद्र नारायण झा की लिखित शिकायत पर बैंक मोड़ थाने में 18 अक्टूबर 2015 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 18 अक्टूबर 2015 की सुबह साढ़े नौ बजे सीईओ अपने ड्राइवर के साथ आवास से ऑफिस जाने के लिए निकले थे. धोवाटांड़ में टाटा मोटर्स के समीप वह गाड़ी से उतरकर एक व्यक्ति का इंतजार करने लगे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उनके ऊपर गोली चला दी. जान बचाने के लिए जब वह भागने लगे लगे तो हमलावरों ने पीछे से भी गोली चलाई.

99 मुकदमों में आरोपी है

कुख्यात अमन साहू, प्रभात के खिलाफ हैं चार मामले

सबूत नहीं दे पाई पुलिस

पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में पर्याप्त साक्ष्य नहीं दे पाई. वारदात का कारण लेवी बताया गया था, इस बात का साक्ष्य पुलिस नहीं दे पाई. जबकि खुद पीड़ित ने टीआईपी में इनकी पहचान नहीं की. बचाव पक्ष की ओर से लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को बरी करने का फैसला सुनाया.

पांच लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार

▪ चुनावों में सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने की बना रहा था योजना

लातेहार। लातेहार पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने माओवादियों के पांच लाख रुपये का इनामी सब जोनल कमांडर को गिरफ्तार करने में सफलता पायी है. शनिवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि 29-30 मार्च की मध्य रात्रि गुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा माओवादियों के रीजनल कमेटी सदस्य छोटू खेरवार का दस्ता गारू थाना क्षेत्र के लोहरगढ़ा व मिरचइया के जंगलों में एकत्रित हो रहे हैं. सूचना की सत्यापन के बाद एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ वेंकेटश कुमार के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया.

पुलिस को देखते ही माओवादी भागने लगे

छापामारी दल लोहरगढ़ा व मिरचैया के जंगल में पहुंची. इसी दौरान पुलिस को देखते ही दस्ता में शामिल लोग भागने लगे, लेकिन एक व्यक्ति दस्ता से बिछड़ गया. पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया. सख्ती के क्रम में उसने बताया कि वह नागेश्वर भोक्ता उर्फ नागेश्वर गंझू उर्फ नेशनल भुइयां उर्फ जीनियस है. उसका घर झीरमतकोमा, बारियातू लातेहार है. एसपी ने बताया कि वह माओवादियों का पांच लाख रुपये का इनामी सब जोनल कमांडर है. हालांकि उसके पास से कोई हथियार पुलिस को बरामद नहीं हुआ है.

11 मामले दर्ज हैं

एसपी ने बताया कि नागेश्वर भोक्ता पर लातेहार जिले के विभिन्न थानों में कुल 11 मामले 17 सीएलए एक्ट, यूएपीए व आर्म्स एक्ट की धाराओं में दर्ज है. इनमें नेतरहाट थाना में एक, गारू थाना में दो, बारेसांढ़ थाना में पांच और महुआडांड़ थाना में तीन मामले दर्ज हैं. उन्होंने बताया कि अन्य जिलों में भी इसके खिलाफ मामले दर्ज हैं. गारू व बारेसांढ़ और महुआडांड़ क्षेत्र में पुलिस के साथ हुई कई मुठभेड़ की घटनाओं मे नागेश्वर भोक्ता शामिल रहा है.

कांके में सरहुल पूर्व संध्या कार्यक्रम नौ को

कांके। सरना समिति कांके क्षेत्र के तत्वावधान में नौ अप्रैल को झारखंड स्तरीय सरहुल पूर्व संध्या नागपुरी सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. अध्यक्ष रंजीत टोप्पो, उपाध्यक्ष सोहराई टोप्पो, महासचिव बिनोद सांगा, सचिव डॉ. प्रकाश उरांव, सूरज टोप्पो, कोषाध्यक्ष देवा उरांव ने बताया रंगारंग कार्यक्रम से पहले सेमरटोली मौजा के पहान महादेव पहान पारंपरिक रूप से सरना मैदान में पूजा अर्चना करेंगे.संध्या चार बजे से रात 10.30 बजे तक झारखंड के मशहूर कलाकार कवि किशन, रूपा, पवन रॉय, नितेश कच्छप, अनीता बाड़ा, राजू केरकेट्टा, पंकज उरांव, राज मौर्य सहित अन्य कलाकारों द्वारा रंगारंग नागपुरी कार्यक्रम प्रस्तुति देंगे.क्षेत्र के सभी मौजा के सरना में 11 अप्रैल को सरहुल पूजा के बाद दोपहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जायगी. इस अवसर पर क्षेत्र के 102 गांव के खोड़हा पारंपरिक वेशभूषा में सरना मैदान कांके पहुंचेगे.

सिल्ली के मेघा मेकअप स्टूडियो में मेकअप कोर्स का शुभारंभ

सिल्ली/मुरी। सिल्ली टाटा मुख्य सड़क पर न्यू बुंडू रोड ओवरब्रिज के समीप मेघा मेकअप स्टूडियो एंड एकेडमी में मेकअप कोर्स का शुभारंभ किया गया. एकेडमी की संचालिका मेघा राय और वर्षा राय ने बताया कि कोर्स के अलावा ब्यूटी पार्लर की सारी सुविधाएं यहां पर कम खर्चों में उपलब्ध है. जैसे थ्रेडिंग, हेयर कटिंग, फेशियल, ब्राइडल मेकअप, ब्राइडल मेहंदी, हेयर स्पा, हेयर परमानेंट स्ट्रेटनिंग इत्यादि. साथ ही साथ महिलाओं के लिए विशेष पार्टी मेकअप की व्यवस्था भी एकेडमी में किया गया है जिससे यहां के ग्रामीण लाभान्वित हो सकेंगे.

कांके में महिलाओं के साथ मारपीट का मामला

पुलिस ने शफीक व अकीब मंसूरी को किया गिरफ्तार

संवाददाता। कांके

रांची पुलिस ने कांके में चोरी के आरोप में तीन महिलाओं और एक पुरुष के साथ क्रूरता पूर्वक मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है. कांके थाना की पुलिस ने इस घटना में शामिल दो आरोपियों शफीक मंसूरी और अकीब मंसूरी को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. वहीं पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है.

महिलाओं को बांधकर पीटा, फिर जूते की माला पहनाकर घुमाया : बता दें कि कांके थाना क्षेत्र के सुकुरहुटू में 25 मार्च की सुबह करीब 10 बजे एक ही परिवार की तीन महिलाओं और एक पुरुष के साथ अमानवीय ढंग से मारपीट की घटना सामने आयी थी. जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था. वीडियो के अनुसार, मारपीट के बाद महिलाओं को पूरे गांव में जूते की माला पहनाकर और मुंह पर कीचड़ लगाकर घुमाया गया था.

बड़ी दीदी ने हरियाणा जाने से मना किया तो छोटी बहन ने लगा ली फांसी

संवाददाता। लापुंग

बड़ी बहन ने बाहर जाकर काम करने से मना किया तो छोटी बहन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. यह घटना लापुंग थाना क्षेत्र के लालगंज गांव की है. शनिवार की सुबह पारिवारिक माहौल में आपसी बातचीत के दौरान इन्द्राणी कुमारी उर्फ रानी कुमारी ने कहा कि मुझे काम करने के लिए फिर से हरियाणा जाना है. तो बड़ी बहन राजमणी कुमारी ने कहा कि यहीं काम मिल जाएगा तो बाहर क्यों जाओगी ? मां बिरसी देवी और पिता सोमरा लोहरा ने भी बेटी को हरियाणा जाने से मना किया. लेकिन अंदर ही अंदर इन्द्राणी बहन की बात से नाराज़ हो गई. उसने घर के अंदर ही दोपहर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के आधे एक घंटे के बाद मां उसे बुलाने गई तो दरवाजा अंदर से बंद पाया. उन्होंने दरवाजा तोड़ कर अंदर प्रवेश किया तो देखा कि इन्द्राणी फांसी पर लटकी हुई है. घर में अफरा तफरी मच गई. आनन फानन में परिवार के लोगों ने इन्द्राणी को फांसी के फंदे से उतारा और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आए. यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की खबर मिलने पर कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष और पूर्व मुखिया जयंत बरला मौके पर अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली. पिता सोमरा लोहरा ने बताया कि उसकी बेटी शादी शुदा है. उसका शादी सोनमेर में कर दिया गया था. उसका एक बच्चा भी है. पति काम करने बाहर गया है. घटना की सूचना मिलने पर लापुंग पुलिस के पदाधिकारी कामेश्वर प्रसाद चौधरी एवं अरुण कुमार साहु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और शव को अपने कब्जे में ले लिया.

न्यूज अपडेट

मारांगकिरी गांव में सरहुल कार्यक्रम संपन्न

सोनाहातू। प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र के बारेंदा पंचायत के मारांगकिरी गांव में शाम को सरहुल संगीत नृत्य का आयोजन किया गया. गांव के पाहान जयसिंह मुंडा, मंगल मुंडा के द्वारा विधिवत रूप से पूरे विधिविधान के साथ पूजा किया गया. पूजा अर्चना के बाद पारम्पारिक परिधान एवं गाजे बाजे के साथ एक साथ सैकड़ों की संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने सरहुल के गानों में पारम्परिक नृत्य किये एवं दूर दूर से सरहुल कलाकारों ने पारम्परिक वाध्य गानों में खूब नृत्य किये. सरहुल नाच में सैकड़ों दर्शकों ने खुब आनन्द लिये. इस सरहुल कार्यक्रम में मौके पर गांव के ग्रामप्रधान मनसा सिंह मुंडा, वनमाली सिंह मुंडा,वेणीमाधव सिंह मुंडा, मेकय सिंह मुंडा, मंगल सिंह मुंडा, सुईलू सिंह मुंडा, जयसिंह मुंडा, समल सिंह मुंडा, शंकर सिंह मुंडा, मंगल मुंडा आदि एवं ग्रामवासियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिये.

विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखाये अपने हुनर

इटकी। प्रखंड के कुर्गी पंचायत अंतर्गत सेमरा स्थित जीजेएस पब्लिक स्कूल में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. प्रदर्शनी में स्कूली बच्चों ने वाटर हार्वेस्टिंग, विंड मिल पावरप्लांट, सोलर सिटी, इलेक्ट्रिसिटी कनवर्टर, मल्टी पर्पस फार्मिंग, हाइड्रो इलेक्ट्रिसिटी पावर प्लांट समेत कई मॉडल प्रदर्शित किए गए. सफल छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. इससे पूर्व कंप्यूटर लैब का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिनोद कुमार सिन्हा ने किया. मौके पर विद्यालय प्रधानाध्यापक चंद्रमणि कुमारी, जयश्री दास, मेधावरत दास, विराज तिर्की, सोनल कुमारी, रिची कुमारी, राधे ठाकुर, शंकर दास सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे.

पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ओरमांझी में स्वागत

ओरमांझी। पूर्व सांसद रामटहल चौधरी का रांची आने पर भव्य स्वागत किया गया. खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि पूर्व सांसद श्री चौधरी कांग्रेस में शामिल होने से रांची लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस की मजबूती होगी एवं इंडिया गठबंधन को पूरे झारखंड में इसका लाभ मिलेगा. बीजेपी से रांची के पूर्व सांसद रामटहल चौधरी के कांग्रेस में शामिल होने पर ओरमांझी कांग्रेस जनों में खुशी की लहर दौड़ गई. खिजरी विधायक राजेश कच्छप, रणधीर चौधरी पूर्व उप प्रमुख मुंतजिर अहमद रजा, विधायक के सलाहकार रमेश उरांव, रहीम अंसारी, तुलसी खरवार, सुरेश साहू, अनिल कुमार महतो, सेवा दल के महामंत्री सत्यनारायण शाह आदि कांग्रेस जनों ने पूर्व सांसद रामटहल चौधरी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है साथ ही कांग्रेस जनों ने हर्ष जताया.

सरहुल शोभायात्रा की तैयारी को लेकर हुई बैठक

चान्हो। प्रखंड के सॉस में सरहुल शोभा यात्रा की तैयारी को लेकर शनिवार को बैठक हुई. बैठक के दौरान सरहुल शोभा यात्रा की तैयारी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. बताया गया कि इस यात्रा में चान्हो के आसपास के इलाकों के अलावा कुडू से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं .इस दौरान ट्रैफिक व्यवस्था सुरक्षा व्यवस्था आदि को लेकर चर्चा की गई .साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि इस बार की सरहुल शोभा यात्रा में किसी भी पॉलीटिकल पार्टी को के नेता को नहीं बुलाया जाएगा. मौके पर झांको मुंडा ,महादेव उरांव, सुनील उरांव, सुमन उराव ,निधियां उरांव सहित भारी संख्या में सरहुल शोभा यात्रा समिति के लोग मौजूद थे.

एसबीयू और सीयूटीएम के बीच एमओयू

नामकुम। सरला बिरला विश्वविद्यालय और सेंचुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, भुवनेश्वर के बीच शुक्रवार को एमओयू हुआ. एसबीयू के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक और सीयूटीएम की कुलपति प्रो. सुप्रिया पटनायक ने भुवनेश्वर में एमओयू पर हस्ताक्षर किया. दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अब शोध, परामर्श, शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पहलुओं का आदान प्रदान होगा. इस अवसर पर सीयूटीएम परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सीयूटीएम की ओर से संस्था के डीन और विभिन्न विभागाध्यक्ष शामिल हुए. एसबीयू के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक ने इस अवसर पर आधुनिक विश्व में लगातार बदलती तकनीक के व्यापक इस्तेमाल की बात कही.

पहल

उषा मार्टिन ने तीन हजार से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराईं

नामकुम में स्वस्थ ग्रामीण से स्वस्थ गांव की पहल

संवाददाता। नामकुम

उषा मार्टिन फॉउंडेशन के माध्यम से टाटीसिलवे स्थित कारखाना के इर्द गिर्द के 18 गांवों में इस वित्तीय वर्ष में "स्वस्थ ग्रामीण से स्वस्थ गांव" की पहल चलायी गयी. शालिनी अस्पताल के सहयोग से पिछले साल में 3379 ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच एवं उनकी समस्याओं का समाधान किया गया, ताकि वे निरोग रह सके. यह जानकारी उषा मार्टिन फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने दी. उन्होंने बताया कि इन लाभुक में ढ़ाई हजार से अधिक जनजातीय समाज के लोगों को चलंत मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा प्रदान की गयी, ताकि उनको गांव एवं सुदूर वनप्रदेश में ही बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो सके. पिछले साल दो हजार लोगों का इलाज कराया गया था.

उषा मार्टिन फॉउंडेशन गांवों में अपनी पहुंच को बढ़ाने के लिए शालिनी अस्पताल को एक मोबाइल मेडिकल यूनिट दिया ताकि कम समय पर सुदूर वनप्रदेश के गांवों में पहुंचा जा सके. इस वर्ष गांवों में गरीब ग्रामीणों के आंखों के लिए सालोंभर अभियान चलाया गया. इसमें से चयनित 150 लोगों को निःशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराया गया तथा उनको चश्मा भी प्रदान किया गया. स्वास्थ्य अभियान के तहत चिन्हित गांवों मासू और महिलोंग गांवों के चयन का उद्देश्य किशोर में एनीमिया के खिलाफ अभियान चलाया है. इस अभियान का भी सार्थक परिणाम निकला है. उषा मार्टिन कंपनी के सहयोग से कारखाने के इर्द गिर्द के गांवों में इलाजरत टीबी के 20 मरीजों के बीच पोषण किट का वितरण किया गया.

खास बातें

- ढाई हजार जनजातीय लोगों तक पहुंची स्वास्थ्य सेवा
- 150 गरीब का मोतियाबिंद ऑपरेशन हुआ, चश्मा दिए
- टीबी व एड्स के मरीजों को भी सहयोग दिया गया
- शालिनी अस्पताल को एक मोबाइल मेडिकल यूनिट मिला

स्वस्थ जीवन के लिए जीवनशैली में सुधार का अभियान: प्रिया बागची

स्वस्थ जीवन के लिए गांव के लोगों के जीवन शैली में सुधार के लिए वैकल्पिक स्वस्थ सेवाओं को बढ़ावा दिया गया. आयुर्वेद के माध्यम से भारतीय चिकित्सा पद्धति को गांवों तक पहुंचा गया. उषा मार्टिन की प्रबंधक प्रिया बागची ने बताया कि गांवों में आयुर्वेदिक, एलोपैथिक के अलावा होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया. इसके अलावा इस साल योग के 11 सेशन में 900 ग्रामीणों को योग, प्राणायाम एवं आसन के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य का प्रशिक्षण गांव के स्कूल एवं पंचायत भवन में कराया गया.

डीएवी कपिलदेव में अभिभावकों के लिए समन्वयन कार्यक्रम का आयोजन

समय के अनुसार उद्देश्य बदलते रहते हैं : एमके सिन्हा

संवाददाता। रांची

डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल कडरू में शनिवार को नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी, कक्षा एक और दो के विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए समन्वयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी सह विद्यालय के प्राचार्य एमके सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इस अवसर पर प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि व्यक्ति को संस्कार घर से मिलते हैं, लेकिन विद्यालय में उसे और संस्कारित किया जाता है. समय, परिस्थिति और स्थान के अनुसार उद्देश्य बदलते रहते हैं. आज प्रतिस्पर्धा का युग है और इसमें सफल होने के लिए ''कंफर्ट जोन'' (सुविधा क्षेत्र) से बाहर निकलने की जरूरत है. उन्होंने अभिभावकों से भारत की गौरवमयी संस्कृति और संविधान की जानकारी देने का आग्रह किया.

डीएवी स्पोर्ट्स में अच्छा प्रदर्शन करनेवाले खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में हो सकेंगे शामिल

एम के सिन्हा ने बताया कि डीएवी स्पोर्ट्स को अब खेल और युवा मामले विभाग, भारत सरकार से सीधा संबंधन मिल गया है. अब डीएवी स्पोर्ट्स में अच्छा प्रदर्शन करनेवाले खिलाड़ी सीधे देश के लिए चुने जा सकेंगे. उन्होंने बताया कि डीएवी स्पोर्ट्स में गोल्ड मेडल जीतनेवाले खिलाड़ियों को 20 अप्रैल 2024 को महात्मा हंसराज दिवस के अवसर पर पानीपत में सम्मानित किया जाएगा. मौके पर एसके राणा, संजय सिंह, विनीता वर्मा, ज्योति समेत कई अन्य शिक्षक और अभिभावक मौजूद थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष किसी कार्य को करने से पहले अच्छा से सोच विचार कर लें. बहस करने से बचें. दिन मानसिक उलझन वाला होगा. कार्य व्यवसाय एवं नौकरी में रुकावटें होंगी. परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे.

वृषभ धन का आगमन होगा, पर जीवनसाथी से विवाद हो सकता है. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. काम-काज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं.

मिथुन मौसमी बीमारियों से बचाव की आवश्यकता है. किसी पुराने रोग का इलाज संभव है. साथ ही भाग्योदय संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है. अन्न दान करें.

कर्क संतान के कार्य से खुशी प्राप्त होगी. किया गया नया कार्य सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रहेगा.नवीन मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है. दूध का दान करें.

सिंह किसी महिला या अपरिचित से किसी बात को लेकर मानहानि हो सकती है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा. विवाद से दूर रहें.

कन्या रूखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. काम काज सामान्य रहेगा. परीक्षा एवं प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं. किसी से मन-मुटाव हो सकता है.

तुला काम काज सामान्य रहेगा. आज आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशाजनक हालात पैदा हो सकते है.परिवार या मित्र से मतभेद हो उत्पन्न हो सकते है. विवाद से बचें.

वृश्चिक दिन की शुरुआत खुशी और शांति से होगी. कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती है. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है. हनुमान जी का पूजा करें.

धनु खर्च में वृद्धि से मन खिन्न होगा. परिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. वाहन चलाते समय सावधानी बरतें.खर्चे में बढ़ोतरी होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. गुरु गायत्री मंत्र का जाप करें.

मकर कार्य योजना में विस्तार हो सकता है.कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा. काली वस्तु किसी गरीब को दान दें.

कुंभ कोई बड़ा कार्य होगा, जिसका उचित लाभ भी होगा. शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता एवं एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. किसी प्रकार के विवाद में ना पड़े. शनि को खुश करें.

मीन ससुराल से कोई शुभ समाचार मिलने का योग है. भाग्य का साथ मिलेगा. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. कामकाज में लाभ होगा. ससुराल से लाभ होगा.

2.41 एकड़ की सरकारी जमीन पर दोबारा शुरु हुआ अवैध निर्माण कार्य

संजीव मेहता। आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड 27 में करीब ढाई करोड़ की 2.41 एकड़ सरकारी जमीन को खरीद-फरोख्त का खेल छह वर्ष पूर्व से चल रहा था, जिसे भू माफियाओं ने प्लाटिंग कर आम लोगों को बेच दी थी. इसका खुलासा आरटीआई कार्यकर्ता रंजन दास के द्वारा जानकारी मांगे जाने पर हुई. जिसके बाद जून 2023 में तत्कालीन सीओ ने जमीन को कब्जामुक्त करने की कार्रवाई थी, लेकिन जमीन को खाली कराकर यूं ही छोड़ दिया गया. इसके बाद अब दोबारा भू माफिया इस जमीन को घेराबंदी कर अवैध निर्माण करवा रहे हैं. इस जमीन की खरीद-फरोख्त की बातें इन दिनों आदित्यपुर में चर्चा का विषय बना हुआ है.

क्या है मामला : बता दें कि आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड 27 में रेलवे कॉलोनी से सटे 2.41 एकड़ सरकारी जमीन है. जिसपर इच्छापुर के भू माफियाओं ने करीब 30 वर्षों से अवैध कब्जा कर रखा था. अब इसी अवैध दखल का हवाला देकर भू माफिया आम लोगों को करोड़ों के भाव में जमीन बेच दी है तथा इस भूखंड पर अब धड़ल्ले से अवैध निर्माण कार्य जारी है. आरटीआई और सामाजिक कार्यकर्ता रंजन दास द्वारा अंचलाधिकारी गम्हरिया से दोबारा शिकायत की गई है. लेकिन पुलिस प्रशासन मौन है. बताया जा रहा है कि इसमें अंचल कार्यालय की शह है, जिसकी वजह से यह कार्य धड़ल्ले से जारी है. साथ ही बचे हुए जमीन की प्लाटिंग कर उसे बेचा जा रहा है.

प्रशासन मौन, भू माफियाओं की चांदी

शिकायतकर्ता रंजन दास बताते हैं कि 48 खाते की प्लॉट नंबर 1126, 1127, 1128 और 1129 को अवैध कब्जा दिखाकर भू माफिया अंचल कार्यालय की शह पर जमीन की प्लाटिंग कर उसे बेच रहे हैं. वर्ष 2023 में तत्कालीन अंचलाधिकारी द्वारा अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया था, लेकिन मौजूदा अंचल प्रशासन इस बात से मौन है और भू माफियाओं की चांदी है.

शुभम संदेश और लगातार.इन की पहल : क्या कहते हैं फर्स्ट टाइम वोटर....

शिक्षित, ईमानदार और निडर हाथों में हो देश की शासन व्यवस्था

लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड के युवा मतदाताओं में काफी उत्साह है। राज्य के 2233738 युवा लोकसभा चुनाव में पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इन्हीं युवाओं का वोट देश और राज्य का भविष्य तय करेगा। राजनीतिक दल और उम्मीदवार इन युवाओं का वोट अपने पाले में करने के लिए तरह-तरह की रणनीति बना रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार समेत कई मुद्दों को लेकर युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन आज का युवा जाग चुका है। युवा मतदाता जागरूक हो चुके

हैं। अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझते हैं। पहले ये उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को देखेंगे। उन्हें परखेंगे। जो उनकी कसौटी में खरा उतरेगा उसे अपना वोट देने का फैसला लेंगे। युवा वोटरों की चुनाव और देश की राजनीति को लेकर क्या राय है। हमने अपने सहयोगी न्यूज पोर्टल लगातार डाट इन में युवाओं की राय मांगी थी। सैकड़ों युवाओं ने हमें अपनी राय भेजी है। युवाओं की सोच उनके नजरिए को हम दैनिक शुभम संदेश में प्रकाशित कर रहे हैं।

धर्म और जाति के नाम पर भेदभाव नहीं होना चाहिए : खेमलाल महतो

देश की शासन व्यवस्था ऐसे लोगों के हाथ में होनी चाहिए जो शिक्षित, ईमानदार और निडर हो. जो देश के सभी वर्ग किसान,

जवान, मजदूर, व्यापारी सभी लोगों को एक साथ लेकर चले. धर्म और जाति के नाम पर भेदभाव न हो. शिक्षा, स्वास्थ्य और न्यायपालिका पूरी तरह मुफ्त हो. सभी को समान रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय सुविधा मिले. देश की अर्थव्यवस्था तभी सुधरेगी, जब देश का पैसा देश में रहेगा और देश का हर एक व्यक्ति अडानी-अंबानी के बराबर होगा.

केंद्र व राज्य सरकार हर वर्ग को एक नजरिए से देखे: सद्दाम हुसैन

केंद्र और राज्य की सरकार से आग्रह है कि समाज के सभी वर्गों को एक नजरिए से देखें. एजुकेशन,

बेरोजगारी, नौकरी, महंगाई और गरीबी पर बात होनी चाहिए. समाज के सभी वर्ग का विकास होना चाहिए. सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबको मिले. सड़क, बिजली, पानी, रोजगार और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं हर गांव-मुहल्ले तक पहुंचे.

मैं किसी भी कीमत पर ईवीएम पर वोटिंग नहीं करना चाहता हूं: मनीष

मैं ईवीएम पर वोटिंग नहीं करना चाहता हूं. मैंने ईवीएम पर वोट की चोरी का वीडियो देखा है. मैं बैलेट पेपर पर

अपना वोट डालना चाहता हूं. हमें 5 साल बाद वोटिंग करने का मौका मिलता है. जब हम पांच साल तक इंतजार कर सकते हैं, तो इलेक्शन कमीशन वैलेट पेपर पर इलेक्शन करा कर काउंटिंग कराये. इसमें जो भी टाइम लगता है लगे, हम इंतजार कर लेंगे .हमारा वोट अमूल्य है.

हम सब आदिवासियों को एकजुट हो प्रत्याशी चुनना है : लखींद्र बेदिया

इस बार लोकसभा ओर विधानसभा दोनों ही चुनाव में हम सब आदिवासियों को एकजुट होना है. हमें ऐसे

ऐसा उम्मीदवार चुनना है, जो राज्य के आदिवासियों को आने वाले खतरे से बचा सके. हमें ऐसा उम्मीदवार चुनना होगा, जो आदिवासियों की जल, जंगल और जमीन की रक्षा कर सके. हमारी सभ्यता और संस्कृति की रक्षा कर सके और हमें विकास की राह पर ले जाए.

सभी को अच्छी शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा मिले : राहुल कुमार सिंह

मैं धनबाद लोकसभा क्षेत्र से हूं. धनबाद को झारखंड की आर्थिक राजधानी के रूप में जाना जाता है.

लगातार कोयला खनन के कारण यहां से राज्य और देश को भारी राजस्व मिल रहा है, लेकिन ये कोयला बहुत से क्षेत्र को खोखला भी करता जा रहा है. लोग मजबूरी में विस्थापित हो रहे हैं. प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है, जिसका समाधान होना चाहिए. सभी को अच्छी शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा मिलनी चाहिए.

क्या सिर्फ सड़कें और मंदिर बनाने से देश का विकास होगा : रोहित कुमार डे

सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार है, जो देश में कभी खत्म नहीं होगा. कहते हैं देश विकास कर रहा है, लेकिन

क्या सिर्फ सड़कें और मंदिर बनाने से देश का विकास होगा. सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर कैसा है, सबको पता है. किसानों की हालत किसी से छिपी नहीं है. कर्ज लेने वाले किसान आत्महत्या के लिए मजबूर होते हैं, जबकि अमीरों का करोड़ों का लोन माफ कर दिया जाता है.

हटिया में पांच लाख मतदाता, पर पेयजल संकट गहराया: प्रेम कुमार

रांची लोकसभा के हटिया निर्वाचन क्षेत्र में 5 लाख मतदाता हैं. यह बहुत बड़ा क्षेत्र है .यहां पेयजल की

समस्या काफी बड़ी है. पाइपलाइन बिछा तो दी गयी है, लेकिन पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है. गंगा नगर, विद्यानगर, हरमू, यमुना नगर, मधुकम समेत कई मुहल्लों में पानी के लिए त्राहिमाम होता है. जनप्रतिनिधि आते हैं, आश्वासन देते हैं, लेकिन कुछ नहीं होता.

मुफ्त की रेवड़ियां युवाओं को लाचार बना सकती हैं : सुमित सिंह

झारखंड प्रदेश में 22 लाख नए युवा वोटर तैयार हैं. पहली बार वोट देने जा रहे युवाओं से अपील है कि आप

अपनी समझ के आधार पर वोट का फैसला करें. यह आपका मौलिक अधिकार है. युवा को अपने भविष्य और राष्ट्रहित में वोट करना सुनिश्चित करना चाहिए. शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करने वालों को ही वोट करें. मुफ्त की रेवड़ियां युवा को लाचार बना सकती हैं.

तस्वीर बदलने के लिए अच्छी सरकार चुनना चाहिए : सागर प्रजापति

कोई भी चुनाव हमारे देश और राज्य के भविष्य का निर्माण करता है. साथ ही साथ हमारा और हमारे परिवार का भविष्य कैसा होगा, यह भी चुनाव पर निर्भर करता है. पिछले कुछ वर्षों से सत्ता पक्ष की निष्क्रियता के कारण युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो चुका है. अंधी और बहरी सरकार केवल अपना और अपने चापलूसों का जेब भरना चाहती है. देश, राज्य और समाज की तकदीर और तस्वीर बदलने के लिए हमें अच्छी सरकार चुनना चाहिए.

एसपी, डीआईजी और डीजीपी को दिया गया आवेदन, पुलिस रही मौन

त्रिवेणी-सैनिक के निदेशकों पर शिकायतवाद दर्ज

संवाददाता। हजारीबाग

भारत सरकार की महारत्न कंपनी एनटीपीसी की पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना के एमडीओ त्रिवेणी-सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड के परियोजना प्रमुख बी प्रभाकरण, निदेशकों सहित अन्य पर 85 लाख रुपये के गबन, धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए कैलाश साव द्वारा कोर्ट शिकायतवाद दायर कराया गया है. अधिवक्ता पवन यादव और अनिरुद्ध कुमार की बहस सुनने के बाद ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट सृष्टि कुमारी के कोर्ट ने मामले को एडमिट कर लिया है. इससे पूर्व डाडी ओपी में मामले की शिकायत की गयी थी, लेकिन कार्रवाई नहीं किए जाने पर जुगरा विस्थापन समिति के अध्यक्ष कैलाश साव द्वारा हजारीबाग के एसपी, डीआईजी, डीजीपी से भी मामले की शिकायत की गयी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई.

85 लाख बकाये में से 23 लाख का चेक देकर धोखे से लिया वापस

शिकायतकर्ता कैलाश साव ने अपने शिकायतवाद में कहा है कि वर्ष 2018 में जुगरा विस्थापन समिति के साथ त्रिवेणी-सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट हेड

के साथ एक एकरारनामा हुआ. इसमें सड़क मार्ग से कोयला ट्रांसपोर्टेशन के लिए प्रदूषण रोकऐ के उपाय करने के लिए पांच लाख रुपये प्रति महीना भुगतान करने की सहमति बनी थी. इसके बाद कंपनी ने वर्क ऑर्डर भी दिया था. कुछ महीनों तक राशि का भुगतान किया गया, उसके बाद काम भी लिया गया और भुगतान भी नहीं किया गया. त्रिवेणी सैनिक कंपनी की तरफ से 10 लाख और 13 लाख रुपये का भुगतान चेक के माध्यम से किया गया, लेकिन चेक कैश नहीं हो सका.

विधायक के हस्तक्षेप के बाद भुगतान रुका

बताया जाता है कि एनटीपीसी को सड़क मार्ग से कोयला ट्रांसपोर्टेशन कई गांवों से होकर होता था, जिससे प्रदूषण फैलता था. जुगरा के ग्रामीणों ने इसका विरोध किया. काम बाधित होने पर त्रिवेणी-सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड ने ग्रामीणों के साथ समझौता किया और पांच लाख महीना देने पर सहमति जतायी. बाद में प्रदूषण के नाम पर एक विधायक के हस्तक्षेप और सड़क से कोयला परिवहन में दखल देने के बाद जुगरा विस्थापित समिति का भुगतान कंपनी ने रोक दिया.

प्रोजेक्ट हेड सहित इन निदेशकों को बनाया आरोपी

- जुगरा विस्थापन समिति के अध्यक्ष कैलाश साव दायर शिकायतवाद में तत्कालीन प्रोजेक्ट हेड सुब्रमण्यम स्वामी, निदेशक
- कुलदीप सिंह सोलंकी, ब्रितपाल संधु, सिद्धार्थ जैन, बालासुब्रमण्यम प्रभाकरण, बालासुब्रमण्यम कार्तिकेयन, कार्तिकेश्वर, हिम्मत सिंह
- बेदला आदि को आरोपी बनाया गया है.

कोडरमा में अन्नपूर्णा को चुनौती देंगे माले विधायक विनोद सिंह

रवि भारती। रांची

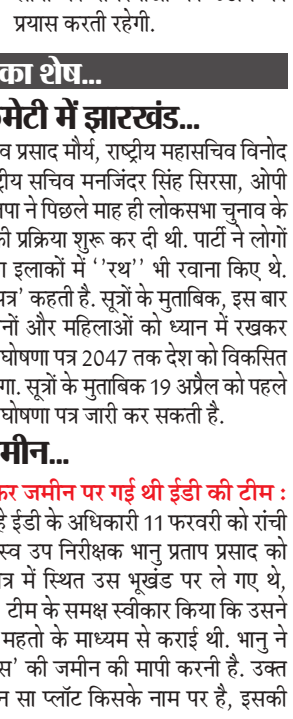

भाकपा माले के विधायक विनोद सिंह कोडरमा संसदीय सीट से चुनाव लड़ेंगे. पार्टी ने शनिवार को इसकी घोषणा कर दी. भाकपा माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने बताया कि विनोद सिंह के नाम पर इंडिया अलायंस ने मुहर लगा दी है. उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही भाकपा माले ने घोषणा पत्र भी जारी कर दिया है.बताते चलें कि विनोद सिंह फिलहाल बगोदर से भाकपा माले से विधायक हैं. उनकी बेहतर छवि को देखते हुए पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार बनाने की घोषणा की है. कोडरमा लोकसभा सीट पर उनका मुकाबला भाजपा प्रत्याशी और वर्तमान सांसद व केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से होगा.

दलितों, मजदूरों और पिछड़ों की बनेंगे आवाज : मनोज भक्त ने कहा कि पिछले कई दशकों से कोडरमा में मजदूरों, दलितों और पिछड़ों की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है. भारतीय जनता पार्टी एक दशक से अधिक समय से कोडरमा लोकसभा का नेतृत्व कर रही है, लेकिन वहां के कार्यकर्ता आज भी दर-दर भटकने को मजबूर हैं. जब उनके उम्मीदवार जीतकर लोकसभा पहुंचेंगे तो वे निश्चित रूप से कोडरमा के मजदूरों और मूल निवासियों की समस्याओं को उठाएंगे. भाकपा- माले कोडरमा क्षेत्र के हर समाज और हर वर्ग के लोगों की समस्याओं को उठाने का प्रयास करती रहेगी.

खास बातें

- दलितों, मजदूरों और पिछड़ों की बनेंगे आवाज : मनोज
- इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी होंगे विनोद,

सहयोग करें, तो चुनाव लड़ सकता हूं : सरयू राय

संनाददाता। झरिया (धनबाद)

झरिया पहुंचे जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय

दामोदर बचाओ अभियान के प्रणेता, पर्यावरण योद्धा, सह जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय शनिवार को झरिया में अपने समर्थकों से मुलाकात की. इस दौरान विधायक सरयू राय का झरिया के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया. लोगों ने एक स्वर में कहा कि धनबाद में सरयू राय जैसे नेता की जरूरत है. इस दौरान झरिया के पर्यावरण की स्थिति, सामाजिक एवं राजनीतिक हालातों पर चर्चा की. सरयू राय ने कहा कि कोयलांचल में पर्यावरण की स्थिति बिगड़ी है और इसके पीछे भ्रष्टाचार जिम्मेवार है. मैं 2004 से दामोदर बचाओ पर काम कर रहा हूं. आज दामोदर नदी की स्थिति सुधर गई है, साफ हो गई है, किंतु बीसीसीएल के अकर्मण्यता के कारण इसे पुनः प्रदूषित किया जा रहा है. धनबाद में प्रदूषण, भूमिगत आग, भू-धंसान, विस्थापन एवं अन्य ज्वलंत समस्याओं को लेकर लोग त्रस्त हैं और उनके पुकारने पर मुझे यहां आने पर विवश होना पड़ा. मैंने यहां के पर्यावरण संरक्षण पर कार्य किया हूं और इसे बचाने के लिए आगे भी कार्य करता रहूंगा.

आग्रह पर यहां आना पड़ा : विधायक सरयू राय ने कहा कि जमशेदपुर में 2019 में जो राजनीतिक हालात थे, वहीं हालात आज धनबाद की राजनीतिक में उत्पन्न हो गये हैं. अतः मुझे धनबाद के लोगों के आग्रह पर यहां आना पड़ा. यदि धनबाद के लोग तन मन धन से मुझे सहयोग करने की मंशा रखते हैं तो मैं चुनाव लड़ने के विषय में सोच सकता हूं. सरयू राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को यहां के लोकसभा उम्मीदवार के चयन पर पुनः विचार करना चाहिए, नहीं तो आने वाले समय में धनबाद के लोग उन्हें माफ नहीं करेंगे. उन्होंने कहा कि भाजपा के अलावा अन्य पार्टियों से भी मैंने बात की है और कहा है कि धनबाद की स्थिति को देखते हुए स्वच्छ छवि के उम्मीदवार को मैदान में उतारें, तभी स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है.

वीमेंस स्विमिंग सीजन में कात्यायनी ने झटके दो रजत

जमशेदपुर। नेताजी सुभाष पब्लिक स्कूल पोखारी में अध्ययनरत दसवीं कक्षा की छात्रा कात्यायनी सिंह ने संस्थान समेत लौहनगरी को गौरवान्वित किया है. बिहार के पटना में आयोजित खेलो इंडिया वीमेंस स्विमिंग सीजन 2023 (राउंड- 2) प्रतियोगिता के पहले ही दिन कात्यायनी ने दो रजत पदक हासिल कर स्कूल के साथ राज्य का भी नाम रोशन किया है. कात्यायनी के इस उपलब्धि पर नेताजी सुभाष संस्थान के प्रबंध निदेशक मदन मोहन सिंह ने उसे बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है. बताया कि नेताजी सुभाष संस्थान अपने छात्र-छात्राओं के केवल शैक्षणिक ही नहीं बल्कि बौद्धिक प्रतिभा को भी निखारने की दिशा में सतत प्रयत्नशील रहता है. उन्होंने कात्यायनी को संस्थान का रोल मॉडल बताते हुए दूसरे बच्चों को भी उससे प्रेरणा लेने की सीख दी.

पेज एक का शेष...

भाजपा की मैनिफेस्टो कमेटी में झारखंड...

वहीं, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, राधामोहन दास अग्रवाल, राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा, ओपी धनखड़, अनिल एंटनी शामिल हैं. भाजपा ने पिछले माह ही लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी. पार्टी ने लोगों से सुझाव मांगने के लिए अलग-अलग इलाकों में ''रथ'' भी रवाना किए थे. भाजपा अपने घोषणा पत्र को 'संकल्प पत्र' कहती है. सूत्रों के मुताबिक, इस बार का घोषणा पत्र गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है. पार्टी का इस बार का घोषणा पत्र 2047 तक देश को विकसित बनाने की 'योजना' पर भी आधारित होगा. सूत्रों के मुताबिक 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान से पहले पार्टी अपना घोषणा पत्र जारी कर सकती है.

बरियातू की 8.5 एकड़ जमीन...

राजस्व उप निरीक्षक भानु को लेकर जमीन पर गई थी ईडी की टीम : जमीन घोटाला मामले की जांच कर रहे ईडी के अधिकारी 11 फरवरी को रांची के बड़गाईं अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद को भौतिक सत्यापन के लिए बरियातू क्षेत्र में स्थित उस भूखंड पर ले गए थे, जिसकी जांच चल रही है. भानु ने ईडी टीम के समक्ष स्वीकार किया कि उसने इसी जमीन की मापी अमीन शशिंदर महतो के माध्यम से कराई थी. भानु ने बताया कि उसे कहा गया था कि 'बॉस' की जमीन की मापी करनी है. उक्त जमीन कुल 12 प्लॉट में बंटी है. कौन सा प्लॉट किसके नाम पर है, इसकी जानकारी भी उसने ईडी को दी थी.

ईडी ने साढ़े पांच हजार पन्नों की प्रॉसिक्यूशन कंप्लेन कोर्ट में जमा की: झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ दर्ज लैंड स्कैम के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग के केस में केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दाखिल कर दी है. शनिवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) के विशेष कोर्ट में ईडी के अधिकारियों ने प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दाखिल की है. लगभग साढ़े पांच हजार पन्नों की प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) जमा की गई है, जिसमें कोर्ट को यह विस्तृत जानकारी दी गई है कि लैंड स्कैम के जरिये हुए मनी लॉन्ड्रिंग में किसकी क्या भूमिका है. ईडी ने जो पीसी दायर की है, उसमें हेमंत सोरेन के साथ बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद, आर्किटेक्ट् विनोद सिंह, हिलेरियस कच्छप और राजकुमार पाहन का नाम शामिल है.

प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन पर कोर्ट शीघ्र ले सकता है संज्ञान : ईडी की प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) पर कोर्ट जल्द ही संज्ञान ले सकता है. 21 मार्च को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पीएमएलए कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया था. इसके बाद कोर्ट ने 5 अप्रैल तक उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ा दी है. हेमंत सोरेन फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में हैं.

31 जनवरी की रात ईडी ने सीएम को किया था गिरफ्तार : बता दें कि तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस्तीफा देने के बाद मनी लैंड स्कैम मामले में 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार कर लिया गया था. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लैंड स्कैम से जुड़े मामले में सात घंटे से ज्यादा देर तक की गयी पूछताछ के बाद हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था.

कार्रवाई पुलिस मिनी पंजाब होटल से लेकर घटना स्थल तक के सीसीटीवी की कर रही है जांच

ज्योति अग्रवाल हत्याकांड मामले में एसआईटी का हुआ गठन

रोहित कुमार। जमशेदपुर

जमशेदपुर से सटे चांडिल थाना अंतर्गत टेंथ माइल स्टोन के पास शुक्रवार की रात अपराधियों ने कारोबारी रवि अग्रवाल की पत्नी ज्योति अग्रवाल (39) की गोली मारकर हत्या कर दी थी. इधर, घटना के बाद मामले के उद्भेदन के लिए सुनिल कुमार रजवार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया है. जिसमें अंचल निरीक्षक अजय कुमार, चांडिल थाना प्रभारी, कपाली थाना प्रभारी और चौका थाना प्रभारी को शामिल किया गया है. जांच में जमशेदपुर पुलिस का भी सहयोग लिया जा रहा है. पुलिस भिलाई

सीतारामडेरा थाना प्रभारी पर गिर सकती है गाज

अपराधियों ने ज्योति अग्रवाल को मारी थी गोली

पहाड़ी स्थित मिनी पंजाब होटल से लेकर घटना स्थल तक के सीसीटीवी की जांच कर रही है.

पति की गतिविधि भी जांच के घेरे में : पति रवि की गतिविधि भी जांच के घेरे में है. रवि के अनुसार, अपराधी दो की संख्या में आए और बंदूक सटा दी. अपराधियों ने पहले उसपर गोली चलाई पर पिस्टल लॉक हो गई. वहीं, ज्योति पर चलाई गई गोली उसके सिर पर लग गई. ज्योति को टीएमएच पहुंचाया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. इधर, शनिवार दोपहर ज्योति के शव का पोस्टमार्टम किया गया. पोस्टमार्टम हाउस में भी यह संशय बना हुआ था कि शव मायके पक्ष लेकर जाएगा या ससुराल पक्ष. अंत में शव को ससुराल पक्ष ले गए और शव का अंतिम संस्कार किया. मामले को लेकर अब तक किसी तरह की लिखित शिकायत नहीं की गई है.

रवि व ज्योति के बीच संबंध सही नहीं थे: मायका पक्ष

मायके पक्ष के लोगों का कहना है कि रवि और ज्योति के बीच के संबंध सही नहीं थे. कई बार रवि ने ज्योति के साथ मारपीट भी की थी, जिसकी शिकायत ज्योति करती थी. इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच बैठक कर समझौता भी किया गया था, बावजूद इसके आये दिन मारपीट की घटना जारी रही. वहीं, पति रवि का कहना है कि ज्योति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, इसलिए वह अक्सर मारपीट करती रहती थी. ज्योति का इलाज भी चल रहा था.

मामले की तहकीकात की जा रही

मारवाड़ी समाज में आक्रोश

ज्योति हत्याकांड मामले को लेकर मारवाड़ी समाज के लोग शनिवार को जमशेदपुर एसएसपी किशोर कौशल को ज्ञापन सौंप हत्यारों के गिरफ्तारी की मांग की है. वहीं, दूसरी ओर शनिवार को सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक बैठक हुई, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि जिला प्रशासन अगर

72 घंटे में हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं करती है तो सभी कारोबारी जमशेदपुर बंद का आह्वान कर सकते है. बैठक में मुख्य रूप से चेंबर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका, पूर्व अध्यक्ष अशोक भालोयटिया समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे.

शहर में विधि व्यवस्था चरमरा गई है : मुकेश

मारवाड़ी समाज के मुकेश मित्तल ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस घटना से साफ जाहिर है कि शहर की विधि-व्यवस्था चरमरा गई है. उन्होंने कहा कि एसएसपी से मिलकर मामले में हत्यारों के गिरफ्तारी की मांग की गई है.

सच्चे संपूर्णानंद बनो, अब मूर्ख बनो, मतिमंद बनो!

कविता कलम
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मूर्ख दिवस की पूर्व संध्या पर संसार के सभी मूर्खों को इस लघुतम मूर्ख का सादर प्रणाम. मैं उन्हें दंडवत प्रणाम करता हूं, जो मूर्ख होकर भी स्वयं को बुद्धिमान समझते हैं. जैसा कि आप जानते हैं कि साल में एक बार '32 मार्च' (जिसे छोटे से लेकर भीमकाय मूर्ख तक पहली अप्रैल या मूर्ख दिवस कहते हैं) हमारे आपके जैसे मूर्खों के लिए एक दिन आता है और हमें गौरवान्वित कर जाता है. सालों भर पूरी दुनिया तथाकथित बुद्धिमानों को सम्मान देती है, लेकिन मूर्खों को गधा समझ कर भी उसके आगे घास नहीं डालती. हालांकि मूर्ख बुद्धिमानों के लिए बड़े ही काम की चीज हुआ करते हैं. कहावत है कि जबतक इस संसार में मूर्ख रहेंगे, बुद्धिमानों के लिए दुर्भिक्ष नहीं आ सकता. ये मूर्ख ही हैं, जो अपनी अथक मूर्खता की बदौलत बुद्धिमानों को पालते हैं. यह ऐसा पवित्र दिवस है, जिसे लघुरथी से लेकर महारथी तक पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाते हैं, एक दूसरे को उल्लू बनाते हैं और आनन्द के सागर में गोते लगाते हैं. मूर्ख दिवस का महत्व देव, दानव, ऋषि-मुनि, नाग, यक्ष, गंधर्व आदि सबों ने समझा है. हिंदी साहित्य में हास्य रसावतार कवि काका हाथरसी, गोपाल प्रसाद व्यास, हरिशंकर परसाई, शैल चतुर्वेदी, हुल्लड़ मुरादाबादी, ओम प्रकाश आदित्य, अल्हड़ बीकानेरी जैसे महामनीषी साहित्यकार मूर्खों को भरपूर सम्मान देने के नाम पर सबको मूर्ख बनाते रहे हैं. इसी क्रम में याद आ रही है स्वनामधन्य साहित्यकार **गोपाल प्रसाद व्यास** की यह सुप्रसिद्ध कविता, जिसमें बड़े प्यार से मूर्ख बनने की सलाह दी गयी है.

बन चुके बहुत तुम ज्ञानचंद, बुद्धिप्रकाश, विद्यासागर?
पर अब कुछ दिन को कहा मान,
तुम लाला मूसलचंद बनो! अब मूर्ख बनो, मतिमंद बनो!
यदि मूर्ख बनोगे तो प्यारे, दुनिया में आदर पाओगे.
जी, छोड़ो बात मनुष्यों की, देवों के प्रिय कहलाओगे!
लक्ष्मीजी भी होंगी प्रसन्न, गृहलक्ष्मी दिल से चाहेंगी.
हर सभा और सम्मेलन के अध्यक्ष बनाए जाओगे!
पढ़ने-लिखने में क्या रक्खा, आंखें खराब हो जाती हैं.
चिंतन का चक्कर ऐसा है, चेतना दगा दे जाती है.
इसलिए पढ़ो मत, सोचो मत, बोलो मत, आंखें खोलो मत,
तुम अब पूरे स्थितप्रज्ञ बनो,
सच्चे संपूर्णानन्द बनो, अब मूर्ख बनो, मतिमंद बनो!

आशा है, आप पर भी इनकी इस रचना का सकारात्मक प्रभाव पड़ा होगा. गोपाल प्रसाद व्यास हिंदी साहित्य के मूर्धन्य व्यंग्यकार के रूप में मूर्खों से लेकर मानियों और ज्ञानियों तक को हंसाते रहे हैं. हास्य रस के इस सितारे को मैं पुण्यस्मरण के साथ श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं. हिंदी साहित्य में जब हास्य रस की बात निकलती है तो हास्य सम्राट कवि **काका हाथरसी** का स्मरण स्वाभाविक रूप से हो जाता है, जिन्होंने एक ऐसे देश की कल्पना की थी, जिसमें राजा से लेकर प्रजा तक सभी मूर्ख हों. उन्होंने अपने उस काल्पनिक देश का नाम मूर्खिस्तान रखा था. आइए, देखते हैं काका के सपनों का मूर्खिस्तान देश.

स्वतंत्र भारत के बेटे और बेटियो!
माताओ और पिताओ आओ, कुछ चमत्कार दिखाओ.
नहीं दिखा सकते ? तो हमारी हां में हां ही मिलाओ.
हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान
मिटा देंगे सबका नामो-निशान, बना रहे हैं-नया राष्ट्र 'मूर्खिस्तान'
आज के बुद्धिवादी राष्ट्रीय मगरमच्छों से
पीड़ित है प्रजातंत्र, भयभीत है गणतंत्र, इनसे सत्ता छीनने के लिए
कामयाब होंगे मूर्खमंत्र-मूर्खयंत्र, कायम करेंगे मूर्खतंत्र.
हमारे मूर्खिस्तान के राष्ट्रपति होंगे- तानाशाह ढपोलशंख
उनके मंत्री (यानी चमचे) होंगे-
खट्टासिंह, लट्ठासिंह, खाऊलाल, झपट्टासिंह
रक्षामंत्री-मेजर जनरल मच्छरसिंह
राष्ट्रभाषा हिंदी ही रहेगी, लेकिन बोलेंगे अंगरेजी.
अक्षरों की टांगें ऊपर होंगी, सिर होगा नीचे,
तमाम भाषाएं दौड़ेंगी, हमारे पीछे-पीछे.
हमारे होंगे पांच 'चकार'-चाकू, चप्पल, चाबुक, चिमटा और चिलम.
इनको देखते ही भाग जाएंगी सब व्याधियां
मूर्खतंत्र-दिवस पर दिल खोलकर लुटाएंगे उपाधियां
मूर्खरत्न, मूर्खभूषण, मूर्खश्री और मूर्खानंद.

न भूतो न भविष्यति- अपने शब्दों के हाव-भाव से पाठकों और श्रोताओं को खिलखिलाने पर मजबूर कर देने वाले कवि काका हाथरसी पर यह कहावत सटीक बैठती है. जीवन भर तो लोगों को हंसाते ही रहे, निधनोपरांत भी लोगों को हंसा रहे हैं. इन्हीं के समकक्ष हास्य रस के पकौड़े तलने में माहिर रहे हैं कवि **शैल चतुर्वेदी**. हास्य कविताओं से शौक रखनेवालों को इनका विशेष परिचय देने की आवश्यकता नहीं होती. स्वयं कष्ट में रह कर भी लोगों को बेधड़क हंसाते रहे. इन्होंने अपनी अर्द्धांगिनी के साथ इस प्रकार अप्रैल फूल मनाया-

एक दिन सकारे, घर पर हमारे, मच गया हंगामा
कहने लगी बच्चों की मां- "रखना याद
दस दिन बाद यानी एक अप्रेल को
अपनी वर्षगांठ मनाऊंगी, मिठाई बाजार से आएगी
नमकीन घर में बनाऊंगी और सुनो!
हमारे भैया को दे दो तार, वे चार दिन पहले आएं
भाभी व अम्मा को साथ लाएं सुख-दुख में
अपने ही साथ न देंगे तो घर गृहस्थी के काम कैसे चलेंगे
पप्पू की बुआ को एक दिन पहले पत्र डालना
और लिखना- "अकस्मात कल रात
वर्षगांठ मनाने की बात हो गई है
तुम न आ सकोगी इस बात का दुख है, तुम्हीं सोचो!
उनको बुलाकर भी क्या करोगे इस दड़बे में
किस-किस को भरोगे, वे आएंगी
तो बच्चो को भी लाएंगी और सुनो,
एडवांस की अर्जी दे आना लोगों का क्या है
कहते हैं-"दारू पीता है.
मगर लेडीज कपड़े तो गज़ब के सीता है
पचास बरस की बुढ़िया दिखने लगती है गुड़िया
अब तक खूब बनी आगे नहीं बनूंगी, साड़ी और ब्लाउज नहीं पहनूंगी
युग बदल गया है फैशन चल गया है
तंग सलवार हो, रंग व्हाईट हो, स्लीवलैस कुर्ता हो
नीचा और टाइट हो, चोटियों का रिवाज भी हो गया पुराना
आजकल है जूड़ों का जमाना, बाजार में बिकते हैं
नकली भी असली दिखते हैं एक तुम भी ले आना
तैयार ना मिले तो आर्डर दे आना, कपड़े बच्चों के लिए सिलेंगे
वर्ना पुराने कपड़ों में, अपने नहीं, पराए दिखेंगे."

हास्य रस के ऐसे महारथी आज सदेह हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन अपनी लोकप्रिय रचनाओं के साथ वे अपने श्रोताओं और पाठकों के बीच अमर हैं. उन्हें मेरी ओर से श्रद्धांजलि. फिर उसी प्वाइंट पर वापस लौटते हैं. मूर्खों का दिवस बस कल ही है. सावधान रहिएगा, वर्ना कोई मूर्ख बना कर चला जाएगा और मुस्करा कर कह देगा-अप्रैल फूल मनाया....! रांची के गीतकार और हास्य कवि **प्रवीण परिमल** की इस कविता में कुछ ऐसी ही दुर्घटना के रोचक प्रसंग का बखान किया गया है. कविता के शीर्षक 'कृपा' में ही अप्रैल फूल ध्वनित हो रहा है.

मेरे एक मित्र हैं, जिनकी आदतें कुछ
विचित्र हैं!
एक दिन उनके घर एक शुभ कार्य संपन्न हुआ
यानी उनकी पत्नी को एक लड़का उत्पन्न हुआ!
मुझे जब यह ज्ञात हुआ कि मैं बाज़ी में उनसे परास्त हुआ
तो बधाई देने उनके घर जा पहुंचा जाकर बोला --
मुबारक हो, बहुत तंदुरुस्त लड़का हुआ है!
ज़वाब में, बिना कुछ सोचे-समझे विनम्रतावश वो बोल पड़े ---
सब आपकी कृपा है, सब आपकी दुआ है.

अप्रैल फूल डे अगर आता है तो इसे आना चाहिए. तनाव में रहनेवाले दुखी जनों को गुदगुदाना चाहिए, खुद हंसना चाहिए, दूजों को हंसाना चाहिए, लेकिन मूर्ख दिवस का मजा इस प्रकार लें कि किसी को कष्ट न पहुंचे. ऐसा मजाक न हो, जिसमें मजा न हो. इसी के साथ जय हिंद! जय झारखंड!!

लोकतंत्र का महापर्व और मतदाता की जिम्मेदारी

होली भारतीय चुनाव आयोग ने भारत की लोक सभा चुनाव के लिए चुनाव की घोषणा कर दी है. लगभग सभी राजनीतिक पार्टियों ने तैयारियां और वृहत योजनाएं भी बनानी शुरू कर दी हैं. देश के एक ज़िम्मेदार नागरिक के रूप में हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम भी कुछ तैयारी करें. हमें मतदाता के रूप में यह निश्चित रूप से यह सोचना चाहिए कि हम जिस भी प्रत्याशी को अपना मत देने जा रहे हैं क्या वह :
क्षेत्र के निवासियों को जानता है.

चौराहा
प्रमोद कुमार झा

- क्या क्षेत्र की जनता उसको जानती और पहचानती है.
- उसका सार्वजनिक जीवन क्या किसी तरह के अपवादों से मुक्त रहा है.
- क्या व्यक्तिगत स्तर एवं सामाजिक स्तर पर परिवारबाद और भ्रष्टाचार का विरोधी रहा है.
- क्या उसमें सार्वजनिक मर्यादा की रक्षा करने की कोशिश की है.
- क्या उसने कभी बिना किसी प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ या स्वार्थ के असहाय लोगों की सहायता में रुचि ली है?
- क्या सार्वजनिक जीवन/राजनैतिक जीवन में उसकी प्रतिबद्धता समय-समय पर बदलती रही है?
- क्या व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण उसने अपनी राजनीतिक विचारधारा में अवसर के अनुरूप परिवर्तन किया है?
- क्या उम्मीदवार की प्रतिबद्धता क्षेत्र की जनता के प्रति राजनीतिक प्रतिबद्धता से कम है?
- क्या उम्मीदवार ने एक विश्वासपात्र व्यक्ति के रूप में अपनी छवि बनाने में सफलता पाई है?
- क्या वह जाति ,धर्म, सम्प्रदाय, लिंग,समुदाय या आर्थिक शक्ति के आधार पर आम लोगों को अपने पक्ष में प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है?
- क्या उसपर कोई आर्थिक ,चारित्रिक ,व्यक्तिगत या संवैधानिक कोई भी मुकदमा लंबित है?
- क्या उम्मीदवार किसी भी प्रकार के अपराध के कारण किसी भी न्यायालय से सजा पा चुका है?
- क्या अपने चुनाव प्रचार में लोगों के विकास के लिए अपनी भावी योजना की रूपरेखा रख रहा है? या सिर्फ अन्य उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों पर आक्षेप और दोषारोपण भर से काम चला लेता है? अगर अपने वोट देने से पूर्व ये प्रश्न अपने आपसे मतदाता पूछें तो निर्णय लेने में सहूलियत होगी. अगर हम मतदाता के रूप में बिना विचार विमर्श के किसी भी प्रकार के प्रलोभन, आसक्ति या भावना के वशीभूत होकर मतदान करते हैं तो हमें एक मतदाता के रूप में बाद में किसी भी प्रकार की शिकायत का कोई नैतिक हक़ नहीं रहेगा.

दर्शनीय और पवित्र स्थलों का केंद्र सीतामढ़ी

यायावर
डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय

सीतामढ़ी जगत जननी जानकी की जन्मभूमि है. इसके साथ ही यह कई दर्शनीय और पवित्र स्थलों का केंद्र है. सौभाग्य और संयोगवश पिछले दिनों सीतामढ़ी की यात्रा की तो कई स्थलों के रहस्यों से अवगत हुआ.

देवोकुली (देकुली) : यह सीतामढ़ी शहर से पश्चिम में 19 किलो मीटर की दूरी पर है. यहां एक प्राचीन शिव मन्दिर स्थित है. शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर यहां हर साल एक मेला का आयोजन होता है. किंवदंतियों के अनुसार पांच पांडवों की पत्नी द्रौपदी का जन्म यहां हुआ था.

पंथ पाकर : यह सीतामढ़ी से उत्तर पूर्व में आठ किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है. ऐसा कहा जाता है कि देवी सीता जी को उनके विवाह के बाद इसी मार्ग से अयोध्या के लिए एक स्वर्ण पालकी में ले जाया गया था. यहां एक पुराना बरगद का पेड़ है, जहां देवी सीता ने विश्राम किया था.

पुपरी : यहां प्रसिद्ध बाबा नागेश्वर नाथ मंदिर है. भोले बाबा यहां नागेश्वर नाथ के रूप में प्रकट हुए थे. यहीं पास में देवी स्थान झझिहट है, जहां हनुमान जी की विशाल काय मूर्ति विराजमान हैं. लाल मंदिर, पंचेश्वर नाथ महादेव मंदिर, राणीसती मंदिर, चितरंजन गौशाला यहां की मुख्य पहचान है.

धूर्जटीनाथ महादेव : पुपरी से सात किलोमीटर उत्तर पूरब धर्मपुर-डुम्हारपट्टी गांव में बाबा धूर्जटीनाथ महादेव मंदिर है. जनश्रुति के अनुसार यहां स्वंभू बाबा धूर्जटीनाथ महादेव स्वयं प्रकट हुए हैं. सैकड़ों वर्ष पूर्व खुदाई के क्रम में जमीन के नीचे एक शिवलिंग मिला, जिसे स्थानीय लोगों के सहयोग से मंदिर बनाकर स्थापित किया गया है. इस मंदिर परिसर में बड़े धूमधाम से पूरे छः दिनों तक मनाया जाता है. यही से तीन किलोमीटर उत्तर बहिलबाड़ा गांव में हठीले हनुमान जी का मंदिर इस क्षेत्र की पहचान है.

बाबा परिहार ठाकुर : सीतामढ़ी जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर परिहार प्रखंड में बाबा परिहार ठाकुर का मंदिर स्थित है. यहां की मान्यता है कि जो भी बाबा परिहार ठाकुर के मंदिर में आता है, वह खाली हाथ नहीं जाता है.

रानी स्वर्ण मंदिर सुरसंड : यह मंदिर कई अनछुए पहलुओं को अपने में समेटे हुए है. कहा जाता है कि इस मंदिर को बनाने वाले कारीगरों के हाथ कटवा दिये गये थे, ताकि वे दूसरा स्वर्ण मंदिर नहीं बना सकें. मंदिर की ईंटवाली दीवार के गुंबद आदि की नक्काशी अद्भुत है. तहखाने के भीतर जाने पर लौटना मुमकिन नहीं. अंदर जाने वाले विषैले सर्प के शिकार बन जाते हैं. अत्यंत पौराणिक होने के बावजूद यह मंदिर उपेक्षा का शिकार है. इसका उद्धार करने और इसके रहस्यों से पर्दा उठाने की जरूरत है, जिससे पर्यटकों का ध्यान खींचा जा सके.यह पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो सकता है.

बोधायन सार मंदिर : बाजपट्टी प्रखंड के अंतर्गत बनगांव में भगवान बोधायन मंदिर अवस्थित है.यह स्थान महान गणितज्ञ बोधायन की जन्मस्थली एवं तपो स्थली के रूप में विश्व विख्यात है. संस्कृत वैयाकरण पाणिनि के गुरु महर्षि बोधायन ने इसी स्थान पर 700-8000 ईसा पूर्व कई काव्यों की रचना की थी. उनके द्वारा शुल्ब सूत्र और ब्रह्म सूत्र सहित कई महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना की गई थी. शुल्क सूत्र संस्कृत के सूत्र ग्रंथ हैं, जो स्रोत कर्मों से संबंधित है. इनमें यज्ञ वेदी की रचना से संबंधित ज्यामितीय ज्ञान दिया हुआ है. संस्कृत में शुल्ब शब्द का अर्थ नापने की रस्सी या डोरी होता है. इनके द्वारा रचित वृति ग्रंथ कई मायने में महत्वपूर्ण हैं. इनके ग्रंथों में गणित, ज्योतिष, दर्शन शास्त्र एवं सामाजिक आख्यानों पर प्रकाश डाला गया है. इनकी महिमा लगभग हर पौराणिक आख्यानों में दर्ज़ है. देवराहा बाबा ने यहां बोधायन मंदिर की आधार शिला रखी थी. पाइथागोरस प्रमेय की खोज भगवान बोधायन के द्वारा की गई थी, लेकिन मुगलों की झूठी कहानियों को पढ़ाने वाली सरकार ने कभी इन विषयों पर प्रकाश नहीं डाला. 2018 में बिहार के मुख्यमंत्री मंत्री श्री नीतीश कुमार पहली बार बोधायन मंदिर आये थे, तब जाकर इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने की संभावना बड़ी है. बोधायन मंदिर को विश्व के पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए कार्य हो रहा है.

सभागाछी ससौला : सीतामढ़ी से 20 किलोमीटर पश्चिम में इस स्थान पर प्रतिवर्ष मैथिल ब्राह्मणों का दूर का सम्मेलन होता था. मधुबनी के सौराठ गांव में भी एक ऐसा ही सभागाछी अवशेष होता जा रहा है. यहां मैथिल ब्राह्मणों के सात पुश्तों की सूची मिलान करके विवाह तय किये जाते थे. अब यह स्थान रख रखाव के अभाव में खंडहर होता जा रहा है.

पहन ले चड्डी, छोड़ दे हल

नश्तर
सुधीर राघव

पंडित तोताराम मंडी की ओर जा रहे थे. शहर-कस्बों में तो रोज मंडी लगती है. गांवों में लोग साप्ताहिक और पाक्षिक मंडी जाते हैं. पंडित तोताराम जिस मंडी में जा रहे थे, वह तो पूरे पांच साल बाद लगी थी. इसलिए इस मंडी को लेकर उत्साह बहुत ज्यादा था. पंडिताइन के लाख मना करने के बावजूद पंडित तोताराम नहीं माने और सुबह-सवेरे ही नहा धोकर निकल पड़े मंडी. मगर घर से निकलते ही बच्चों ने उन्हें चिढ़ाना शुरू कर दिया- तोताराम तुनक कर चल, पहन ले चड्डी छोड़ दे हल. तोताराम ईंट लेकर बच्चों के पीछे भागे, मगर कोई उनके निशाने पर नहीं आया. पंडित तोताराम अब आम लोगों के लिए भविष्यवाणी नहीं करते थे. वर्ना एक समय तो लोग उनकी भविष्यवाणी के दीवाने थे. वह क्लोज एंडेड प्रश्नों पर बड़ी ही नपी-तुली भविष्यवाणी करते थे, जिसका एक हिस्सा हमेशा सही निकलता था. जैसे कोई उनसे पूछता, पंडीजी मेरे बेटे की नौकरी लगेगी? तो वह एक गंभीर विचारक जैसी मुद्रा बनाकर थोड़ी देर तक सोचते फिर बर्फ जैसे ठंडे और निर्विकार लहजे में जवाब देते, नौकरी लग भी सकती है और नहीं भी. कुछ लोग मानते थे कि पंडित तोताराम की भविष्यवाणी का पहला हिस्सा सही होता है, जबकि कुछ मानते थे कि दूसरा हिस्सा. इस तरह पंडित तोताराम की भविष्यवाणी ने पूरे गांव को दो खेमों में बांट दिया था. जो यह मानते थे कि भविष्यवाणी का पहला हिस्सा सही होता है वे उपसर्गवादी और जो दूसरे हिस्से को सही मानते थे, प्रत्ययवादी कहलाए. ऐसी भविष्यवाणी को लेकर अक्सर उपसर्गवादियों और प्रत्यय वादियों में दंगे हो जाते थे. क्योंकि उपसर्गवादी कहते भविष्यवाणी का आगे का हिस्सा सच निकलेगा और प्रत्ययवादी कहते पीछे का हिस्सा. इसी बात पर झगड़ा शुरू होता, जो जल्द ही दंगे में बदल जाता. शेरों के राज में तो आए दिन ऐसे दंगे होते थे. मगर जब जंगल में गधे का राज आया तो सेठ दुलीचंद सुनामी ने पंडित तोताराम को लोगों के लिए भविष्यवाणी करने से रोक दिया. साथ ही आदेश दिया कि वह अब सिर्फ केलोबेलो के न्यूज चैनलों पर वही भविष्यवाणी करेंगे जो उन्हें बताई जाएगी. सेठ सुनामी की बात मानने के अलावा तोताराम के पास और कोई विकल्प नहीं था. सेठ सुनामी ने तोताराम का हुलिया भी पूरी तरह बदलवा दिया था. चुटियाधारी तोताराम पहले जनेऊ के साथ कमर पर नीचे सफेद धोती पहनते थे. अक्सर उपसर्गवादियों और प्रत्यय वादियों के झगड़े में कोई न कोई उनकी धोती खींच देता था. इसलिए सेठ सुनामी ने उन्हें जनेऊ के साथ एक बड़ा सा ढीला निक्कर पहनवा दिया, जो कमर पर एक मोटी बेल्ट से कसकर बांधा जाता. इसके खींच दिए जाने का कोई खतरा नहीं था, इसलिए पंडित तोताराम अब ज्यादा कोन्फिडेंट नजर आते. उनका कोन्फिडेंस देखकर लोगों ने मान लिया कि पंडित तोताराम अब ज्यादा ज्ञानी हो गये हैं. मगर मंडी में अचानक एक निक्कर वाले चुटियाधारी को देखकर किसानों ने तोताराम को घेर लिया. सब उनकी खिल्ली उड़ाने लगे कि मंडी में यह पाखंडी कौन? चुटिया और निक्कर का फ्यूजन किसानों को कन्फ्यूज कर रहा था. उन्होंने समवेत स्वर में गाना शुरू किया - चुटियाधारी चाल न चल, छोड़ दे निक्कर उठा ले हल. घबराए पंडित तोताराम सीधे घर की ओर भागे.

सीमाओं से उन्मुक्त अनुकृति की सिरेमिक पॉटरी

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

व्यक्तिगत विचारों में कला एक गम्भीर विषय है, जो व्यक्ति की अन्तर्निहित अभिव्यक्तियों से जुड़ा है. पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से किए हुए सृजन में स्वतः ही भाव प्रस्फुटित होता है. दर्शक इन्हीं भावों को अपने अन्दर के भावों से जोड़ता है और आनंदित होता है और उससे सौन्दर्य का अहसास होता है. सौन्दर्य, जो कला की आत्मा है, उसको एक कलाकार ही मनन, चिन्तन तथा प्रयोगों से जिन्दा रख सकता है और समाज को दिशा दे सकता है. कला हमारे जीवन का रागात्मक संस्कार है. हमारे यहां कला जीवन के लिए है, अपने लिए नहीं है. भारत की कला में धाराओं का आवेग भी है. भारतीय कला की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह समग्रता का आह्वान करती है. भारतीय कला अभिव्यक्ति के विभिन्न माध्यमों में सिरेमिक का विशेष महत्व है. देश के विभिन्न हिस्सो में अनेक कलाकार इस माध्यम में जुड़े हुए है. सिरेमिक के लिए हमारे यहां जो लोक प्रचलित शब्द है, वह चीनी मिट्टी है. चीन में जो मिट्टी है, उस मिट्टी का विकल्प सभी देशों ने अपने यहां की उपलब्ध मिट्टी में ढूंढा. उसमें उन गुणों को खोजा और वह गुण नहीं था तो दूसरी मिट्टी में खनिजों को मिलाकर काम किया. हालांकि इसका एक दूसरा अर्थ यह भी है कि मिट्टी को तब तक पकाना है, जब तक वह पिघल न जाय. उसके पिघलने से ही उसमें गुण पैदा होते हैं, जिससे दाने आपस में चिपक जाते हैं.

सिरेमिक माध्यम हमारे यहां पारंपरिक रूप में उद्योग के साथ आया. हमारे देश में पर्शिया से सारे राजा रजवाड़ों के यहां क्रॉकरी आती थी, बड़े बडे पॉट आते थे. उसी के साथ-साथ सौंदर्यपरक पॉटरी की परंपरा भी हमारे अंग्रेजों के माध्यम से जिसे हम वर्तमान सिरेमिक के रूप में देखते हैं, जिसमें अनुकृति टोप्पो जैसे कलाकार कार्य कर रहे हैं. बचपन से कला के प्रति रुचि रखने वाली अनुकृति टोप्पो एक ऐसी सिरेमिक कलाकार हैं, जो सिरेमिक पॉटरी की सीमाओं से उन्मुक्त हैं. ये अपने आपको केवल एक पॉटर नहीं मानतीं और न ही स्वयं को एक डिजाइनर के तौर पर देखती हैं, बल्कि अपनी कृतियों को एक कलाकार शिल्पी के सृजन के रूप में देखती हैं. ये पॉटरी की प्रचलित रूढ़ियों में बंध नहीं पाईं और इसीलिए इनके कार्य अनिवार्यतः इनसे पूरी तरह मुक्त हैं.

टेराकोटा, सिरेमिक या भारत की पारंपरिक कला और समकालीन कला व्यापक चर्चा का विषय है. देश के ज्यादातर सिरेमिक कलाकार अपने देश की टेराकोटा शिल्प की परंपरा के साथ कोई खास संबंध बनाये हुए नहीं है. लेकिन आज देश में जिस मुकाम से सिरेमिक का कार्य हो रहा है, उसे ही अनुकृति टोप्पो जैसे कलाकार आगे बढ़ा रहे हैं. सिरेमिक के साथ एक और सबसे खास बात यह है कि इसमें रंगों की भी एक बड़ी रेंज, जो हमारे पास शिल्प के पारंपरिक माध्यमों टेराकोटा, पत्थर और काष्ठ शिल्प में नहीं है. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से फाइन आर्ट इन पॉटरी एण्ड सिरेमिक में बीएफए और सेरेमिक एण्ड ग्लास डिजाइन में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद से एएफए करने वाली अनुकृति टोप्पो की सेरेमिक कला की इस विकास यात्रा को हमें समझना होगा.

आखर

निर्मल वर्मा (3 अप्रैल 1929-25 अक्तूबर 2005)

निर्मल वर्मा हिन्दी के आधुनिक कथाकारों में एक थे. उनके शब्दों में संवेदनात्मक बुनाई इतनी गहरी थी कि पाठक इस मायाजाल में खुद ब खुद नीचे उतरते-उलझते चले जाते. गद्य के वैभव का जब जिक्र होगा, निर्मल वर्मा को याद करना हमारी बाध्यता होगी. मूर्तिदेवी पुरस्कार (1995), साहित्य अकादमी पुरस्कार (1985) उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान पुरस्कार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित निर्मल वर्मा की कहानियां अभिव्यक्ति और शिल्प की दृष्टि से बेमिशाल हैं. जन्मदिवस के बहाने झारखंड के जाने माने साहित्यकार अपने अंदाज में लेखक की कृति परिंदे की चर्चा के साथ उन्हें याद कर रहे हैं.

अधूरे प्रेम की दास्तां परिंदे

राकेश कुमार सिंह

निर्मल वर्मा की कहानी "परिंदे" मेरी प्रिय कहानियों में से एक है. इस कहानी को पहली बार मैंने तब पढ़ा था जब मैं किशोर था या शायद किशोर-युवा की संधिरेखा पर खड़ा था. तब कथा-कहानियों के लिहाज से मन मानो कोरा कागज था जिस पर लिखी लिखाई बहुत दिनों तक अमिट रह जाती है.

कुमाऊं का एक कान्वेंट स्कूल, सर्दियों की छुट्टियों में खाली होते हॉस्टल का तारी होता सन्नाटा, गगनचुंबी चीड़-देवदार-बुरूंश की छाया तले सघन होती नीरवता, वातावरण का कलात्मक रचाव...इतना संवेदनशील गद्य मैंने कभी नहीं पढ़ा था. मुझ पर मानो एक अवसाद हावी होता गया था जो कहानी पूरी होने के हफ्ते भर तक मुझ पर हावी रहा था.

कहानी की केंद्रीय चरित्र है लतिका जो अपने प्रेमी मेजर गिरीश की हवाई दुर्घटना में मृत्यु के अतीत को भूलने की कोशिश में अतीत के भीतर गहरे उतरती जाती है. यह जानते हुए कि मरने वाले के साथ कोई नहीं मरता. लतिका अतीत से मुक्त होना चाहती तो है परन्तु विडंबना यह कि वह डरती भी है कि मानो यह अतीत कोई ऐसी शै है जो उसके हाथों से छिन गई तो फिर कभी वापस नहीं मिलने वाला है. लतिका न तो गिरीश को भूल कर कोई नया रिश्ता बना पाती है न ही अपनी अतीतजीवी चेतना से मुक्त हो पाती है. मानो वह आधी भीतर : आधी बाहर चिरती जाती है. "परिंदे" अधूरे छूटे प्रेम का प्रतीक हैं. यह मानों किसी असमाप्त अंत और अभिशप्त प्रतीक्षा की कहानी है. यह मनुष्य के अपनी नियति की तलाश की कहानी है जो अपूर्ण रहने को अभिशप्त है. जो पूरी हो ही नहीं सकती. इस सच को स्मृतियों के किमियागर निर्मल वर्मा ने बेहद संवेदनशीलता के साथ रचा है.

स्कूल परिसर में धड़कते जीवन के इस कोलाज में लतिका के अलावा अपने-अपने अलगाव बोध को झेलते डॉ मुखर्जी हैं, संगीत शिक्षक मिस्टर ह्यूबर्ट हैं, प्रिंसिपल मिस वुड हैं जो अपने अपने अरण्य में मानो अकेले हैं. सबकी अपनी-अपनी एक अधूरी कहानी है. महत्वपूर्ण पात्रों में छात्रा सुधा है और जूली है. इसके के अलावा एक अनदेखा चरित्र गिरीश है जो कहानी में है भी और नहीं भी.

हर महत्वपूर्ण पात्र अपने एकाकीपन के संत्रास से जूझ रहा है. हर पात्र मानो किसी की प्रतीक्षा करता हुआ अपने चेतन-अवचेतन से लड़ रहा है. पात्रों के साथ जीते पाठक को कहानी अनुभव की ऐसी दुनिया में खींचती जाती है जहां कहानी मात्र एक कथा नहीं रह जाती वरन् पात्रों के साथ सहयात्री हो चुके पाठक का निजी अनुभव बन जाती है.

इस कहानी में प्रेम के प्रति उत्कट सम्मोहन भी है और अधूरेपन को अभिशप्त प्रेम की स्मृतियों से मुक्ति की विवश छटपटाहट भी है.

टूटे हुए प्रेमियों के अलगावबोध की यह प्रेम कहानी जो मनुष्य की नियति की बड़ी कहानी बन जाती है, पढ़ चुकने के बाद भी किसी त्रासद सिंफनी की भांति कुछ समय-दिनों तक पाठक के भीतर धीमे-धीमे बजती रहती है.

"परिंदे" की पंक्तियां

हमारा बड़प्पन सब कोई देखते हैं, हमारी शर्म केवल हम देख पाते हैं

अब वैसा दर्द नहीं होता, सिर्फ उसको याद करती है, जो पहले कभी होता था- तब उसे अपने पर ग्लानि होती है.वह फिर जान-बूझकर उस घाव को कुरेदती है, जो भरता जा रहा है, खुद-ब-खुद उसकी कोशिशों के बावजूद भरता जा रहा है.

मन्नू भंडारी अ पनी रचनाओं में मानवीय रिश्तों के विविध रंगों को मन्नू भंडारी इतने सहज, सरल व आत्मीय अंदाज में परोसती थीं कि वे किरदार हमें अपने ही आसपास जीवंत नजर आते. सधे शिल्प के जरिए जीवन के किसी स्पन्दित क्षण को पकड़ना उनकी खासियत रही. 1960 के दशक के नयी कहानी आंदोलन की प्रणेता रहीं. उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, भारतीय भाषा परिषद्, 'कला-कुंज सम्मान, बिहार राज्य भाषा परिषद, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, 'दिल्ली शलाका सम्मान',केके बिड़ला फाउंडेशन व्यास सम्मान आदि कई सम्मानों से उन्हें पुरस्कृत किया गया. पत्रकार और साहित्यकार हिमकर श्याम जन्मदिन के बहाने उनकी कृतियों की कर रहे चर्चा...

मन्नू भंडारी (03 अप्रैल 1931 - 15 नवंबर 2021)

भाषा-शिल्प की सादगी

हिमकर श्याम

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा साहित्य की प्रमुख हस्ताक्षर मन्नू भंडारी की रचनाओं में स्त्री-मन से जुड़ी अनुभूतियों की अभिव्यक्ति देखी जा सकती है. कहानियां हों या उपन्यास उनमें भाषा और शिल्प की सादगी तथा प्रमाणिक अनुभूति मिलती है. मन्नू जी का कथा-साहित्य जीवन से जुड़ा हुआ है. उन्होंने आजादी के बाद लोगों में पैदा हुई इच्छाओं और आशाओं पर जमकर लिखा. महानगरीय जीवन में स्त्रियों की दशा पर भी अपनी कलम चलाई.

मन्नू भंडारी का साहित्य जगत में प्रमुख योगदान कहानी और उपन्यास के क्षेत्र में रहा. उनका समग्र साहित्य उनके व्यक्तित्व का आईना है. उनकी कहानियों में पारिवारिक जीवन, पति-पत्नी के बनते-बिगड़ते संबंध एवं उन्मुक्त प्रेम आदि का चित्रण सूक्ष्मता से हुआ है. उनकी बहुचर्चित कहानी 'यही सच है' पर आधारित बासु चटर्जी की फ़िल्म 'रजनीगंधा' ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचाई थी. उनके एक अन्य उपन्यास 'स्वामी' पर 'स्वामी' फ़िल्म बनी थी. विवाह टूटने की त्रासदी में घुट रहे एक बच्चे को केंद्रीय विषय बनाकर लिखे गए उनके उपन्यास 'आपका बंटी' को हिंदी के सफलतम उपन्यासों की श्रेणी में रखा जाता है. राजेंद्र यादव के साथ लिखा गया उनका उपन्यास 'एक इंच मुस्कान' पढ़े-लिखे और आधुनिकता पसंद लोगों की दुखभरी प्रेमगाथा है. वहीं आम आदमी की पीड़ा और दर्द की गहराई को उकेरने वाले उनके उपन्यास 'महाभोज' पर आधारित नाटक बहुत लोकप्रिय हुए.

मन्नू भंडारी का जन्म 03 अप्रैल 1931 को मंदसौर (मध्य प्रदेश) के भानपुरा नामक गांव में हुआ था. इंटर तक की शिक्षा-दीक्षा राजस्थान के अजमेर में हुई. उन्होंने कोलकाता से बीए और फिर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से एमए किया. कोलकाता में 'बालीगंज शिक्षा सदन' स्कूल में उन्होंने नौ साल अध्यापिका का कार्य किया. 1961 में वह अध्यापिका से प्राध्यापिका बनीं. वह दिल्ली के प्रतिष्ठित मिरांडा हाउस कॉलेज में वह लंबे समय तक पढ़ाती रहीं और रचना क्षेत्र में भी बराबर सक्रिय बनी रहीं. मन्नू भंडारी विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में प्रेमचंद सृजनपीठ की अध्यक्ष भी रहीं. लेखन का संस्कार उन्हें विरासत में मिला. उनके पिता सुख सम्पत राय भी जाने माने लेखक थे. उनके पति राजेंद्र यादव हिंदी के बड़े साहित्यकार और हंस जैसी पत्रिका के संपादक थे. 15 नवंबर 2021 को मन्नू भंडारी का निधन हो गया.

मन्नू भंडारी को मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन का भवभूति अलंकरण और हिन्दी अकादमी, दिल्ली का शिखर सम्मान प्राप्त हुआ था. इसके अतिरिक्त बिहार सरकार, भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, व्यास सम्मान और उत्तर-प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा भी वे पुरस्कृत हुई थीं. उनकी कई कहानियों का अनुवाद देशी-विदेशी भाषाओं में हुआ है. मन्नू भंडारी के बिना आधुनिक कथा साहित्य की चर्चा अपूर्ण लगती है. उनके रचना संसार की सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह कठिन से कठिन बात कहने के लिए भी कठिन भाषा का सहारा नहीं लेती थीं.

"आपका बंटी" की पंक्तियां

ये मम्मी इतना सट कर क्यों बैठी है डॉक्टर साहब से. ऐसे तो मम्मी किसी के साथ नहीं बैठती!

मम्मी के चेहरे पर गहराती हुई उदासी की परतें उसे कहीं कहीं हल्के से बेचैन कर देती. उसका मन करता कि ममी को पक्के से समझा दें कि वह किसी तरह की कमी नहीं छोड़ेगा.

रंगों के नाम रही कलमकारों की पांती

नीरज नीर

हवा में फूल की खुशबू/ उमंग उमगे है मन में/ तरो-ताजा हुआ मौसम/ नई ऊष्मा जगी तन में....फाल्गुन केवल एक महीना भर नहीं है, फाल्गुन एक प्रतीक है नवीनता में ऊर्जस्वित होकर पदार्पण करने की तैयारी का, जिसका उत्कर्ष होली के रूप में होता है. फाल्गुन जीवन में नए उमंग, उत्साह के संग परिवर्तन का प्रतिबिंब है. जीवन के विभिन्न आयामों में इसका सकारात्मक प्रभाव परिलक्षित होता है. सृष्टि का सम्पूर्ण रचनाकर्म नए सौन्दर्य के उपादानों से शोभित होता है. साहित्य रचना भी इससे अछूता भला कैसे हो सकता है? इसीलिए इस दौरान फाल्गुन, वसंत और होली को लेकर नित्य नवीन कविताएं और विभिन्न विधाओं की रचनाएं हमें देखने -पढ़ने को मिलती है. मार्च का महीना मोटे तौर पर फागुन का महीना रहा. इस दौरान झारखंड के साहित्यकारों ने अपनी रचनाशीलता को धार देते हुए एवं मौसम तथा वातावरण के अनुकूल खूब महफिलें सजाई.

मासिक रिपोर्ट

कहानी के कहन पर शब्दकार की परिचर्चा

शहर की साहित्यिक संस्था शब्दकार के तत्वाधान में कहानी के कहन पर परिचर्चा मोरहाबादी स्थित रश्मि शर्मा के आवास पर आयोजित हुई, इसमें सुपरिचित कहानीकार पंकज मित्र तथा प्रियदर्शन से रांची के रचनाकारों ने कहानी एवं रचना शिल्प के विषय में प्रश्न पूछे. वक्ताओं ने कहानी कला का आरंभ, इतिहास एवं उसके शिल्प पर तरह-तरह के आख्यानों एवं उदाहरणों द्वारा उपस्थित रचनाकारों की जिज्ञासाओं को शांत करने की कोशिश की एवं एक सार्थक संवाद स्थापित किया.

विश्वम्भर मैथिली साहित्य सम्मान

मैथिली भाषा साहित्य में योगदान के लिए विश्वम्भर मैथिली साहित्य सम्मान 10 मार्च 2024 को मैथिली के साहित्यकार, समालोचक डॉ सुभाषचन्द्र यादव को प्रदान किया गया. यह सम्मान रांची के हरमू क्षेत्र में स्थित स्वागतम वैंकवेंट हाल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया.

"तुम" का लोकार्पण

दिनांक 17.03.2024 को रांची के प्रेस क्लब में साहित्यिक संस्था 'सम्पर्क, राँची' के तत्वावधान में अरुण मिश्रा जी के कविता संग्रह "तुम" का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य लोकार्पणकर्ता के रूप में पद्मश्री बलबीर दत्तजी उपस्थित थे और कार्यक्रम की अध्यक्षता की डॉ अशोक प्रियदर्शी जी ने. लोकार्पित पुस्तक पर मनीष अरविन्द, नीरज नीर, दिवाकर झा और प्रणव प्रियदर्शी ने अपने विचार रखे. धन्यवाद ज्ञापन डॉ आकांक्षा चौधरी के द्वारा किया गया.

उर्मिला शिरीष से बातचीत

प्रभा खेतान फाउंडेशन देश के विभिन्न भागों में साहित्यिक साक्षात्कार का कार्यक्रम ' कलम' के नाम से आयोजित करती है. रांची में भी इस संस्था के द्वारा आयोजन किए जाते रहे हैं. इस दफा कलम के कार्यक्रम में साहित्यकार उर्मिला शिरीष जी की उपस्थिति रही.

छोटानागपुर राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव

इस महीने में नाट्य विधा से जुड़े भी कुछ महत्वपूर्ण कार्य हुए. युवा नाट्य संगीत अकादमी द्वारा आयोजित चार दिवसीय 11वां छोटानागपुर राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव - 2024 का आयोजन 27 मार्च से लेकर 30 मार्च तक रांची के आड्रे हाउस में किया गया. इसमें रांची सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आई नाट्य संस्थाओं ने अपने नाटकों का प्रदर्शन किया. नाट्य मंचन से पहले कृष्ण कान्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के 13 लोगों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में आठ नाटकों का मंचन किया गया एवं इसकी शुरुआत ऋषिकेश लाल के निर्देशन में प्रस्तुत मृदंगियां से हुई.

राजमणी सम्मान समारोह

पिछले दो वर्षों से रांची के वयोवृद्ध साहित्यकार हरेराम त्रिपाठी "चेतन" जी के द्वारा साहित्य में योगदान के लिए राजमणी सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है. इस वर्ष का मां राजमाणि सम्मान समारोह दिनांक 19 मार्च 2024 को मोराबादी रांची स्थित उनके आवास स्वाध्याय परिसर में सम्पन्न हुआ. इसमें तीन साहित्यिक सम्मान प्रदान किए गए. लोकपूज्य रामछबिला त्रिपाठी वाग्देवी सम्मान रांची के ग़ज़लकार कुमार बृजेन्द्र को प्रदान किया गया. माता राजमणि स्यमंतक मणि सम्मान सत्या शर्मा कीर्ति को तथा शहीद श्रीराम तिवारी कौस्तुभमणि सम्मान मुजफ्फरपुर के डा ब्रजभूषण मिश्र को प्रदान किया गया. डा मिश्र अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के वर्तमान अध्यक्ष हैं तथा भोजपुरी के जानेमाने साहित्यकार हैं. उक्त समारोह की अध्यक्षता डा चंद्रकांत शुक्ल ने की.

भोजपुरी नाट्य महोत्सव

जमशेदपुर के तुलसी भवन में तीन दिवसीय 8वां भोजपुरी नाट्य महोत्सव दिनांक -16 से 18 मार्च 2024 को सोल्लास सम्पन्न हुआ. इस नाट्य महोत्सव का आयोजन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से भोजपुरी रंगमंच को समर्पित नाट्य संस्था "रंगश्री", नई दिल्ली द्वारा सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मलेन के सहयोग से हुआ. नाटक प्रस्तुति के पश्चात मंच पर स्थानीय कलाकारों संग मेहमान कलाकारों ने होली गायन प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को होलीमय बना दिया.

सृजन संसार का "फागुनोत्सव"

सृजन संसार के तत्वावधान में काव्य-गोष्ठी "फागुनोत्सव" का आयोजन जवाहरलाल नेहरू कला केंद्र मेकॉन कॉलोनी में 24 मार्च को किया गया. कार्यक्रम में लिली मुखर्जी, सुनील सिंह बादल, डॉ सुरिंदर कौर 'नीलम', सदानंद यादव, डॉ रजनी शर्मा 'चंदा', चंद्रिका ठाकुर देशदीप,डा अंजेश कुमार, सूरज श्रीवास्तव, रंजना वर्मा उन्मुक्त, विभा वर्मा वाची , संगीता यादव आदि ने प्रस्तुति दी.

झारखंड हिंदी साहित्य सम्मेलन मंच

झारखंड हिंदी साहित्य सम्मेलन मंच का फागुनोत्सव भी 24 मार्च को रांची में मनाया गया. कार्यक्रम में डॉ वैद्यनाथ मिश्र, ममता मनीष सिन्हा, निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव, मुक्ति शाहदेव, विनोद सिंह, डॉ जेबी पांडेय, डॉ राजश्री जयंती, ऋतुराज वर्षा आदि ने अपनी प्रस्तुति दी.

आज विमोचन

आज यानि 31 मार्च 2024 को साहित्य से जुड़ी संस्था साहित्य कुंज, रांची का वार्षिकोत्सव रांची प्रेस क्लब में होना है, जिसमें संस्था के द्वारा निकाली गई पत्रिका "साहित्य संवाहक" के साथ कुछ अन्य पुस्तकों मन दर्पण, सुधा-सलिला, चाँद पर घर/अनुनाद, उसका दोष क्या था/बित्ता भाई का विमोचन किया जाना है.

व्यंग्य >> बर्बरीक

चंदा है तो धंधा है पर गंदा है

इस बरस होलिका दहन का चंदा लेने मोहल्ले के लड़के नहीं आए. हालांकि आते भी तो कहलवा ही देता कि मैं घर में नहीं हूं. होली के बाद एक लड़का मिला तो पूछा - इसबार चंदा नहीं लिए? एकदम से बरस पड़ा--चंदा का नाम मत लीजिए! चंदा से मन उचट गया है एकदम. चंदा दीजिएगा फिर धंधा मांगिएगा. कहां से देंगे? हमलोग कोई सत्ताधारी हैं? सार्वजनिक काम तो चंदा से ही होता है न बाबू? - हमने शांत करना चाहा. अपना पार्टी चलाना कौन सा सार्वजनिक काम है? कोई मोहल्ले का होलिका दहन है? चंदा बांह ऐंठकर थोड़े लिया जाता है. जैसे आप कभी चंदा नहीं देते हैं तो क्या हमने कभी आपके घर ईडी भेजी?

नेताजी ने कहा था कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा. ऐसा तो नहीं कहा कि तुम मुझे चंदा दो मैं तुम्हें धंधा दूंगा.

नेताजी ने कहा था कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा. ऐसा तो नहीं कहा कि तुम मुझे चंदा दो मैं तुम्हें धंधा दूंगा. मोहल्ले का कोई कार्यक्रम होता है और चंदा जमा करते हैं तो उसका बाकायदा हिसाब दिया जाता है. यहां तो पहले कह दिया गया कि यह सब गुप्त दान है. बता नहीं सकते. कोई कह रहा है कोई अज्ञात आदमी पार्टी ऑफिस के दरवाजे पर लिफाफा छोड़ कर चला गया. चंदा न हुआ कोई लावारिस बच्चा हो गया जो अनाथालय के सामने छोड़ कर चला गया. ऐसे ऐसे चंदा देने वाले सामने आ रहे हैं जो घर में भूंजी भांग नहीं ड्योढ़ी पर नाच का मुहावरा चरितार्थ कर रहे हैं. कहते हैं हमारी कंपनी तीन सौ करोड़ के घाटे में है और ढाई सौ करोड़ चंदा दे रहे हैं. महाराजा बलि और दानवीर कर्ण का दान तक छोटा पड़ जाए. चंदा दिए अभी अड़तालीस घंटे भी नहीं बीतते हैं कि हज़ार करोड़ का धंधा हथिया लेते हैं. इसको कहते हैं तुम एक पैसा दोगे वो दस लाख देगा. असली खुदाई तो यही है.

चंदे के बदले कुछ नियमों को इस कदर तोड़ मरोड़ देंगे कि हींग लगेगा न फिटकरी रंग भी चोखा आएगा. भोली जनता समझेगी कि सब उसकी भलाई के लिए हो रहा है. देश सरसरा कर आगे बढ़ रहा है. डंकापति का डंका चहुंओर बज रहा है. देश अब विश्व गुरु बना ही समझिये. विश्व गुरु बनने में एक ही बात अच्छी होती है कि इसका सरोकार अर्थव्यवस्था से नहीं होता. कोई एजेंसी विश्व गुरु की रेटिंग नहीं करती. किसी से सर्टिफिकेट नहीं लेना पड़ता. एक शानदार सुबह उठो और घोषणा कर दो कि आज से अपुन विश्व गुरु! किसी को कोई ऑब्जेक्शन भी नहीं होगा. देश को विश्व गुरु बनाने का चंदा ठोक दो. चंदेबाज भी खुश धंधेबाज भी खुश. लेकिन एक बात समझिए कि चंदा धंधा का तुक गंदा से क्यों मिलता है. बर्बरीक जी गुनगुनाते चले -चंदा है तो धंधा है पर गंदा है...

शहंशाह आलम की कविताएं

शहंशाह आलम

यही क्या कम होगा

घुमंतू-घुमक्कड़ चिड़िया
आ बैठी है खिड़की पर
घुप अंधेरा के भागते ही

निकलूंगा मैं भी घर से बाहर
टीले वाले मज़ार के पास से
बहने वाली नदी की ओर
कछुए की पीठ को सहलाने
मछलियों को चारा खिलाने
प्रेम की भाषा को चमकाने

जब घर लौटूंगा नहाकर
लौटूंगा लोहार के घन-सा

जब घर लौटूंगा नहाकर
लौटूंगा बढ़ई के रंदे-सा

जब घर लौटूंगा नहाकर
लौटूंगा धुनिया के फटके-सा

इस दुनिया के लिए
यह बात क्या कम होगी
कि एक आदमी उसके बचाव में
इस तरह बदलेगा ख़ुद को.

एक स्त्री को प्यार करते हुए

एक स्त्री को प्यार करते हुए
मैंने यही जाना कि कोई
किसी से बिना प्रेम किए
बरसों जी ही नहीं सकता

एक स्त्री को प्यार करते हुए
मैंने यह भी जाना

कि यह पृथ्वी भी तो
एक भरी-पूरी स्त्री ही है

यह भी तो
उतनी ही सुन्दर
उतनी ही मुलायम
उतनी ही गर्म है

उतनी ही बाकमाल है
जिस तरह कि कोई स्त्री

फिर एक सभ्य आदमी
पृथ्वी से बिना प्रेम किए
कैसे गुज़र जाता है अकसर
किसी दूसरे काल-खंड में.

जिस तरह

जिस तरह
प्रेम करने वाली लड़की
पहली दफ़ा खाती है गोलगप्पे
मैं खाता हूं नारियल मीठा

मैं बेघर सही
बेपरवाह सही
पर मैं मिट्टी के धूसर रंग को
चाहता हूं प्यार वाली बोली की तरह

जिस तरह चाहता रहा हूं
नारियल के उस पेड़ को
पूरी भलमनसाहत से
मुखरित उत्साहित.

तुम्हारे लिए

तुम्हारे लिए
तेजपत्ता पर लिखता हूं
ढाई अक्षर का प्रेम

मेरे लिए तुम्हारा अव्यक्त प्रेम
तेजपत्ते की ख़ुशबू वाला रहा है

तभी तेजपत्ते की रंगत वाली
कमीज़ पहनकर निकलता हूं
जुमेरात की शाम को
तुम्हारा मोहल्ला घूमने

हर आने वाले अप्रैल से पहले
बस यही एक काम करता हूं
तुम्हारा प्रेम पाने की ख़ातिर.

चित्र : अनु प्रिया

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

चेन्नई व दिल्ली, गुजरात व हैदराबाद के बीच मुकाबला आज

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स को पृथ्वी शॉ की जरूरत

भाषा। विशाखापत्तनम

- दिल्ली के खिलाफ पिछले चार मैचों ने चेन्नई ने दर्ज की है जीत
- मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा

दिल्ली कैपिटल्स को रविवार को यहां गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करके विस्फोटक पृथ्वी साव को शामिल करने की जरूरत होगी. टी-20 प्रारूप में हालांकि काफी कुछ टॉस पर निर्भर करता है, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) पिछली चार भिड़ंत में सीएसके की चुनौती से पार नहीं पा सकी है और इसमें भी उसकी हार का अंतर 91 रन, 27 रन और 77 रन रहा है जो उसकी हालत दर्शाने के लिए काफी है. यह भी देखना होगा कि इन तीन करारी शिकस्त में डीसी की कोर टीम लगभग समान ही रही है, बस पिछली भिड़ंत में ऋषभ पंत उपलब्ध नहीं थे. इसे देखते हुए सीएसके के खिलाफ दिल्ली की जीत को टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर भी माना जायेगा. सीएसके एक बार फिर हर विभाग में मजबूत दिख रही है, जो कोच रिकी पोंटिंग की डीसी से बिलकुल ही उलट है क्योंकि दिल्ली की टीम अभी तक खेल के दोनों विभाग में कमजोर रही है. डीसी के सहमालिक जीएमआर और जेएसडब्ल्यू पिछले कुछ वर्षों से नीलामी में ही टीम संयोजन में गड़बड़ी करते रहे हैं.

डेथ गेंदबाजी दिल्ली के लिए चिंता

दिल्ली की 'डेथ ओवर' में गेंदबाजी भी चिंता का विषय है, जिसमें अक्षर पटेल को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रति ओवर 7.50 से कम रन नहीं दे पाया है. एनरिच नोर्किया सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी नहीं कर सके, जिससे डीसी ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अंतिम पांच ओवरों में काफी रन लुटा दिये. इससे डीसी को ईशांत शर्मा की वापसी की जरूरत होगी.

शॉ की मौजूदगी में मिलेगी मजबूती

डेविड वॉर्नर भी अब पुरानी फॉर्म में नहीं दिखते जबकि कप्तान पंत को लय में आने में कुछ समय लगेगा. मिचेल मार्श पिछले दो सत्र से डीसी के साथ हैं लेकिन उनका प्रदर्शन भी निरंतर नहीं रहा है जिससे साव की मौजूदगी से डीसी की बल्लेबाजी को कुछ मजबूती मिलेगी जिसे मुस्तफिजुर रहमान, दीपक चाहर, माथिशा पाथिराना और रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना होगा. पर असली चुनौती मुस्तफिजुर की 'कटर' की 'वैराइटी' का सामना करना होगी जो चतुराई से बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ाते रहते हैं.

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान),धोनी, मोइन अली, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, राजवर्धन हैंगरकर, रवींद्र जडेजा, अजय मंडल, मुकेश चौधरी, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मिशेल सेंटनर, सिमरजीत सिंह, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, महेश थीक्षाना, रचिन रवींद्र, शार्दुल ठाकुर, डेरिल मिशेल, समीर रिज़वी, मुस्तफिजुर रहमान, और अरवेल्ली अवनीश.

दिल्ली कैपिटल्स: ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश धुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्तवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा और शाई होप.

सनराइजर्स हैदराबाद की शानदार फॉर्म से गुजरात टाइटंस को खतरा

भाषा। अहमदाबाद

- मैच भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे शुरू होगा
- हैदराबाद को रोकने के लिए गुजरात को करना होगा गेंदबाजी में सुधार

गुजरात टाइटंस को अगर रविवार को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सनराइजर्स हैदराबाद की शानदार लय को रोकने की कोशिश करनी है तो उसे अपने गेंदबाजी आक्रमण में सुधार करना होगा. सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 277 रन बनाकर आईपीएल का सर्वकालिक रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया और सत्र की पहली जीत हासिल की. गुजरात टाइटंस ने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस पर जीत से शुरूआत की लेकिन पिछले मैच में चेन्नई में उसे हार का सामना करना पड़ा. चोटिल मोहम्मद शमी की जगह खेल रहे उमेश यादव कहीं भी उनके बराबर नहीं हैं जो गुजरात टाइटंस के लिए बड़ी परेशानी साबित हो रहा है. 63 रन से मिली हार से उनका नेट रन रेट प्रभावित हुआ जो -1.425 पहुंच गया है और यह लीग की 10 टीम में सबसे खराब है. टूर्नामेंट के अंतिम छोर में यह उसके लिए कुछ समस्यायें खड़ी कर सकता है. इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हार्दिक पंड्या के जाने से टीम का संतुलन बिगड़ा है जो अपनी हरफनमौला काबिलियत से संतुलन बनाये रखते थे. पिछले दो सत्र में गुजरात टाइटंस विजेता और उप विजेता रही थी. लेकिन शुभमन गिल की कप्तानी में टीम को भारतीय ऑल राउंडर पंड्या की कमी खल रही है. चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा दिये गये 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साई सुदर्शन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज 30 रन तक नहीं पहुंच सका. सुदर्शन और विजय शंकर धीमी बल्लेबाजी कर रहे हैं जबकि गिल की टी20 बल्लेबाजी की फिर से आलोचना हो रही है जिन्होंने 31 और आठ रन की पारियां खेली हैं.

मुंबई के खिलाफ हैदराबाद ने किया था रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन

टूर्नामेंट के छुपे रूस्तम सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले मैच में घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन बनाकर 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा बनाये गये आईपीएल के पांच विकेट पर 263 रन के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया. ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप विजेता ट्रेविस हेड (62 रन, 24 गेंद) ने शानदार पदार्पण किया और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 18 गेंद में सबसे तेज अर्धशतक जड़कर विस्फोटक शुरूआत करायी. लेकिन फिर 'अनकैप्ड' भारतीय अभिषेक शर्मा ने इस रिकॉर्ड को बेहतर करके महज 16 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया.

टीमें

गुजरात टाइटंस

शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, केन विलियमसन, अभिनव मनोहर, साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, नूर अहमद, साई किशोर, राशिद खान, जोशुआ लिटिल , मोहित शर्मा, अजमतुल्लाह उमरजई, उमेश यादव, शाहरुख खान, सुशांत मिश्रा, कार्तिक त्यागी, मानव सुथार, स्पेंसर जॉनसन, संदीप वारियर, बीआर शरथ.

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस (कप्तान), अब्दुल समाद, अभिषेक शर्मा, एडेन मार्कराम, ट्रेविस हेड, वानिंदु हसरंगा, मार्को यानसेन, राहुल त्रिपाठी, वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, सनवीर सिंह, हेनरिच क्लासेन, भुवनेश्वर कुमार, मयंक अग्रवाल, टी नटराजन, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक मार्कण्डेय, उपेंद्र सिंह यादव, उमरान मलिक, नीतिश कुमार रेड्डी, फजलहक फारूकी, शाहबाज अहमद, जयदेव उनादकट, आकाश सिह, जे सुब्रहमण्यन.

डेब्यूटांट मयंक यादव ने झटके तीन विकेट

लखनऊ ने पंजाब को 21 रन से हराकर खोला जीत का खाता

एजेंसी। लखनऊ

ओपनर क्विंटन डिकॉक की फिफ्टी, मिडिल ओवर्स में निकोलस पूरन के धमाके और आखिरी ओवर्स में क्रुणाल पंड्या की तूफानी पारी के बाद युवा गेंदबाज मयंक यादव की तूफानी रफ्तार के चलते लखनऊ सुपरजायंट्स ने आईपीएल के 17वें सीजन में अपना खाता खोल ही लिया. पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने होमग्राउंड एकाना स्टेडियम में लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट खोकर 199 रन बनाए और फिर पंजाब को 178 रन पर ही रोकते हुए 21 रन से मैच जीत लिया. यह लखनऊ की दो मैच में पहली जीत जबकि पंजाब की तीन मैच में दूसरी हार है.

फिनिश नहीं कर पाई पंजाब : 200 रन के विशाल स्कोर के जवाब में पंजाब किंग्स ने शानदार शुरुआत की थी. ओपनिंग विकेट के लिए कप्तान शिखर धवन और जॉनी बेयरस्टो के बीच 102 रन की तेज पार्टनरशिप हुई. 12वें ओवर में डेब्यूटेंट पेसर मयंक यादव ने 29 गेंद में 42 रन बनाकर खेल रहे बेयरस्टो को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा. तीसरे नंबर पर आए प्रभसिमरन सिंह और जितेश शर्मा को लगातार 14वें और 16वें ओवर में मयंक यादव ने अपना दूसरा और तीसरा शिकार बनाते हुए पंजाब किंग्स को दबाव में ला दिया. 50 गेंद में 70 रन बनाने वाले शिखर धवन के आउट होते ही मिडिल ऑर्डर की कमर टूट गई. सैम करन तो खाता तक नहीं खोल पाए. लियाम लिविंगस्टोन 17 गेंद में 28 रन बनाकर शशांक सिंह के साथ नाबाद लौटे.

मयंक यादव की 156 किमी की रफ्तार

अपना पहला आईपीएल मैच खेल रहे 21 वर्षीय मयंक यादव ने लगातार 150 किमी प्रति/घंटे से भी ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए हर किसी का दिल जीत लिया. 12वें ओवर में उन्होंने जॉनी बेयरस्टो को 155.8 kmph की रफ्तार से गेंद फेंकी. मैच में मयंक यादव ने चार ओवर में 27 रन देकर तीन अहम विकेट झटके. दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मयंक की तूफानी गेंदों का बड़े-बड़े धुरंधरों के पास भी कोई जवाब नहीं था. लखनऊ ने 2022 के मेगा ऑक्शन में मयंक यादव को 20 लाख के बेस प्राइस में खरीदा था.

अश्विन ने किया खराब दौर से गुजर रहे हार्दिक का बचाव, कहा-

तहजीब के दायरे में होनी चाहिए प्रशंसकों की जंग

भाषा। नयी दिल्ली

क्या कहा

- लोगों को भूलना नहीं चाहिए कि भारतीय खिलाड़ी हैं हार्दिक
- अश्विन ने कहा, किसी भी देश में ऐसा नहीं होता है

अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने खराब दौर से जुझ रहे हार्दिक पांड्या का बचाव किया, जिन्हें अहमदाबाद और हैदराबाद में दर्शकों का कोपभाजन बनना पड़ा है. अश्विन ने सोशल मीडिया पर और मैदान में दर्शकों के पांड्या को लेकर शत्रुतापूर्ण बर्ताव के लिये प्रशंसकों की जंग और सिनेमाई संस्कृति के माहौल को दोषी ठहराया. पांड्या इस सत्र में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस के कप्तान बने हैं. अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रशंसकों की जंग तहजीब के दायरे में होनी चाहिये . लोगों को यह नहीं भूलना चाहिये कि ये खिलाड़ी किस देश के लिये खेलते हैं, हमारे देश के लिये. फिर क्रिकेटर के साथ खराब बर्ताव करने की क्या जरूरत है. उन्होंने कहा कि मेरी समझ से परे है. अगर आपको कोई खिलाड़ी पसंद नहीं है और उसकी आलोचना कर रहे हैं तो टीम को स्पष्टीकरण देने की क्या जरूरत है. पांड्या को गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले मैच में दर्शकों की नाराजगी झेलनी पड़ी थी क्योंकि वह गुजरात टीम छोड़कर मुंबई टीम के कप्तान बन गए थे. इसी तरह हैदराबाद जैसे तटस्थ स्थान पर भी उन्हें इसी बर्ताव का सामना करना पड़ा था. अश्विन ने कहा कि यह क्रिकेट है और सिनेमाई संस्कृति भी है.

डेविड वीली की जगह मैट हैनरी लखनऊ सुपर जांयट्स की टीम में

नयी दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स ने शनिवार को इंग्लैंड के ऑल राउंडर डेविड विली की जगह अपनी टीम में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हैनरी को शामिल किया.हैनरी अपने 1.25 करोड़ रुपये के 'बेस प्राइस' (आधार मूल्य) में लखनऊ की टीम से जुड़ेंगे. विली ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से हटने का फैसला किया था. वह पिछले साल नीलामी में लखनऊ की टीम से जुड़े थे, इससे पहले उन्होंने 2022 और 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था.

धीरे-धीरे कप्तानी के गुर सीख जायेगा गिल : कर्स्टन

भाषा। अहमदाबाद

पूर्व चैंपियन गुजरात टाइटंस की आईपीएल 2024 में शुरूआत भले ही उतार चढाव भरी रही हो लेकिन उसके मेंटोर गैरी कर्स्टन ने शुभमन गिल का बचाव करते हुए कहा है कि इस तेज रफ्तार टी-20 प्रारूप में रणनीतिक फैसले लेना वह सीख जायेगा. आईपीएल 2022 की चैंपियन और मौजूदा उपविजेता टाइटंस दो मैचों में एक जीत और एक हार के बाद सातवें स्थान पर है. कर्स्टन ने कहा कि यह तेज रफ्तार खेल है. नियमित आधार पर तकनीकी फैसले लेने होते हैं. यह टेस्ट क्रिकेट नहीं है जो लंबा चलता है. उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि मैं कप्तान के तौर पर उससे काफी प्रभावित हूं. उन्होंने कहा कि उसने कप्तानी को अच्छे से आत्मसात किया है और एक अच्छे कप्तान के लक्षण दिखाये हैं. वह चतुर है और युवा भी है. उसे काफी कुछ सीखना है, खासकर टी-20 क्रिकेट में. दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि टाइटंस उन गलतियों को नहीं दोहरायेंगे जो चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ की थी.

बाबर को फिर कप्तान बनाना चाहता है पीसीबी

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बाबर आजम को सफेद गेंद के प्रारूप में कप्तानी की पेशकश की है लेकिन इस स्टार खिलाड़ी ने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है. सूत्रों ने दावा किया कि पीसीबी अध्यक्ष ने बाबर को यह पेशकश की है. यह भी पता चला है कि बाबर ने कप्तानी स्वीकार करने के लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं जिसमें कोचों की नियुक्ति में भी उनकी राय लेना शामिल है. बाबर ने यह भी कहा है कि उन्हें तीनों प्रारूपों में टीम की कमान सौंपी जानी चाहि.पर राष्ट्रीय चयन समिति की राय इस मुद्दे पर बंटी हुई है. पंजाब के एक पूर्व कार्यवाहक मंत्री बाबर को कप्तानी के साथ उनकी शर्तें मानने के पक्ष में नहीं हैं. सूत्र ने कहा कि चयन समिति के कुछ सदस्यों को अब लगता है कि सबसे अच्छी बात यह है कि अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 श्रृंखला के लिए शाहीन शाह अफरीदी को कप्तान बने रहने दिया जाये और उन्हें अपनी योग्यता साबित करने का मौका दिया जाये.

टी20 कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं शाहीन

तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी पाकिस्तान क्रिकेट और टी-20 कप्तान के रूप में उनके भविष्य से संबंधित चर्चाओं में शामिल नहीं किये जाने से निराश हैं, जिससे वह कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं. शाहीन के करीबी सूत्र ने कहा कि यह गेंदबाज इस बात से नाराज है कि जहां तक कप्तानी या कोचों की नियुक्ति का सवाल है तो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी और राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने एक बार भी उनसे भविष्य की योजनाओं के बारे में बात नहीं की है.

टेनिस

मियामी ओपन के सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव व एलेक्जैंडर ज्वेरेव हारे

यानिक सिनर व ग्रिगोर दिमित्रोव के बीच होगा फाइनल

भाषा। मियामी गार्डन्स (अमेरिका)

- एकतरफा मुकाबले में सिनर ने दानिल मेदवेदेव को हराया
- 6-1, 6-2 से यानिक सिनर ने दर्ज की जीत

दूसरे वरीय यानिक सिनर ने यहां तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव पर जीत से मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया. रविवार को फाइनल में सिनर का सामना 11वें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा, जिन्होंने चौथे वरीय एलेक्जैंडर ज्वेरेव को दूसरे सेमीफाइनल में शिकस्त दी. सिनर ने सेमीफाइनल में दमदार खेल दिखाते हुए मेदवेदेव को 6-1 6-2 से मात दी. दिमित्रोव ने शीर्ष वरीय कार्लोस अल्काराज को क्वार्टरफाइनल में हराने के बाद सेमीफाइनल में जर्मनी के ज्वेरेव को 6-4, 6-7, 6-4 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनायी. महिला वर्ग के फाइनल में अमेरिका की डेनियल कोलिंस और चौथी वरीय एलीना रिबाकिना की भिड़ंत होगी.

- 6-4, 6-7, 6-4 दिमित्रोव ने दर्ज की जीत

आज होगा फाइनल मुकाबला

- दिमित्रोव ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को हराया

बांग्लादेश बनाम श्रीलंका

पहले दिन श्रीलंका ने बनाए 314 रन

भाषा। चट्टोग्राम (बांग्लादेश)

टेस्ट मैच

- मेंडिस ने 93 व करूणारत्ने ने 86 रन की पारी खेली
- पहले दिन श्रीलंका की टीम ने गंवाए चार विकेट

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे और आखिरी क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन श्रीलंका ने अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बड़े स्कोर की नींव रख दी. तीसरे नंबर पर उतरे कुसल मेंडिस ने 93 रन बनाये जबकि दिमुथ करूणारत्ने ने 86 और निशान मदुष्का ने 57 रन की पारी खेली . भारत में पिछले साल विश्व कप के बाद पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे हरफनमौला शाकिब अल हसन ने 18 ओवर में 60 रन देकर एक विकेट लिया. पहले दिन का खेल समाप्त होने पर दिनेश चांदीमल 34 और कप्तान धनंजय डिसिल्वा 15 रन बनाकर खेल रहे थे. पहले टेस्ट में डिसिल्वा ने दोनों पारियों में शतक जमाया था जिसमें श्रीलंका 328 रन से विजयी रहा था. श्रीलंका ने पहले टेस्ट की टीम में एक बदलाव करते हुए चोटिल कासुन रजीता की जगह असिता फर्नांडो को उतारा.

ब्रीफ खबरें

आग लगने से मासूम बच्चे की हुई मौत

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी में आग लगने की बड़ी घटना हो गई, जिसमें एक मासूम बच्चे की झुलस कर मौत हो गई. यह घटना जिले के पुपरी थाना क्षेत्र के रामपुर खुर्द गांव की है. जहां एक साथ पांच भाइयों के घरों में अचानक आग लग गई. घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया. आग लगने की घटना से गांव में सनसनी फैल गई. हालांकि आग कैसे लगी, अभी इसका खुलासा नहीं हो सका है. वहीं, आग से घर में संचालित एक किराना दुकान भी जलकर पूरी तरीके नष्ट हो गई.

हादसे में सब-इंस्पेक्टर सहित चार घायल

पटना। कैमूर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के महुवर गांव के पास नहर पर शराब तस्करों का पीछा कर रही पुलिस की गाड़ी पेड़ से टकरा गई. इस हादसे में सब इंस्पेक्टर, गाड़ी चालक और दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए. घटना के बाद सभी घायलों को रामगढ़ रेफरल अस्पताल लाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद सब इंस्पेक्टर और ड्राइवर को बेहतर इलाज के लिए भभुआ सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया. घायलों में सब इंस्पेक्टर पप्पू कुमार यादव (23), होमगार्ड ड्राइवर देवव्रत पासवान और कांस्टेबल अंकुश कुमार तथा आकाश कुमार शामिल हैं.

शादीशुदा ने नाबालिग से किया दुष्कर्म

बेतिया। बेतिया में शादीशुदा शख्स द्वारा एक नाबालिग बालिका से उसके हाथ-पैर बांधकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है. घटना के बाद आरोपी फरार हो गया है. वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस आरोपी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है और मामले की जांच-पड़ताल में लग गई है. घटना जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की है. आरोपी युवक की पहचान गांव के जिशान कुमार के रूप में की गई है. अभी भी वह पुलिस पकड़ से बाहर है. मामले में पीड़ित नाबालिग ने शिकारपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है.

तीनों सीटों के लिए सीपीआई (एमएल) ने की उम्मीदवारों की घोषणा

नालंदा से लड़ेंगे संदीप सौरभ आरा से सुदामा होंगे उम्मीदवार

संवाददाता। पटना

बिहार में महागठबंधन पार्टियों के बीच सीट शुक्रवार को हुए टिकट बंटवारे के बाद शनिवार को सीपीआई (एमएल) के तरफ से उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया गया है. इस पार्टी के खाते में तीन सीट आई थी और अब इनपर कैंडिडेट के नाम का एलान कर दिया गया है, जिने तीन सीटों पर सीपीआई (एमएल) चुनाव लड़ेगी उनमें नालंदा, आरा और काराकाट है. इन तीनों सीटों पर नालंदा सीट से विधायक संदीप सौरव,आरा से विधायक सुदामा प्रसाद, काराकाट से राजाराम सिंह पार्टी के उम्मीदवार होंगे. जानकारी हो कि लालू यादव की राजद 26 और कांग्रेस 9 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि लेफ्ट दलों (भाकपा माले, भाकपा और माकपा) को 5 सीटें मिली हैं.

संदीप सौरभ फिलहाल पटना जिले के पालीगंज विधानसभा से विधायक हैं. साल 2020 विधानसभा चुनाव में उन्होंने करीब 30000 वोटो से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जदयू के जयवर्धन यादव उर्फ बच्चा बाबू को हराया था. छात्र जीवन से राजनीति की शुरुआत करने वाले संदीप सौरव आईशा के महासचिव भी रहे हैं. संदीप सौरभ ने हिंदी साहित्य में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की. अब पार्टी इन्हें नालंदा से लोकसभा चुनाव लड़वाने जा रही है.

सीपीआई (एमएल) ने काराकाट से राजाराम सिंह को उम्मीदवार बनाया

सुदामा प्रसाद भाकपा माले पार्टी से वर्तमान में तरारी के विधायक भी हैं. तरारी से विधायक सुदामा प्रसाद वैश्य समाज से आते हैं और व्यवसायी समाज में सक्रिय रहते हैं. प्रसाद 1997 से बिहार

के भोजपुर जिले में सक्रिय थे बाद में वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के सदस्य बन गए और इसकी राज्य समिति के लिए चुने गए. 2015 के बिहार विधान सभा चुनाव में, माले ने उन्हें तरारी निर्वाचन क्षेत्र के लिए उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा और बाद में वे बिहार विधान सभा के लिए चुने गए. वहीं काराकाट से माले उम्मीदवार राजाराम सिंह अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव हैं.1995 और 2000 में वे औरंगाबाद के ओबरा से दो बार विधायक भी रह हैं. साथ ही अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति के बिहार-झारखंड के प्रभारी भी हैं. भाकपा-माले के पोलित ब्यूरो के भी सदस्य हैं.

हरिशंकर चौधरी के नेतृत्व में कई लोगों ने थामा जदयू का दामन

पटना। पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी हरिशंकर चौधरी ने शनिवार को जदयू का दामन थाम लिया. पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने पार्टी कार्यालय में हरिशंकर चौधरी सहित उनके नेतृत्व में कई लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करायी. मौके पर वशिष्ठ नारायण सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नीति-सिद्धांतों एवं कार्यों से प्रभावित होकर हरिशंकर चौधरी के नेतृत्व में कई साथियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है. चौधरी सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं. अपने क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ है. इनके आने से पार्टी को सांगठनिक मजबूती मिलेगी. जदयू परिवार में सभी नए सदस्यों का हम हार्दिक स्वागत करते हैं. मौके पर मुख्य रूप से विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ 'गांधी जी', अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश त्यागी, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव संतोष सिंह, विशाल सिंह मौजूद रहें. पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में नवलेश रविदास एवं रंजीत कुमार पासवान मुख्य थे.

डबल मर्डर केस : भाकपा-माले के दो विधायक कोर्ट से हुए बरी

संवाददाता। सीवान

चर्चित चिलमारवा कांड में एडीजे 3 नरेंद्र कुमार एमपी एमएलए कोर्ट ने फैसला सुनाया, जिसमें माले विधायक सतदेव राम और अमरजीत कुशवाहा को कोर्ट ने बरी कर दिया. शनिवार को दोनों नेता सुबह से ही कोर्ट परिसर में पहुंचे थे. अब इन्होंने राहत की सांस ली है. यह पूरा मामला 6 जुलाई 2013 का है, जहां गैर मजरुआ जमीन पर कब्जा करने के दौरान दो पक्षों में झड़प और फिर मारपीट हो गई. इस मारपीट में दूसरे पक्ष में माले कार्यकर्त्ता थे. मारपीट के दौरान गोलीबारी भी हुई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गयी और एक व्यक्ति गोली लगने से घायल हो गया था. मृतक की पहचान राज नारायण उर्फ राजू सिंह एवं दूसरे की पहचान मुकेश सिंह के रूप में की गई थी. इस घटना में विश्राम मिश्रा घायल हुआ था. मृतक के परिजनों ने गुठनी थाना में माले विधायक सतदेव राम और जीरादेई विधायक अमरजीत कुशवाहा सहित अन्य के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज कराई थी. उस समय सतदेव राम और अमरजीत कुशवाहा विधायक नहीं थे, फिर के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. उसके बाद सत्यदेव राम जेल में रहते हुए विधायक का चुनाव लड़े और विजयी हुए. 11 साल बाद हुए इस फैसले से माले कार्यकर्ता काफी खुश दिखे.

सर्च ऑपरेशन के दौरान छह आईईडी बम किया गया बरामद

संवाददाता। पटना

औरंगाबाद जिले में पुलिस ने लोकसभा चुनाव के दौरान माओवादियों की दहला देने वाली बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है. पुलिस ने चुनाव को लेकर चलाए जा रहे एंटी नक्सल स्पेशल ऑपरेशन के दौरान छह शक्तिशाली प्रेशर आईइडी बम को बरामद कर डिफ्यूज कर दिया है. नक्सलियों की योजना विस्फोट कर सुरक्षा बलों को उड़ाने की थी. पुलिस कप्तान स्वपना गौतम मेश्राम ने बताया कि चुनाव को शांतिपूर्ण और बाधा रहित संपन्न कराने को लेकर पुलिस द्वारा नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है. इसी दौरान औरंगाबाद एवं गया जिले के सीमावर्ती मदनपुर थाना क्षेत्र में छकरबंधा के दुर्गम जंगली-पहाड़ी इलाके से पुलिस ने छः प्रेशर आईइडी को बरामद कर डिफ्यूज कर दिया. उन्होंने बताया कि पुलिस को छकरबंधा के जंगलों में विस्फोटकों तथा असलहों को छिपाए जाने की सूचना मिली थी.

चिराग पासवान ने किया पांच उम्मीदवारों के नाम का ऐलान

पटना। बिहार की सीटों को लेकर एलजेपी (आर) ने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है. जमुई से अरुण भारती, समस्तीपुर से शांभवी चौधरी, हाजीपुर से चिराग पासवान, वैशाली से वीणा देवी और खगड़िया से राजेश वर्मा के नाम का ऐलान हुआ है. इनमें हाजीपुर, समस्तीपुर, वैशाली, खगड़िया और जमुई शामिल है. एलजेपी आर के सीट बंटवारे में दो सीट पर परिवार के ही सदस्य चुनाव लड़ रहे है. वहीं, वैशाली सीट से वीणा देवी चुनाव लड़ रही हैं. 2019 में वीणा वैशाली से चुनाव लड़ी थी.

अंधाधुंध फायरिंग से दहला हेगनपुरा, आपसी वर्चस्व में चली 50 राउंड गोलियां, एक घायल

संवाददाता। नालंदा

जिले के नूरसराय थाना इलाके के हेगनपुरा गांव आपसी वर्चस्व को लेकर शुक्रवार की रात दो पक्षों में अंधाधुंध फायरिंग की घटना हुई है. अचानक गोलियों की आवाज सुनने के बाद गांव में दहशत का माहौल हो गया. गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी. इसके बाद भारी संख्या में पुलिस बल की मौके पर तैनाती हुई. पुलिस की आते ही बदमाश गांव छोड़कर भाग निकले. बताया जा रहा है कि लगभग 50 राउंड से अधिक फायरिंग हुई है. इस गोलीबारी के दौरान गांव के टुनटुन प्रसाद के पुत्री अंजली सिन्हा को गोली लगी है, जिसका हायर सेंटर अस्पताल में इलाज चल रहा है. मिली जानकारी के अनुसार नूरसराय थाना इलाके के हेगनपुरा गांव में सोनू कुमार उर्फ डॉन और गुड्डू पासवान के बीच आपसी वर्चस्व को लेकर मारपीट और फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया है. नूरसराय थाना प्रभारी रजनीश कुमार ने बताया कि गांव वालों से फोन पर सूचना मिलने के बाद पुलिस गांव पहुंचकर छानबीन में जुट गई. पुलिस के पहुंचने से पहले ही बदमाश गांव छोड़कर फरार हो गए.

खास बातें

- गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी
- टुनटुन प्रसाद के पुत्री अंजली सिन्हा को गोली लगी है
- पुलिस के आने से पहले ही बदमाश फरार हो गए

पप्पू को महागठबंधन का धर्म निभाना चाहिए: बीमा

पटना। लोकसभा चुनाव में इस बार महागठबंधन से पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र सबसे चर्चित रहा है. शनिवार को बीमा भारती ने कहा कि पप्पू यादव कांग्रेस में हैं. वह कुछ दिन पहले ही कांग्रेस में शामिल हुए हैं. यह पूरे देश की लड़ाई है. सिर्फ पूर्णिया की लड़ाई नहीं है. पूरे देश की लड़ाई में इस तरह की बातें करनी अच्छी बात नहीं है. वह हमारे गार्जियन है और गार्जियन की तरह फर्ज निभाने की कोशिश करें, यही हम उनसे निवेदन करेंगे. बीमा भारती ने कहा कि पप्पू यादव हमारे बड़े भाई हैं. उनसे हमारा आग्रह है कि वह महागठबंधन का धर्म निभानाएं.

पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

संवाददाता। पटना/बक्सर

बक्सर जिले में बीते 24 घंटे के भीतर एक ही गांव के पांच लोगों की संदिग्ध मौत से हड़कंप मच गया है. मरने वाले सभी लोग ब्रह्मपुर के बगेन गोला थाना क्षेत्र के मनकी गांव के रहने वाले थे. तीन लोगों की मौत पहले ही हो गई थी जबकि दो अन्य लोगों की मौत शुक्रवार देर रात इलाज के दौरान हो गई है. दो अन्य लोग अस्पताल में भर्ती हैं. पटना में इलाज के दौरान जिन दो लोगों की मौत हुई है उनमें 40 वर्षीय हरेंद्र सिंह उर्फ काली यादव और 40 वर्षीय दामोदर यादव है. इस गांव के कुल पांच लोगों की मौत अबतक हो चुकी है. एक के बाद एक पांच लोगों की संदिग्ध मौत से गांव में दहशत का माहौल है. ग्रामीण जहरीली शराब पीने से मौत की आशंका जता रहे हैं. तीन लोगों की मौत के बाद दो और लोगों की मौत की खबर जैसे ही ग्रामीणों को मिली कोहराम मच गया. घटना की जानकारी मिलने के बाद बक्सर के डीएम और एसपी गांव पहुंचे और मृतकों के परिजनों से घटना की जानकारी ली. पहले तो स्थानीय स्तर पर मामले को दबाने की कोशिश की गई लेकिन जब मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया तो बात सामने आ गई. फिलहाल पूरे मामले में पुलिस ने चुप्पी साध रखी है.

कारोबार

जेएसडब्ल्यू ने हॉट स्ट्रिप मिल चालू की

नयी दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील ने शनिवार को कर्नाटक के विजयनगर स्थित अपने एकीकृत इस्पात संयंत्र में हॉट स्ट्रिप मिल शुरू करने की घोषणा की. जेएसडब्ल्यू स्टील ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने 50 लाख टन की वार्षिक क्षमता वाली मिल से स्टील उत्पादों की पहली खेप भेजी है. कंपनी ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू विजयनगर मेटालिक्स लिमिटेड (जेवीएमएल) ने शनिवार को विजयनगर संयंत्र में 50 लाख टन प्रतिवर्ष क्षमता के साथ अपनी हॉट स्ट्रिप मिल को चालू किया.

ओपनएआई ने वॉयस इंजन पेश किया

सैन फ्रांसिस्को। चैटजीपीटी को बनाने वाली कंपनी ओपनएआई वॉयस असिस्टेंट कारोबार में उतर रही है. कंपनी ने ऐसी तकनीक तैयार की है, जो किसी व्यक्ति की आवाज को क्लोन कर सकती है. हालांकि, ओपन एआई ने कहा है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण वह इसे अभी सार्वजनिक रूप से पेश नहीं करेगी. कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी ने नाम के लिए ट्रेडमार्क आवेदन दाखिल करने के ठीक एक सप्ताह बाद शुक्रवार को अपनी नई वॉयस इंजन तकनीक का अनावरण किया.

कॉल फॉरवर्ड करने की सुविधा पर लगी रोक

नयी दिल्ली। सरकार ने साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए कॉल फॉरवर्ड करने की सुविधा बंद करने का निर्णय लिया है. इसके लिए दूरसंचार विभाग की ओर से सभी टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया गया है और उन्हें 15 अप्रैल से इस सुविधा को बंद करने के लिए कहा गया है. दूरसंचार विभाग का यह निर्देश यूएसएसडी पर आधारित कॉल फॉरवर्डिंग के लिए है. विभाग के द्वारा दूरसंचार कंपनियों को कहा गया है कि वे यूएसएसडी बेस्ड कॉल फॉरवर्डिंग को 15 अप्रैल से बंद कर दें. साथ ही सरकार ने कंपनियों को कॉल फॉरवर्डिंग की सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए कहा है.

फार्मा, इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिक प्रोडक्ट्स ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

एक ट्रिलियन डॉलर होगा भारत का एक्सपोर्ट

एजेंसी। मुंबई

भारत से एक्सपोर्ट में जबरदस्त तेजी आने वाली है. दुनियाभर में आर्थिक सुस्ती और संघर्षों के बावजूद भारत का निर्यात तेजी से बढ़ेगा और यह 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर का रिकॉर्ड आंकड़ा पार कर लेगा. इसमें द्विपक्षीय समझौतों के साथ ही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) और अफ्रीका, लैटिन अमेरिका एवं सेंट्रल एशिया के बाजार काफी मदद करेंगे. भारत से महंगी धातुओं, मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, आर्गेनिक केमिकल्स, टेक्सटाइल्स, मसाले और डिफेंस उत्पादों का एक्सपोर्ट तेजी से बढ़ने की पूरी उम्मीद है. भारत से निर्यात लगातार बढ़ रहा है. फरवरी, 2024 में यह सालाना आधार पर 11.9 फीसदी उछलकर 41.4 अरब डॉलर हो गया था. यह मार्च, 2023 के बाद सबसे बड़ा आंकड़ा था. इसमें फार्मा, इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिक प्रोडक्ट्स ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. भारत ने हाल ही में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका एवं सेंट्रल एशिया के देशों के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर दिया है. इससे भी निर्यात को बहुत मदद मिल रही है. इन देशों के साथ अप्रैल से दिसंबर 2023 के बीच लगभग 23.4 करोड़ डॉलर का कारोबार हुआ है.

भारत ने चार यूरोपीय देशों के साथ एफटीए किया

हाल ही में भारत ने 4 यूरोपीय देशों एक साथ भी एफटीए किया है. इनमें आइसलैंड, लाइकेंस्टाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं. इस समझौते से भारत के उत्पाद यूरोप के बाजारों में आसानी से पहुंच सकेंगे. इसके अलावा ब्रिटेन, ओमान और कई यूरेशियन देशों के साथ भी जल्द ही एफटीए हो सकते हैं. फिलहाल भारत का सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट अमेरिका, हॉन्गकॉन्ग, चीन, सिंगापुर और यूनाइटेड किंगडम के साथ होता है.

भारत करेगा अच्छा प्रदर्शन

फियो के डीजी अजय सहाय ने बताया कि आने वाले सालों में एक्सपोर्ट के मोर्चे पर खुशखबरी आने वाली है. हम गुड्स एवं सर्विसेज में एक ट्रिलियन डॉलर एक्सपोर्ट का आंकड़ा साल 2030 तक आसानी से हासिल कर सकते हैं. हालांकि, अगले वित्त वर्ष की शुरुआत में महंगाई और जिओ पॉलिटिकल समस्याएं एक्सपोर्ट के सामने चुनौती बनकर खड़ी हो सकती हैं. हमारा मानना है कि यूएस फेड अगले रिव्यू में ब्याज दरें कम कर सकता है. इससे अन्य देशों को भी ऐसा ही करने में मदद मिलेगी. इसके चलते कई देशों में डिमांड तेजी से बढ़ेगी.

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 642.63 अरब डॉलर हुआ

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मार्च को समाप्त सप्ताह में 14 करोड़ डॉलर बढ़कर 642.631 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंच गया. भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी. यह लगातार पांचवां सप्ताह है, जब विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है. इससे एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.39 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 642.49 अरब डॉलर हो गया था. सितंबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642.45 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गया था. लेकिन वैश्विक गतिविधियों के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये की गिरावट को थामने के लिए पूंजी भंडार का उपयोग किया, जिससे मुद्रा भंडार में थोड़ी कमी आई थी. रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 15 मार्च को समाप्त सप्ताह में मुद्राभंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 12.3 करोड़ डॉलर घटकर 568.38 अरब डॉलर हो गईं.

आईटीआर 31 मार्च तक करें दाखिल : आयकर

एजेंसी। नयी दिल्ली

चालू वित्त वर्ष 2023-24 को समाप्त होने में एक दिन शेष बचे हैं. यदि आपने आकलन वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए अद्यतन (अपडेटेड) आयकर रिटर्न (आईटीआर) अबतक नहीं दाखिल किया है, तो 31 मार्च, 2024 तक अपना अपडेटेड आईटीआर (आईटीआर-यू) आप दाखिल कर सकते हैं. आयकर विभाग ने शनिवार को को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि अपडेटेड आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2024 तक है. विभाग के मुताबिक आकलन वर्ष 2021-2022 के साथ निर्धारण वर्ष 2022-23 और निर्धारण वर्ष 2023-24 के लिए अपना अद्यतन आईटीआर भी आप 31 मार्च, 2024 तक दाखिल कर सकते हैं.

विभाग ने करदाताओं से अपील कर कहा है कि अवसर समाप्त होने से पहले इसका लाभ उठाएं, अपनी अपडेटेड रिटर्न आज ही दाखिल करें. इसके साथ ही आयकर विभाग ने कहा है कि आकलन वर्ष 2021-23, 2022-23 और 2023-24 के लिए आप अपडेटेड आईटीआर फाइल कर सकते हैं. आयकर विभाग ने करदाताओं से अपील करते हुए कहा कि समय पर आईटीआर दाखिल कर आप बाद में उच्च कर का भुगतान करने से खुद को बचा सकते हैं. इसलिए देर न करें, आज ही फाइल करें! उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग ने इस प्रोविजन को 2022 के फाइनेंस एक्ट में शामिल किया था. इसके तहत जो टैक्सपेयर्स वित्त वर्ष 2020-21 का आईटीआर दाखिल नहीं कर सके हैं, वे अपना अपडेटेड आईटीआर 31 मार्च, 2024 तक कर सकते हैं.

सरकार ने 20 में से 13 मिनेरल ब्लॉक की नीलामी रद्द की

एजेंसी। नयी दिल्ली

महत्वपूर्ण खनिजों की पहली किश्त में बिक्री के लिए रखे गए 20 ब्लॉकों में से 13 की नीलामी सरकार ने रद्द कर दी है. खान मंत्रालय के मुताबिक निराशाजनक प्रतिक्रिया की वजह से यह फैसला लिया गया. खान मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 13 मार्च 2024 की अधिसूचना के जरिए 13 खनिज ब्लॉकों के लिए ई-नीलामी प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था, जिसमें दो ब्लॉकों के लिए कोई बोली प्राप्त नहीं हुई थी और 11 ब्लॉकों के लिए तीन से कम तकनीकी रूप से योग्य बोलीदाता (टीक्यूबी) थे. प्रस्ताव पर रखे गए 20 ब्लॉकों में से 18 ब्लॉकों के लिए 56 भौतिक और 56 ऑनलाइन नीलामियां लगीं. रद्द किए गए 11 ब्लॉकों में से सात खदानों को तीसरे दौर के तहत नीलामी के लिए अधिसूचित किया गया है. छह ब्लॉकों की दूसरे दौर की नीलामी तय कार्यक्रम के अनुसार पूरी हो गई है.

एक अप्रैल से हर हफ्ते देनी होगी गेहूं भंडार की सूचना

नयी दिल्ली। केंद्र ने गेहूं की जमाखोरी व कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए कारोबारियों को इसके भंडार की जानकारी हर सप्ताह सरकारी पोर्टल पर देने का आदेश दिया है. सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के कारोबारी, थोक कारोबारी, खुदरा विक्रेता, बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेता व प्रोसेसर्स को एक अप्रैल से भंडार की घोषणा करनी होगी. उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा, भंडार की जानकारी हर शुक्रवार को सरकारी पोर्टल ttps://evegoils .nic.in/wheat/login पर अगले आदेश तक देनी होगी.

उछाल वित्त वर्ष 2023-24 में बिटकॉइन ने निफ्टी और गोल्ड को दी पटखनी

12 महीनों में डिजिटल करेंसी 150 फीसदी उपर चढ़ा

एजेंसी। नयी दिल्ली

वित्त वर्ष 2023-24 बिटकॉइन के लिए शानदार रहा है. पिछले 12 महीनों में यह डिजिटल करेंसी लगभग 150 फीसदी ऊपर जा चुकी है. इसने रिटर्न देने के मामले में निवेश के भरोसेमंद एवं पुराने उपायों निफ्टी 50 और गोल्ड को काफी पीछे छोड़ दिया है. इस वित्त वर्ष में निफ्टी 50 ने 30 फीसदी और गोल्ड ने लगभग 11 फीसदी का रिटर्न दिया है. अगले वित्त वर्ष में इस डिजिटल करेंसी के और ऊपर जाने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है. बिटकॉइन ने चालू वित्त वर्ष की शुरुआत 28,500 डॉलर के रेट से की थी. अब यह मार्च, 2024 में 73,750 डॉलर के रिकॉर्ड आंकड़े पर आ चुका है. जून, 2023 तक बिटकॉइन जबरदस्त रफ्तार पकड़कर 50 फीसदी उछल चुका था. कॉइन डीसीएक्स के फाउंडर सुमित गुप्ता ने लाइव मिंट को बताया कि इस क्रिप्टोकरेंसी के लिए यह वित्त वर्ष शानदार रहा है. बिटकॉइन को टुकड़ों में तोड़ने से निवेशकों का उत्साह बहुत बढ़ गया था. यही वजह है कि यह डिजिटल करेंसी ऑल टाइम हाई रेट पर चल रही है. अगले वित्त वर्ष में बिटकॉइन आसानी से 80 हजार डॉलर का आंकड़ा पार कर लेगा.

6 महीने में इसके दाम दोगुने हो गए

जनवरी, 2024 में अमेरिका ने 11 फंड मैनेजर को बिटकॉइन ईटीएफ लाने की मंजूरी दे दी थी. इसके बाद बिटकॉइन को लेकर लोगों की रुचि और तेजी से बढ़ी. पिछले 6 महीने में ही इसके दाम दोगुने हो गए हैं. साल, 2024 की शुरुआत से ही यह लगभग 67 फीसदी ऊपर जा चुका है. पिछले महीने ही इसमें लगभग 37 फीसदी की तेजी आई है. वजीर एक्स के वाईस प्रेसिडेंट राजगोपाल मेनन ने कहा कि बिटकॉइन ईटीएफ में अब तक अरबों डॉलर का निवेश हो चुका है. इन 11 ईटीएफ ने 11 जनवरी से ही कारोबार शुरू किया था. इसलिए यह एक कमाल का आंकड़ा है. अप्रैल, 2024 में बिटकॉइन को तोड़कर आधा किया जा सकता है. इसके बाद वित्त वर्ष 2025 में बिटकॉइन ट्रेड में नाटकीय बदलाव देखने को मिल सकते हैं.

एयरटेल कंपनी का पहला आईपीओ आएगा बाजार में

एजेंसी। नयी दिल्ली

वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत 1 अप्रैल से होने वाली है. भारती एयरटेल की सब्सिडियरी भारती हेक्साकॉम नए वित्त वर्ष का पहला आईपीओ लेकर आ रही है. 3 अप्रैल को खुल रहे इस इश्यू के जरिए कंपनी कुल 4,275 करोड़ रुपये इकट्ठा करने की कोशिश कर रही है. कंपनी ने इस आईपीओ का प्राइस बैंड तय कर दिया है. अगर आप भी वित्त वर्ष 2024-25 के पहले आईपीओ में निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो हम आपको इसके सभी डिटेल्स के बारे में बता रहे हैं. इस आईपीओ के जरिए कंपनी कुल 7.5 करोड़ के शेयरों की बिक्री करने वाली है. यह शेयर पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल के जरिए बिकने वाले हैं. मौजूदा शेयर धारक टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए आपनी 15 फीसदी हिस्सेदारी बेचने वाली है. पहले कंपनी अपने 10 करोड़ शेयर की बिक्री का प्लान बना रही थी.

असफल निवेशकों को रिफंड 10 अप्रैल को मिलेगा

भारती हेक्साकॉम आईपीओ 3 अप्रैल 2024 को खुल रहा है. निवेशक इसमें 5 अप्रैल 2024 तक निवेश कर सकते हैं. वही शेयरों का अलॉटमेंट 8 अप्रैल 2024 को होगा. असफल निवेशकों को रिफंड 10 अप्रैल को मिल जाएगा.

ब्रीफ खबरें

जुलूस में शामिल नहीं हुए पोप फ्रांसिस

रोम । पोप फ्रांसिस रोम के एक बड़े कलागृह में निकाले गए गुड फ्राइडे के पारंपरिक जुलूस में शामिल नहीं हुए जिससे उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं. वेटिकन ने जुलूस में उनके शामिल नहीं होने की जानकारी दी है. फ्रांसिस के 'वे ऑफ क्रॉस' जुलूस की अगुवाई करने की उम्मीद थी जो ईसा मसीह के जुनून और उन्हें सलीब पर चढ़ाने की घटना का पुनः प्रदर्शन करता है. यह पहली बार है जब वह पोप के अपने 11 वर्ष के कार्यकाल में कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए हैं.

पूर्व राष्ट्रपति जुमा के चुनाव लड़ने पर रोक

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा देश में 29 मई को होने वाले आम चुनाव में खड़े नहीं हो पाएंगे क्योंकि उनके आपराधिक रिकॉर्ड के कारण उन्हें उम्मीदवार के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया है. निर्वाचन आयोग (आईईसी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. जांच आयोग की सुनवाई बीच में ही छोड़कर चले जाने पर जुमा को 2021 में दक्षिण अफ्रीका की संवैधानिक अदालत द्वारा 15 माह जेल की सजा सुनाई गई थी.

छत गिरने से पांच मजदूरों की मौत

कराची । बलूचिस्तान प्रांत में भारी बारिश के कारण एक मकान की छत गिरने से कम से कम पांच खदान श्रमिकों की मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक, यह मकान स्थानीय कोयला खदान के बाहर मजदूरों के रहने के लिए बनाया गया था. मूसलाधार बारिश के कारण कोयला खदान ढह गई और पांच मजदूर मलबे में दब गए जिससे उनकी मौत हो गई. पुलिस के अनुसार, मृतकों के शवों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से आवश्यक कार्रवाई के बाद उन्हें उनके मूल क्षेत्रों में भेज दिया गया.

नौका दुर्घटना में आठ लोगों की मौत

मेक्सिको । मेक्सिको के दक्षिणी प्रशांत तट के पास एक नौका हादसे में आठ प्रवासियों की मौत हो गई. प्रारंभिक जांच के आधार पर मृतक संभवतः एशिया के थे. अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. मेक्सिको के दक्षिणी प्रांत ओक्साका में अभियोजकों ने कहा कि इस हादसे में जीवित बचे एक एशियाई व्यक्ति का पता लगा लिया गया है. अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच के आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि इस हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति एशिया के थे.

लाहौरिया-विक्की गिरोह के चार सदस्य पकड़ाए

चंडीगढ़ । पंजाब में प्रेमा लाहौरिया-विक्की गौंडर गिरोह के चार सदस्यों को एक मुठभेड़ के बाद शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि जालंधर पुलिस ने पकड़े गये बदमाशों के पास से छह पिस्तौल बरामद की है. यादव ने बताया कि जालंधर पुलिस ने चार कथित बदमाशों को एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है और लक्षित हत्या के साजिश को नाकाम कर दिया है.

ऐतिहासिक गंगा मेला

कानपुर : पूरे भारत में मशहूर कानपुर के ऐतिहासिक गंगा मेले में इस बार जबरदस्त उत्साह देखने को मिला. गंगा मेले के अवसर पर कानपुर में जगह-जगह होली खेली गई. इस मौके पर युवाओं ने एक दूसरे को रंग- गुलाल लगाकर गंगा मेले की बधाइयां दीं. इस दौरान प्रतियोगिता में शहर के गोविंद नगर, हालसी रोड, लाटूर रोड, कमला टावर, फूलबाग समेत 19 टीमों ने भाग लिया.

आबकारी नीति मामला

मंत्री कैलाश गहलोत से ईडी ने की पांच घंटे तक पूछताछ

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली की शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत से शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने साढ़े पांच घंटे तक पूछताछ की. ईडी दफ्तर से बाहर निकलने के बाद कैलाश गहलोत ने कहा कि, मुझसे करीब साढ़े पांच घंटे तक पूछताछ हुई. ईडी का कैलाश को यह दूसरा सम्मन था. पहला सम्मन विस सत्र के दौरान आया था. ईडी ने शराब नीति के ड्राफ्ट को तैयार करने में उनकी भूमिका को लेकर पूछताछ की.

ईडी ने पीएफआई के 3 सदस्यों को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली । ईडी ने पीएफआई के तीन सदस्यों को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है. ईडी के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अब्दुल खादर पुत्तूर, अंशद बदरुद्दीन और फिरोज नामक तीन लोग पीएफआई के लिए फिजिकल ट्रेनर के रूप में काम कर रहे थे.

पुलिस ने लोगों से कहा-शांति बनाए रखें

मुख्तार अंसारी के जनाजे में उमड़े हजारों समर्थक

- मुख्तार के पैतृक आवास के निकट मैदान में नमाज पढ़ी, बाद में भी नमाज अदा की गयी

एजेंसी । गाजीपुर/लखनऊ

पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी का शव कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को गाजीपुर जिले के उनके पैतृक निवास युसूफपुर मोहम्मदाबाद के निकट कालीबाग स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया. पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि इससे पहले मुख्तार के पैतृक आवास से शनिवार सुबह जनाजा निकाला गया जिसमें उनके सांसद भाई अफजाल अंसारी, पुत्र उमर अंसारी और भतीजे विधायक सुहेब अंसारी समेत परिवार के सदस्य तथा समर्थक शामिल रहे. उनके बड़े भाई एवं पूर्व विधायक सिगबतुल्लाह अंसारी समेत परिवार और रिश्तेदार भी जनाजे में शामिल हुए.

इस दौरान भीड़ ने नारे भी लगाये. अफजाल अंसारी ने कब्रिस्तान पहुंचकर लोगों को समझाया कि भीड़ एकत्र न करें और शांति बनाये रखने की अपील की. बाद में सिगबतुल्लाह भी वहां पहुंचे. जनाजे की नमाजों के बाद कालीबाग कब्रिस्तान में अंसारी का शव दफनाया गया. सबसे पहले, मुख्तार के पैतृक आवास के निकट मैदान में भी नमाज पढ़ी गई. बाद में भी नमाज अदा की गयी.

अंसारी के पैतृक आवास से कब्रिस्तान की दूरी आधा किलोमीटर से भी कम है. हालांकि जनाजे को यहां तक लाने में काफी समय लगा. वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीयूष मोर्डिया ने बताया, मैं यहां मोहम्मदाबाद में मौजूद हूं और पुलिस उप महानिरीक्षक यहां पर्यवेक्षण कर रहे हैं. वहीं वाराणसी परिक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) डॉ. ओ.पी. सिंह ने बताया, मुख्तार अंसारी को सुपुर्द-ए-खाक करने से पहले उनके आवास से जनाजा उठा और शुरुआत में घर के पास में नमाज-ए-जनाजा अदा की गयी. इसके बाद प्रिंस मैदान में भी नमाज पढ़ी गयी. भीड़ द्वारा नारेबाजी और कब्रिस्तान में जाने से रोके जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि परिवार के लोगों ने 40-50 लोगों की सूची दी थी, जिन्हें कालीबाग कबिस्तान में दफनाये जाने के समय रहने दिया गया. बाकी लोगों को नमाज के बाद रोक दिया गया. उन्होंने कहा कि पूरी तरह शांति व्यवस्था बनी हुई है.

इससे पहले, मोहम्मदाबाद विस क्षेत्र से सपा विधायक एवं अंसारी के भतीजे मोहम्मद सुहैब अंसारी उर्फ मन्नू अंसारी ने बताया कि उनके चाचा मुख्तार अंसारी के शव को शनिवार सुबह 10 बजे यूसुफपुर मोहम्मदाबाद के कालीबाग कब्रिस्तान में दफनाया जायेगा.

बांदा मेडिकल कालेज में शुक्रवार को अंसारी के शव का पोस्टमार्टम कराये जाने के बाद शाम पौने पांच बजे 26 वाहनों के सुरक्षा काफिले के साथ उसका शव करीब साढ़े आठ घंटे में लगभग 400 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद शुक्रवार देर रात एक बजकर 10 मिनट पर उसके पैतृक आवास पर लाया गया. भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अंसारी के आवास पर काफी भीड़ जमा हो गयी.

इंडिया की महारैली किसी एक पार्टी-व्यक्ति के लिए नहीं : रमेश

एजेंसी । नयी दिल्ली

कांग्रेस पार्टी ने कहा कि 31 मार्च को यहां रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की लोकतंत्र बचाओ रैली का उद्देश्य किसी व्यक्ति की रक्षा करना नहीं बल्कि संविधान और लोकतंत्र को बचाना है. रविवार को आयोजित होने वाली रैली से लोक कल्याण मार्ग (जहां प्रधानमंत्री का आवास स्थित है) को एक कड़ा संदेश दिया जायेगा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार का समय पूरा हो गया है.

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रैली को लेकर शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित अन्य वरिष्ठ नेता रैली को संबोधित करेंगे. रमेश ने कहा, यह कोई व्यक्ति विशेष की रैली नहीं है. इसीलिए इसे लोकतंत्र बचाओ रैली कहा जा रहा है. यह किसी एक पार्टी की रैली नहीं है, इसमें लगभग 27-28 पार्टियां शामिल हैं. इंडिया गठबंधन के सभी घटक इस रैली में हिस्सा लेंगे. रमेश की यह टिप्पणी इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि आप नेता इस रैली को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किये जाने के विरोध में आयोजित रैली के रूप में पेश कर रहे हैं.

प्रधानमंत्री मोदी आज रैली को करेंगे संबोधित

मेरठ /लखनऊ (उप्र) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद उत्तर प्रदेश के मेरठ में रविवार को एक रैली संबोधित कर राज्य में चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे. भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि प्रधानमंत्री की इस रैली में मेरठ के अलावा बागपत, बिजनौर, मुजफ्फरनगर और कैराना लोकसभा क्षेत्रों के लोग भी शामिल होंगे. भाजपा मुख्यालय से प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता को प्रधानमंत्री की रैली के समन्वय की जिम्मेदारी दी गयी है. चुनाव प्रबंधन में पार्टी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे भाजपा प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया, प्रधानमंत्री की मेरठ रैली पश्चिमी उप्र में मील का पत्थर साबित होगी. राजग इस बार राज्य की सभी 80 सीट पर जीत हासिल करेगा.

मुरलीधरन व पूर्व मंत्री थॉमस ने पर्चा भरा

तिरुवनंतपुरम/पथनमथिट्टा । केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन और माकपा के वरिष्ठ नेता टीएम. थॉमस इसाक ने 26 अप्रैल को केरल में होने वाले लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए शनिवार को अपने-अपने नामांकन दाखिल किये. मुरलीधरन पास के अट्टिंगल निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं और पूर्व राज्य मंत्री इसाक पथनमथिट्टा लोकसभा सीट के लिए माकपा-यूडीएफ के उम्मीदवार हैं. जिलाधिकारी कार्यालय में नामांकन दाखिल करने से पहले मुरलीधरन का पार्टी कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन क्षेत्र में भव्य स्वागत किया. विदेश राज्य मंत्री ने शनिवार सुबह यहां प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर और पझावंगडी गणपति मंदिर में भी पूजा-अर्चना की.

नौ समुद्री लुटेरों का सरेंडर, भारत ने 23 पाकिस्तानी को बचाया

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में 12 घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद एक बार फिर सोमालियाई समुद्री लुटेरों को सरेंडर करने के लिए मजबूर कर दिया. इसके बाद अपहृत ईरानी जहाज को छुड़ाने के साथ ही चालक दल के 23 पाकिस्तानी नागरिकों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित बचा लिया गया है. भारतीय नौसेना को 28 मार्च की देर शाम ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज अल-कंबर 786 को अरब सागर में अपहृत किए जाने की सूचना मिली थी. समुद्री डकैती के इनपुट पर भारतीय नौसेना ने समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए अरब सागर में तैनात दो जहाजों को अपहृत मछली पकड़ने वाले जहाज (एफवी) को रोकने के लिए डायवर्ट कर दिया. घटना के समय भारतीय युद्धपोत आईएनएस सुमेधा अपहृत जहाज से लगभग 90 नॉटिकल मील दक्षिण पश्चिम में था. नौसेना को अपहृत ईरानी जहाज पर नौ सशस्त्र समुद्री डाकुओं के सवार होने की प्रारंभिक जानकारी मिली थी.

तमिल अभिनेता डेनियल बालाजी का निधन

चेन्नई । अपने शानदार अभिनय के लिए विख्यात लोकप्रिय तमिल फिल्म अभिनेता डेनियल बालाजी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया. अस्पताल के एक सूत्र ने शनिवार को यह जानकारी दी. वह 48 वर्ष के थे. तिरुवानमियूर में रहने वाले अभिनेता ने सीने में दर्द की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें तुरंत यहां कोट्टिवक्कम के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया. अभिनय के क्षेत्र से राजनीति में आये कमल हासन ने कहा, डेनियल का अचानक निधन चौंकाने वाला है. कम उम्र में मौत की पीड़ा परेशान करने वाली है.

एक सांसद, दो पूर्व विधायकों ने बीजद से इस्तीफा दिया

एजेंसी । भुवनेश्वर

बीजद को झटका देते हुए, एक मौजूदा सांसद और दो पूर्व विधायकों ने शनिवार को आगामी लोकसभा और ओडिशा विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया. अभिनेता एवं केंद्रपाड़ा से मौजूदा सांसद अनुभव मोहंती ने बीजद से इस्तीफा दे दिया. मोहंती ने कहा कि वह चार साल से अधिक समय से पार्टी में घुटन महसूस कर रहे थे. वर्ष 2024 के आम चुनाव से पहले क्षेत्रीय पार्टी छोड़ने वाले भर्तृहरि महताब के बाद मोहंती बीजद के दूसरे मौजूदा सांसद हैं. केंद्रपाड़ा से सांसद को कटक में महताब के साथ होली मनाते देखा गया. अभिनेता से नेता बने एवं पूर्व विधायक आकाश दास नायक ने भी बीजद से इस्तीफा दे दिया. एक वीडियो बयान में कोरेई सीट से विधायक ने बीजद की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे की घोषणा की. उन्होंने कहा, अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनने के बाद, आत्मसम्मान और कोरेई के निवासियों के सम्मान के लिए, मैंने बीजद छोड़ने का फैसला किया है.

सुप्रीम कोर्ट की जज नागरत्ना ने खड़े किए सवाल

नोटबंदी के बाद 98% पैसा वापस आया तो काला धन कहां गया?

एजेंसी । हैदराबाद

हैदराबाद में 'कोर्ट्स एंड द कॉन्स्टीट्यूशन' सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सुप्रीम कोर्ट की जज नागरत्ना ने नोटबंदी पर सवाल खड़े किए. शनिवार को जज जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने राज्यपालों के संवैधानिक अदालतों के सामने मुकदमेबाजी में शामिल होने पर चिंता व्यक्त की. जस्टिस नागरत्ना ने राज्यपालों से संविधान के अनुसार चलने का आह्वान किया, बजाय इसके कि उन्हें बताया जाए कि क्या करना है और क्या नहीं. नोटबंदी मामले में अपने असहमति पर उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें नोटबंदी के बाद आम आदमी की दुर्दशा से वे कितनी व्यथित थीं.

मुझे खुशी है कि मुझे उस पीठ का हिस्सा बनने का मौका मिला. हम सभी जानते हैं कि 8 नवंबर 2016 को क्या हुआ था. 86% मुद्रा 500 और 1000 रुपये के नोट थे, मुझे लगता है कि केंद्र सरकार इसे भूल गई थी. उस मजदूर की कल्पना कीजिए जिसे रोजमर्रा की जरूरतों के लिए अपने नोटों को बदलना पड़ा. 98% मुद्रा वापस आ गई, तो काला धन निकालने (नोटबंदी का लक्ष्य) के मामले में हम कहां हैं? तो मैंने सोचा (उस समय) कि यह काले धन को सफेद बनाने का एक अच्छा तरीका था, जो बेनामी नकदी प्रणाली में प्रवेश कर रही थी. इसलिए आम आदमी की इस दुर्दशा ने मुझे वास्तव में परेशान किया और मुझे असहमति जतानी पड़ी.

उन्होंने कहा, हाल ही में यह चलन बन गया है कि राज्यों के राज्यपाल बिलों को मंजूरी देने में चूक या उनके द्वारा किए जाने वाले अन्य कार्यों के कारण मुकदमेबाजी का मुद्दा बन जाते हैं. संविधान के तहत राज्यपाल के कार्यों या चूक को संवैधानिक अदालतों के सामने लाना एक स्वस्थ प्रवृत्ति नहीं है. हालांकि इसे एक गवर्नर पद कहा जाता है, यह एक गंभीर संवैधानिक पद है, और राज्यपालों को संविधान के अनुसार काम करना चाहिए ताकि इस तरह के मुकदमे कम हों. राज्यपालों को यह बताया जाना काफी शर्मनाक है कि उन्हें क्या करना है या नहीं करना है. मुझे लगता है अब वह समय आ गया है जहां उन्हें बताया जाएगा कि वे संविधान के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन करें.

कॅरियर-काउंसिलिंग

फाइन आर्ट्स के कोर्स कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद । रांची

फाइन आर्ट्स कोर्स आर्ट्स के विविध दृश्य रूपों जैसे फोटोग्राफी, नाटक, पेंटिंग, मूर्तियां, वास्तुकला, थिएटर आदि के निर्माण का एक अध्ययन है. फाइन आर्ट्स में कैंडिडेट्स कई स्तरों पर, यानी 10वीं के बाद, 12वीं के बाद और ग्रेजुएशन के बाद भी आगे बढ़ सकते हैं. फाइन आर्ट के तौर पर इस कॅरियर को चुनने का मुख्य कारण यह है कि आर्ट एक ऐसा माध्यम है, जिससे आप जो सोचते हैं, उसे व्यक्त कर सकते हैं. एक खाली कैनवास पर आप अपनी सोच का अच्छे से वर्णन कर सकते हैं. आजकल, आर्ट पारंपरिक कला तकनीकों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि विभिन्न शैलियों जैसे कांच पर आर्ट, कपड़े, मिट्टी के बर्तनों आदि तक फैल गई है. आर्ट क्षेत्र में 3डी आर्ट्स और एनिमेशन जैसी टेक्नोलॉजी के आने से आर्ट को एक अच्छे करियर विकल्प के रूप में देखा जाने लगा है. आर्ट में एक रोमांचक कॅरियर बनाने के लिए दुनिया भर में हजारों छात्र पेशेवर और डिग्री प्रोग्राम, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स का चयन कर रहे हैं.

फाइन आर्ट्स कोर्सेज

- डिप्लोमा इन पेंटिंग
- जूनियर डिप्लोमा कोर्स पार्ट-1
- जूनियर डिप्लोमा कोर्स पार्ट- 2
- सर्टिफिकेट कोर्स इन पेंटिंग
- सर्टिफिकेट इन विजुअल आर्ट्स
- जूनियर सर्टिफिकेट इन फाइन आर्ट्स पार्ट - 1
- जूनियर सर्टिफिकेट इन फाइन आर्ट्स पार्ट- 2
- बीए इन पेंटिंग एंड ड्रॉइंग
- बीए पेंटिंग
- बीएफए पेंटिंग
- बीएफए एप्लाईड आर्ट्स
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स
- बैचलर ऑफ डिजाइनिंग
- बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स इन ग्राफिक डिजाइनिंग
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स इन डिजिटल कम्यूनिकेशन आर्ट्स
- बैचलर ऑफ इंटिरियर डिजाइनिंग
- बैचलर ऑफ डिजाइनिंग- इंटिरियर एंड इंवॉयरोमेंटल डिजाइनिंग
- बैचलर ऑफ डिजाइनिंग इन इंटिरियर आर्टिटेक्चर
- बैचलर ऑफ डिजाइनिंग इंवेंशन
- बैचलर इन आर्ट्स ऑफ विजुअल कम्यूनिकेशन फोटोग्राफी
- मास्टर इन फाइन आर्ट्स इन फिल्म एंड टेलीविजन
- मास्टर इन फाइन आर्ट्स
- मास्टर ऑफ डिजाइनिंग इन इंटिरियर डिजाइनिंग
- मास्टर इन आर्ट्स
- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स इन फोटोग्राफी
- एमए विजुअल आर्ट्स
- एमए इन पेंटिंग
- एमए फाइन आर्ट पेंटिंग
- एमएफए फाइन आर्ट

कॅरियर स्कोप

- फाइन आर्टिस्ट
- एनिमेटर
- कार्टूनिस्ट
- ग्राफिक डिजाइनर
- थ्रीडी विजुअलाइजर
- फोटोग्राफर
- क्रिएटिव डायरेक्टर
- आर्टिस्ट
- डिजाइन ट्रेनर
- आर्ट हिस्ट्रीयन

आर्ट में कॅरियर बनाने के लिए भारतीय विश्वविद्यालय

- कला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- दृश्य कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
- फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय
- चामराजेंद्र एकेडमी ऑफ विजुअल आर्ट्स, मैसूर विश्वविद्यालय
- कला भवन, विश्व भारती विश्वविद्यालय
- इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
- जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना
- रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता
- सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट, मुंबई
- हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)